नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे...

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 20 जून 2026, वर्ष- 09, अंक- 116, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पीएम ओडिशा में 25,016 करोड़ की कोयला गैसीकरण परियोजना का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयले-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन परियोजना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात प्रतिस्थापन और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए शनिवार (20 जून) को ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में 25,016 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन पहल से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में 25 परियोजनाओं में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ावा मिलने और लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। लखनपुर परियोजना देश की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट उत्पादन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। ये परियोजना एमसीएल के कब्जे वाली लगभग 350 एकड़ भूमि पर बनेगी, जिसे आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है और शिलान्यास समारोह के बाद काम शुरू होने की उम्मीद है। कोयला मंत्रालय ने इस तरह की परियोजनाओं के लिए कोयला युक्त भूमि के उपयोग को मंजूरी दी है और प्रोत्साहन योजना के तहत 1,350 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रहा है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना का विकास भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के संयुक्त उद्यम भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) द्वारा किया जा रहा है। यह बीएचईएल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण तकनीक का उपयोग करके प्रतिदिन 2,000 टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करेगी। इसके लिए अप्रैल में बीसीजीसीएल और सीआईएल की सहायक कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के बीच भूमि पट्टे का समझौता हुआ था। सरकार ने कोयला गैसीकरण की अपार संभावनाओं को देखते हुए देशभर में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 46,000 करोड़ रुपये तक के कुल परिव्यय वाली प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी दी है। यह परियोजना भविष्य की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य करेगी और भारत के विनिर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर और औद्योगिक शक्ति बनने के विजन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। भारत विश्व में कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है और कोल इंडिया लिमिटेड विश्व स्तर पर सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है।

प्रधानमंत्री 20-21 जून को पश्चिम बंगाल दौरे पर, पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 और 21 जून को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह हुगली जिले में पश्चिम बंग दिवस समारोह में भाग लेंगे, विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे, किसानों के लिए कई केंद्रीय कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे तथा 21 जून को कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार 20 जून को प्रधानमंत्री हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित पश्चिम बंगाल दिवस समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वह रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 23वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के खातों में भेजी जाएगी। पश्चिम बंगाल में 45 लाख से अधिक किसानों को 900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलेगी। प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की शुरुआत करेंगे। वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत राज्य के लगभग 50 लाख किसानों और 14 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को बीमा सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत 'एग्रीस्टैक', राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री दक्षिण 24 परगना जिले के फ्रेजरगंज में आधुनिकीकृत मत्स्य बंदरगाह तथा बीरभूम जिले के सैंथिया में नए आधुनिक मछली बाजार का उद्घाटन करेंगे।

होर्मुज खुला तो भारत पहुंचा पहला एलएनजी टैंकर

- दहेज टर्मिनल पर उतरी 62 हजार टन से अधिक गैस, ऊर्जा आपूर्ति को बड़ी राहत
- ईरान-अमेरिका समझौते के बाद बहाल हुआ जहाजों का आवागमन

नई सोच एक्सप्रेस। भरुच

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चली आ रही तनातनी थमने और होर्मुज जलडमरूमध्य से प्रतिबंध हटने के बाद ऊर्जा आपूर्ति में भारत को बड़ी राहत मिली है। दरअसल होर्मुज दोबारा खुलने के साथ ही तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) से लदा पहला टैंकर गुजरात के भरूच जिले स्थित दहेज टर्मिनल पहुंच गया। लगभग 110 दिनों की अनिश्चितता के बाद इस खेप का भारत पहुंचना देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहाज अपने साथ 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी लेकर आया है। दहेज टर्मिनल पर इसकी सुरक्षित अनलोडिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक है और इसके बाधित होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा कीमतों पर असर पड़ता है। ऐसे में मार्ग के खुलने से भारत सहित कई ऊर्जा आयातक देशों को राहत मिली है। इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएएससी) ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के आवागमन से जुड़ी सभी अपीलों और अनुमतियों के त्वरित निपटारे का निर्देश जारी किया है। यह फैसला ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद सामने आया है। एसएनएससी के अनुसार, समझौते के तहत अगले 60 दिनों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस अवधि के दौरान सभी खर्चों का वहन ईरान सरकार करेगी। जहाजों को अपने आवागमन संबंधी अनुरोध पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) को भेजने होंगे, जो इस प्रक्रिया का समन्वय करेगी। ईरान ने यह भी आश्वासन दिया है कि जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को चरणबद्ध तरीके से सामान्य किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता आएगी और भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों को आपूर्ति संबंधी चिंताओं से राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

टेलीग्राम को हाईकोर्ट से बड़ा झटका 22 तक प्रतिबंध बरकरार

नई दिल्ली। भारत में 21 जून को होने वाली नीट पुनर्परीक्षा से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए पांच दिन के अस्थायी प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए टेलीग्राम की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट कहा कि सरकार ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया है और राष्ट्रीय हित में ऐसा आदेश जारी करने की शक्ति उसके पास मौजूद है। टेलीग्राम की याचिका पर फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि प्रतिबंध लगाने के पीछे पर्याप्त कारण मौजूद थे और आदेश की आपात प्रकृति को देखते हुए सरकार की कार्रवाई उचित थी। अदालत ने यह भी माना कि उपलब्ध सामग्री पर केंद्र सरकार ने विधिवत विचार किया था तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की कमी नहीं थी। कोर्ट ने टेलीग्राम के उस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया, जिसमें आदेश की पूर्व सूचना न दिए जाने पर सवाल उठाया गया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सरकार को आवश्यकता पड़ने पर पूरे प्लेटफॉर्म या ऐप पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया आदेश कानूनी रूप से वैध है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि टेलीग्राम का इस्तेमाल कई बार आतंकवादी गतिविधियों, पेपर लीक, साइबर ठगी और अन्य अवैध कार्यों के लिए किया जाता रहा है।

पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है: विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारियों के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि आज पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विश्वभर में भारतीय प्रतिभा की मांग और प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सुगम और प्रभावी पासपोर्ट सेवाएं एक समृद्ध, वैश्विक रूप से जुड़े विकसित भारत की महत्वपूर्ण आधारशिला बनेंगी। जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति देश को 'विश्व बंधु' के रूप में स्थापित कर रही है। इसके कारण भारतीय पासपोर्ट को दुनिया भर में सम्मान और विश्वास के साथ देखा जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पासपोर्ट प्राप्त करना संघर्ष का विषय नहीं बल्कि नागरिकों का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में पासपोर्ट जारी करने का आंकड़ा 138 लाख से अधिक पहुंच गया है। यह भारतीय नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं और वैश्विक अवसरों की ओर उनके बढ़ते कदमों को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में देशभर में केवल 77 पासपोर्ट सेवा केंद्र थे और वार्षिक पासपोर्ट जारी करने की संख्या 83 लाख थी। सरकार के व्यापक विस्तार अभियान के परिणामस्वरूप अब 544 कार्यरत केंद्र स्थापित हो चुके हैं। इनमें 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र और 454 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 ने विकसित भारत के लिए वैश्विक गतिशीलता को नई परिभाषा दी है।

पीएम मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर बढ़ाया भारत का कद: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया जी-7 शिखर सम्मेलन और स्वोवाकिया यात्रा ने वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। पार्टी के अनुसार, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और वहां प्रधानमंत्री मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में ही भारत को जी7 में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था। ऐसा पहली बार 2003 में अटलजी के कार्यकाल के दौरान हुआ था। उन्होंने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं कीं। भारत ने जी-7 देशों के समक्ष इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इंपैक्ट) का प्रस्ताव रखा, जिसमें सदस्य देशों ने रुचि दिखाई। यह भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 33 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं, जो विश्व स्तर पर उनके नेतृत्व की स्वीकार्यता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार दुनिया के प्रमुख देशों का विश्वास अर्जित कर रहा है। साथ ही, फ्रांस द्वारा स्टेम शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिवर्ष 30 हजार भारतीय छात्रों के लिए अवसर उपलब्ध कराने के फैसले को भी भारत-फ्रांस संबंधों की मजबूती का संकेत बताया गया।

तीन साल में अपराधी को सजा तक पहुंचाने वाली व्यवस्था बनाना लक्ष्य : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को ऐसा प्रभावी माध्यम बनाया जाना चाहिए, जो प्रत्येक नागरिक को संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के शरीर, संपत्ति या सम्मान से जुड़े अधिकारों का उल्लंघन होता है और वर्षों तक अपराधी को दंड नहीं मिलता, तो ऐसी व्यवस्था न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार में आयोजित 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वर्ष 2019 में आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कानूनों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को जांच प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाना तथा एफआईआर से लेकर अपराधी को दोषसिद्ध कराने तक की प्रक्रिया को तीन वर्ष के भीतर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि देश वर्तमान में आपराधिक न्याय प्रणाली के परिवर्तन काल से गुजर रहा है। पहले थाना केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम माना जाता था, लेकिन समय के साथ उसकी भूमिका अपराध नियंत्रण और जांच-पड़ताल तक विस्तारित हुई। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरी न्याय प्रणाली नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का प्रभावी साधन बने। गृहमंत्री ने राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) की सराहना करते हुए कहा कि इसके जरिए कई जटिल मामलों को सुलझाने में सफलता मिली है, लेकिन इसका उपयोग अभी भी संभावित क्षमता का केवल 10 प्रतिशत ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस केवल अपराधियों की पहचान करने का साधन नहीं है, बल्कि हर अपराध स्थल से प्राप्त फिंगरप्रिंट को प्रणाली में जोड़कर इसके डेटाबेस को समृद्ध करना भी उतना ही आवश्यक है। शाह ने कहा कि प्रशिक्षण केवल एप्लिकेशन के उपयोग तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वैज्ञानिक साक्ष्य तैयार करने, चार्जशीट दाखिल करने, अभियोजन और न्यायपालिका तक पूरी प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाने की दिशा में होना चाहिए। जब फिंगरप्रिंट, डीएनए, चेहरे और टेलीफोन रिकॉर्ड जैसे वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध हों, तो अनावश्यक रूप से बड़ी संख्या में अतिरिक्त साक्ष्य जुटाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच, अभियोजन और दोषसिद्धि की पूरी शृंखला में तकनीक के सक्रिय उपयोग के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने दी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।'' ओम बिरला ने कहा कि ईश्वर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं। खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबको साथ लेकर चलने, सामाजिक न्याय, सद्भाव और करुणा की परंपरा आपके सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व में झलकती है। ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य, खुशी, शक्ति और देश की सेवा में लंबी उम्र प्रदान करे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कहा कि सच्चाई, निर्भीकता व साहस के पर्याय, कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं के नैतिक बल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में एक बार फिर से लोकतंत्र मजबूत होगा। मैं ईश्वर से आपके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। कांग्रेस राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वर्षों से आपके साथ निकटता से काम करते हुए मैंने आपके भीतर एक ऐसे नेता को देखा है जो दृढ़ विश्वासों के साथ आगे बढ़ता है।

नीट अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे चलाएगा छह विशेष ट्रेन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे ने 21 जून को पंजाब के विभिन्न शहरों के बीच छह विशेष अनारक्षित परीक्षा स्पेशल रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष ट्रेनों का संचालन अमृतसर, लुधियाना और फिरोजपुर कैंट के बीच किया जाएगा। उत्तर रेलवे के अनुसार, अमृतसर-लुधियाना-अमृतसर मार्ग पर रेलगाड़ी संख्या 04666/04665 स्पेशल का संचालन 21 जून को दो फेरों में किया जाएगा। यह ट्रेन अमृतसर, ब्यास, जालंधर सिटी, फगवाड़ा और फिल्लौर होते हुए लुधियाना पहुंचेगी तथा वापसी में इसी मार्ग से अमृतसर लौटेगी। इसी प्रकार रेलगाड़ी संख्या 04667/04668 लुधियाना-अमृतसर-लुधियाना स्पेशल भी 21 जून को दो फेरों में चलाई जाएगी। यह ट्रेन लुधियाना से चलकर फिल्लौर, फगवाड़ा, जालंधर सिटी और ब्यास स्टेशनों से होते हुए अमृतसर पहुंचेगी तथा वापसी में उसी मार्ग से लुधियाना लौटेगी। इसके अलावा फिरोजपुर कैंट-लुधियाना-फिरोजपुर कैंट मार्ग पर रेलगाड़ी संख्या 04670/04669 स्पेशल का संचालन भी दो फेरों में किया जाएगा।

नाइजर में एयरपोर्ट पर आतंकी हमला, 11 सैनिकों की मौत, 22 दहशतगर्द ढेर

नई सोच एक्सप्रेस। नियामी (नाइजर)

नाइजर की राजधानी नियामी में डियोरी हमानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार तड़के आतंकवादी हमला हुआ है। एयरपोर्ट पर एक घंटे से ज्यादा समय तक धमाके और गोलीबारी होती रही। नाइजर गणराज्य की सैन्य सरकार की शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि हमले में 11 सैनिक और 22 आतंकवादी मारे गए। अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र 'प्रीमियर टाइम्स' नाइजीरिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में दो आम नागरिकों की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह गोलीबारी एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार के पास शुरू हुई। इसके बाद सुरक्षा बलों को सारे परिसर को घेर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सेना की घेराबंदी के बाद आतंकवादी इधर-उधर भागने लगे। नाइजर की सेना ने दहशतगर्दों का पीछा किया। भागते समय आतंकवादी हथियारों का जखीरा वहीं छोड़ गए थे। अभी तक किसी भी समूह ने एयरपोर्ट पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसी साल जनवरी में इसी एयरपोर्ट पर ऐसी ही एक घटना हो चुकी है। इस्लामिक स्टेट इन द साहेल से जुड़े हथियारबंद आतंकवादियों ने मोर्टार और ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए कई तरफ से हमला किया था। उन्होंने नागरिक टर्मिनल और उससे सटे एयर बेस 101, दोनों को निशाना बनाया था। यह एयर बेस देश के सैन्य अभियानों के लिए एक अहम रणनीतिक केंद्र है। जनवरी के हमले में नाइजर की सेना के साथ रूसी अफ्रीका कॉर्प्स के लड़ाके भी थे।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

एजेंसी। अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं। 17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है।

नड्डा ने विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस पर रोग उन्मूलन का लक्ष्य दोहराया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणमंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के अवसर पर देशवासियों से स्वस्थ और अधिक समानतापूर्ण भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की अपील की। उन्होंने आज एक्स पर पोस्ट कर विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 7.19 करोड़ से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है, जबकि 20.26 लाख से अधिक वाहकों (कैरियर्स) की पहचान की गई है। इसके अलावा 2.46 लाख लोगों में सिकल सेल रोग का निदान किया गया है तथा 4.82 करोड़ सिकल सेल कार्ड वितरित किए गए हैं। ये उपलब्धियां विशेष रूप से आदिवासी आबादी और अन्य कमजोर समुदायों के बीच शुरुआती निदान, समय पर उपचार, आनुवंशिक परामर्श और व्यापक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रभावित लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

पहली बार मोबाइल नेटवर्क ने चांद से धरती के साथ किया कनेक्शन स्थापित

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने चांद पर पहली बार किसी मोबाइल नेटवर्क ने सफलतापूर्वक धरती के साथ कनेक्शन स्थापित किया। इस अभूतपूर्व प्रयास ने एक ऐसी उम्मीद को लौ दिखाई है जिसे साकार करने में वैज्ञानिक दिन-रात जुटे हैं। वैज्ञानिकों के इस अभूतपूर्व प्रयास ने अंतरिक्ष अनुसंधान में एक नया अध्याय रच दिया है। चांद पर मोबाइल नेटवर्क का यह अनोखा प्रयास सिर्फ एक ट्रायल था, लेकिन अब इसे नासा के आर्टेमिस मिशन के साथ हकीकत में बदलने की तैयारी है। नोकिया और इन्यूटिव मशीन का लैंडर एथेना पिछले साल मार्च में चांद के साउथ पोल पर उतरा था। यह लैंडर अपने साथ 4जी/एलटीई मोबाइल नेटवर्क सिस्टम लेकर गया था। सफलतापूर्वक लैंड होने के बाद, नेटवर्क एक्टिव हुआ और धरती पर मौजूद कंट्रोल सेंटर के साथ कनेक्ट होकर डेटा भी भेजा। नोकिया का दावा है कि इस नेटवर्क के मुख्य हिस्से, रेडियो और नेटवर्क कोर ने सही तरीके से काम किया। हालांकि, यह चांद से धरती पर कॉल नहीं कर पाया, क्योंकि धूप न मिलने की वजह से सौर पैनल पूरी तरह चार्ज नहीं हो सके और यह नेटवर्क सिर्फ 25 मिनट ही काम कर पाया।

संक्षिप्त समाचार

शाहपुर घटना की निष्पक्ष जांच हो, दोषी कोई भी हो बख्शा न जाए : ऋतुराज सिन्हा

पटना।भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने भोजपुर के शाहपुर में भारत भूषण तिवारी की मृत्यु की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन की कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरे मामले की सच्चाई सामने आना आवश्यक है। यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग, लापरवाही या निर्धारित प्रक्रिया के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का नहीं, बल्कि जनता के कानून और न्याय व्यवस्था पर विश्वास से भी जुड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि एनडीए सरकार मामले में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई करेगी तथा दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने शाहपुर और भोजपुर की जनता से शांति एवं संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि न्याय की मांग लोकतांत्रिक तरीके से की जानी चाहिए और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के साथ मनाया गया

पटना।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन शुक्रवार को रांची के बरियातू रोड स्थित चेशायर होम में सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने चेशायर होम के दिव्यांग बच्चों और अंतःवासियों के बीच पहुंचकर उनके साथ समय बिताया तथा खुशियां साझा कीं। राहुल गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में केक काटा गया और बच्चों के बीच फल, मिठाइयों तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। उपस्थित नेताओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राहुल गांधी का सार्वजनिक जीवन न्याय, समानता, प्रेम और सेवा जैसे मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज को मजबूती प्रदान करना राहुल गांधी की राजनीति का प्रमुख उद्देश्य रहा है। इसी भावना के अनुरूप उनके जन्मदिन को औपचारिक और भव्य आयोजन के बजाय जनसेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का संदेश समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता एवं सहभागिता को बढ़ावा देता है। कांग्रेस परिवार सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में सतीश पौल मुंजनी, डॉ. राजेश गुप्ता, आलोक दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. एम. तौशिफ, केदार पासवान, राजेश सिन्हा सन्नी, राजन वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर चेशायर होम प्रबंधन एवं बच्चों ने कांग्रेस प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने दी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई

पटना।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके कांग्रेस नेता समेत कई पार्टियों के नेताओं ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, बर्थडे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं। पीएम मोदी द्वारा राहुल को जन्मदिन की बधाई देना लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सौहार्द को दर्शाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी। खड़गे ने राहुल गांधी की संविधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी आवाज ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई एंव शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर बधाई का संदेश देते हुए लिखा "लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राहुल गांधी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ, सफल, सुखद, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।" सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने राहुल की तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा "आप निरंतर सामाजिक व आर्थिक न्याय के क्रियान्वयन , संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सद्प्रयास जारी रखते हुए जनसेवा करते रहें , इसी शुभेच्छा के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। कांग्रेस समर्थित पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राहुलं गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि देश की एकमात्र उम्मीद राहुल गांधी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।

मंत्री संजय कुमार सिंह ने मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र की योजनाओं एवं श्रावणी मेला तैयारियों की समीक्षा की

पटना।लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री संजय कुमार सिंह ने विभागीय मुख्यालय में मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में हर घर नल का जल योजना, पेयजल आपूर्ति, जल संरचनाओं के रख-रखाव, जलापूर्ति योजनाओं के संचालन, ऑपरेटरों के मानदेय भुगतान तथा जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को सभी लंबित कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। समीक्षा के दौरान मंत्री ने बंद पड़े सभी चापाकलों की मरम्मत 15 दिनों के भीतर कराने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि बंद पाई जाने वाली जलापूर्ति योजनाओं के लिए जिम्मेदार संवेदकों एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं के संचालन में लगे ऑपरेटरों के मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा। मंत्री ने सेंट्रलाइज्ड ग्रीवांस रिड्रेसल सेल (सीजीआरसी), सहयोग शिविरों एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। बैठक में आगामी श्रावणी मेला की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने कांवरियों की सुविधा के लिए मार्गों पर आवश्यकतानुसार पंडाल, शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने तथा राज्य में कहीं भी पेयजल संकट उत्पन्न न होने देने के लिए जलापूर्ति योजनाओं की नियमित निगरानी और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार तथा अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का ऐलान, बुलेट ट्रेन 5 घंटे में दिल्ली से पटना ले जाएगी

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार से अगले 5 से 8 सालों में 200 नई रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी
» आने वाले समय में 7000 किलोमीटर लंबा बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर देश भर में बिछाया जाएगा

पटना।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को छपरा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आने वाले समय में दिल्ली से पटना का सफर बुलेट ट्रेन से सिर्फ 4 घंटे और 45 मिनट में पूरा होने वाला है। उन्होंने ने कहा कि बिहार में रेल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार होने वाला है। राज्य में अगले 5 से 8 सालों में 200 नई ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे रेल यात्रियों की समस्या दूर होगी। इसमें दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच बनने वाला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट भी शामिल है। बुलेट ट्रेन के जरिए पटना से दिल्ली का सफर महज पौने 5 घंटे में पूरा हो जाएगा। यह घोषणा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को छपरा में की। उन्होंने कहा कि बिहार का इतिहास देश के निर्माण की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा हुआ है। रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा। उन्होंने छपरा-दिल्ली आनंद विहार एक्सप्रेस और मऊ-दिल्ली आनंद विहार एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही दोहरीघाट-औड़िहार ट्रेन का वाराणसी सिटी तक विस्तार किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल हुए। दोनों नेता पटना से विशेष सैलून ट्रेन से छपरा पहुंचे। रेल मंत्री ने कहा, आने वाले समय में बिहार में बुलेट ट्रेन भी आएगी। दिल्ली से लखनऊ, लखनऊ से वाराणसी, वाराणसी से पटना और पटना से सिलीगुड़ी के बीच बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर बिछाया जाएगा। दिल्ली से पटना की यात्रा मात्र 4 घंटे 45 मिनट की रह जाएगी।" उन्होंने दावा किया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का विजन है। पहला बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट अहमदाबाद से मुंबई के बीच अगले साल चालू हो जाएगा। आने वाले समय में 7000 किलोमीटर लंबा बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर देश भर में बिछाया जाएगा।

पटना का नाम पाटलिपुत्र करने की घोषणा का स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना का नाम बदलकर 'पाटलिपुत्र' करने की घोषणा का विभिन्न वर्गों में स्वागत किया जा रहा है। इस मांग को लेकर वर्षों तक जन आंदोलन चलाने वाले पाटलिपुत्र जागरण अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए निर्णय के शीघ्र क्रियान्वयन का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में डॉ. सुलभ ने कहा कि पाटलिपुत्र भारत के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस सदी की शुरुआत में समिति ने पटना का नाम पाटलिपुत्र करने के लिए व्यापक जन आंदोलन चलाया था, जिसे सभी धर्मों, समुदायों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों और विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन मिला था। डॉ. सुलभ ने स्मरण कराया कि इस मांग का समर्थन पूर्व राज्यपाल आर.एस. गवई सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी किया था। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस जनभावना को अब मूर्त रूप मिलने की उम्मीद जगी है। उन्होंने सरकार से जल्द आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर पटना का नाम आधिकारिक रूप से पाटलिपुत्र घोषित करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि आंदोलन के दौरान व्यापक जनसमर्थन के बाद पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र और पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन का नामकरण किया गया था। अब मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद नाम परिवर्तन की मांग फिर चर्चा में आ गई है।

सेवा कार्यों के साथ मनाया गया राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 56वें जन्मदिन के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बरियातू रोड स्थित चेशायर होम में सेवा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने चेशायर होम के दिव्यांग बच्चों और अंतःवासियों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। राहुल गांधी के जन्मदिन पर केक काटा गया तथा बच्चों के बीच फल, मिठाई और अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। नेताओं ने बच्चों के साथ समय बिताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राहुल गांधी का जीवन न्याय, समानता, प्रेम और सेवा के मूल्यों को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद और वंचित लोगों की सेवा ही राहुल गांधी के विचारों का वास्तविक सम्मान है। इसी भावना के तहत जन्मदिन को सेवा कार्य के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में सतीश पौल मुंजनी, डॉ. राजेश गुप्ता, आलोक दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. एम. तौशिफ, केदार पासवान, राजेश सिन्हा सन्नी, राजन वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने राहुल गांधी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए सामाजिक न्याय और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अंत में चेशायर होम प्रबंधन एवं बच्चों ने कांग्रेस नेताओं के इस मानवीय प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

बिहार को और सुंदर बनाएंगे : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

» 286 करोड़ रुपये की 157 विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार से नगर विकास एवं आवास विभाग की 286 करोड़ रुपये लागत की 157 विकास योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 239 करोड़ रुपये की 114 योजनाओं का उद्घाटन तथा 47 करोड़ रुपये की 43 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बिहार के शहरों को आधुनिक, स्वच्छ और विश्वस्तरीय बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पटना के सौंदर्यीकरण, आधारभूत संरचना के विस्तार और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने अमृत 2.0 योजना के तहत 11.44 करोड़ रुपये की लागत से 'वेस्ट टू वंडर' थीम आधारित लोकनायक जयप्रकाश नारायण पार्क के शिलान्यास की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों में तेजी लाई जाएगी तथा नमामि गंगे परियोजना के तहत घर-घर सीवरेज नेटवर्क की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्थानीय जरूरतों के अनुरूप सब्जी हाट योजना लागू की जाएगी, जिससे बाजार व्यवस्था बेहतर होगी और यातायात सुगम बनेगा। पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, जेपी गंगा पथ, ग्रीन एरिया विकास, पार्किंग, गार्डेन और वॉकिंग पाथवे का भी उद्घाटन किया गया। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए 50 आधुनिक दुकानों का शिलान्यास तथा 200 प्रीफैब्रिकेटेड दुकानों का उद्घाटन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पटना में 66 हजार एकड़ क्षेत्र में 'पाटलिपुत्र' नाम से एक आधुनिक सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएगी, जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की आवासीय, शैक्षणिक, स्वास्थ्य, व्यावसायिक और मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार के प्रत्येक शहर को विकास, स्वच्छता और सुशासन का आदर्श केंद्र बनाना है तथा विकास कार्यों के माध्यम से पटना के ऐतिहासिक गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

डिजिटल बिहार की नई उड़ानः केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने STPI पटना का किया दौरा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।डिजिटल इंडिया' के संकल्प के साथ विकसित बिहार की नींव अब और मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव आज राजीवनगर स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (STPI) में आईटी इंडस्ट्री एवं स्टार्टअप संगठनों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति ने बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने सेमीकंडक्टर सेक्टर में 2032 तक लाखों नई नौकरियों की संभावना जताई। उन्होंने कहा कि नवाचार, तकनीक और उद्यमिता के माध्यम से युवा अब बिहार में ही वैश्विक अवसरों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बिहार में नये स्टार्टअप की शुरुआत करने और इसे बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्टार्टअप और उद्योगों को बेहतर सुविधाएं एवं अवसर प्रदान करने के लिए 'बिहार टेक' पोर्टल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले 5 वर्षों में बिहार उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के युवा यहां स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजन करें। सरकार उन्हें हर संभव सहायता करेगी।

बिहार के आम की मिठास अब वैश्विक बाजार तक, बामेती में आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार की बागवानी क्षमता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से पटना स्थित बिहार कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती) परिसर में शुक्रवार से तीन दिवसीय आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ हुआ। कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा आयोजित इस राज्यस्तरीय महोत्सव का उद्घाटन बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। यह आयोजन 21 जून तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में कृषि मंत्री ने कहा कि भागलपुर का जर्दालू आम और पटना का दुधिया मालदह आम अब विदेशों में भी बिहार की पहचान बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि उत्पाद निर्यात नीति तैयार कर रही है। हाल ही में बिहार से जर्दालू, बम्बईया और दुधिया मालदह आम के दो कंटेनर दुबई भेजे गए हैं, जबकि बांका से आम का निर्यात अमेरिका किया गया है। लीची का निर्यात भी दुबई तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि फल एवं फूलों की खेती किसानों के लिए "एटीएम" की तरह है, जो पूरे वर्ष आय का मजबूत स्रोत बन सकती है। बिहार मखाना, लीची और मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम, जबकि आम और आलू उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। मंत्री ने किसानों से आधुनिक तकनीकों और प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। महोत्सव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्लांटिक्स ऐप का प्रदर्शन किया गया, जिससे किसान फसलों में कीट एवं रोगों की पहचान कर सकेंगे। इसके अलावा आधुनिक बागवानी तकनीक और वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से आम के बागों का अनुभव भी उपलब्ध कराया गया। कृषि विभाग के प्रधान सचिव ने बताया कि बिहार में लगभग 1.6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आम की खेती होती है और वार्षिक उत्पादन 15.84 लाख मीट्रिक टन है। उन्होंने किसानों से आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उत्पादन एवं निर्यात बढ़ाने की अपील की। महोत्सव में किसानों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, विद्यार्थियों और आम प्रेमियों की भागीदारी के साथ आम आधारित प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने बिहार को कृषि विकास के नए शिखर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

23 जून को बलिदान दिवस और 25 जून को काला दिवस मनाएगी भाजपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक मजबूती तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राज्य के सभी शक्ति केंद्रों पर व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। वहीं 23 जून को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस तथा 25 जून को आपातकाल की वर्षगांठ पर काला दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्षों के कार्यकाल को यादगार बनाने के लिए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 6 जुलाई तक महाजनसंपर्क अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, प्रबुद्धजन संपर्क, जैविक कृषि गोष्ठी और विकसित भारत संकल्प गोष्ठी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने 6 जुलाई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती धूमधाम से मनाने का भी आह्वान किया। श्री साहू ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी मेहनत, सेवा भाव और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता पार्टी को मजबूत बनाती है। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। बैठक को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह एवं प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद, विधायक तथा पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग की उपलब्धियों की जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग द्वारा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से सूचना भवन स्थित संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के. सेंथिल कुमार ने संबोधित किया। इस अवसर पर विशेष सचिव-सह-बोर्ड श्री सुनील कुमार यादव, विशेष सचिव श्री उपेंद्र प्रसाद, श्रमायुक्त बिहार श्री राजेश भारती सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि श्रमिकों के कल्याण हेतु विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 446 लाभुकों को 8.67 करोड़ तथा वर्ष 2026-27 में अब तक 168 लाभुकों को 3.35 करोड़ की सहायता राशि प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने प्रवासी मजदूर की मृत्यु पर आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि 2 लाख से बढ़ाकर 4 लाख कर दी है। साथ ही, राज्य के बाहर या विदेश में दुर्घटना से मृत्यु होने पर पार्थिव शरीर को गृह राज्य तक लाने का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विकसित बिहार प्रवासी कामगार ऐप पर 10 जून 2026 तक 6.84 लाख से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण किया जा चुका है। बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 9,719 लाभुकों को 54.91 करोड़ तथा वर्ष 2026-27 में अब तक 1,303 लाभुकों को 7.97 करोड़ की सहायता राशि दी गई है। बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन अभियान के तहत वर्ष 2025-26 में 1,054 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। पुनर्वास के लिए वर्ष 2026-27 में 126 बच्चों के खातों में 31.50 लाख की सावधि जमा राशि, 103 बच्चों को तत्काल सहायता के रूप में 3.09 लाख तथा 166 बच्चों के लिए कल्याण कोष में 8.30 लाख जमा किए गए हैं। राज्य सरकार ने बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए राज्य रणनीति एवं कार्ययोजना-2025 भी लागू की है तथा बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग का पुनर्गठन किया गया है। विभिन्न श्रम अधिनियमों के तहत ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से वर्ष 2025-26 में 12,013 लाइसेंस एवं प्रमाण-पत्र जारी किए गए तथा 2.07 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत अब तक 42.31 लाख निर्माण श्रमिकों का निबंधन किया गया है। बोर्ड की 16 कल्याणकारी योजनाओं के तहत वर्ष 2025-26 में 15.48 लाख लाभुकों को 1,119.83 करोड़ की सहायता राशि वितरित की गई। निर्माण श्रमिकों के कौशल उन्नयन के लिए अब तक 24,106 श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसके अलावा, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के तहत चिकित्सा सेवाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए बिहार कर्मचारी राज्य बीमा सोसायटी (ESI Society) का गठन किया गया है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण रूप से क्रियाशील किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आत्मनिर्भर बिहार की नींव रखेंगे बिहार के युवा : डॉ0 अशोक वर्मा

पटना।राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि बिहार का युवा राज्य की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन सरकार की कमजोर नीतियों की वजह से ये ताकत पलायन करने को मजबूर है। यदि सरकार दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाए तो बिहार को बेरोजगारी मुक्त बनाया जा सकता है। डॉ० वर्मा ने सरकार के सामने 3-सूत्री फॉर्मूला रखाः उद्योगों के लिए सिंगल-विंडो सिस्टम लागू कर निवेश को सरल बनाया जाए, तकनीकी शिक्षा को उद्योग की मांग के अनुसार ढाला जाए और स्वरोजगार की योजनाओं को पूरी तरह पारदर्शी किया जाए। उन्होंने कहा कि ये तीन कदम उठते ही बिहार का युवा बिहार में ही रोजगार पाएगा और आत्मनिर्भर बिहार का सपना हकीकत बनेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि बिहार से युवाओं का पलायन रोकने के लिए तुरंत कार्ययोजना बनाकर गांव-गांव रोजगार सृजन शुरू किया जाए। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी सरकार के हर सकारात्मक कदम का समर्थन करेगी।

न्याय के साथ विकास और सुशासन के नीतीश मांडल को आगे बढ़ा रही है बिहार सरकारः- मंत्री श्रवण कुमार

बिहारशरीफ।बिहारशरीफ प्रखंड के मेघी नगवां पंचायत के ग्राम नगवां में यात्री शेड का एवं ग्राम दीपनगर एन एच गौरैया स्थान से लेकर रामानंद सिपाही के घर ईंट सोलिंग नाली निर्माण एवं पी सी सी ढलाई कार्य का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक सह जदयू विधायक दल के नेता सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार के द्वारा किया गया।इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जो बिहार कभी बदहाली,पलायन और पिछड़ेपन की पहचान माना जाता था, आज वही बिहार विकास, सुशासन और नई संभावनाओं की मिसाल बनकर उभरा है। विगत 21 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य ने प्रगति,आत्मविश्वास और सम्मान की नई ऊंचाइयों को छुआ है।उन्होंने बिहार के मान, सम्मान और स्वाभिमान को नई पहचान दिलाई है आज उन्हीं के मार्गदर्शन में सम्राट सरकार काम कर रही है।बिहार में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है।सरकार ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उन्हें कुशल बनाने पर जोर दिया।आज इस पहल से बिहार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।आज हर बिहारवासी राज्य में हुए सकारात्मक बदलाव को महसूस करता है।बिहार में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया, महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती दी तथा रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित किए।अंधेरे से उजाले तक,संघर्ष से सफलता तक और संकल्प से सिद्धि तक,यह नए बिहार की प्रेरक यात्रा है बेहतर सड़कें, हर घर तक बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा आधारभूत संरचनाओं में हुए व्यापक सुधार ने राज्य को नई पहचान दी है। विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ बिहार आज नए विश्वास,नए अवसरों और बिहार नई संभावनाओं की ओर निरंतर अग्रसर है बिहार में हुए अकल्पनीय परिवर्तन की गवाह बिहार की जनता है सब ने अपनी आंखों से बिहार में हुए न्याय के साथ विकास और सुशासन मांडल को देखा है बिहार में हुए विकास कार्यों का डंका आज देश में बज रहा है।इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य ममता चौधरी जदयू प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव जीतन चौहान संजय प्र कुशवाहा शंभू कुशवाहा मुन्ना पासवान रामवृक्ष प्रसाद रविन्द्र कुशवाहा संजय राम रंजीत सिंह मुन्ना पासवान दिनेश साव इंदू चौहान कलेश्वर प्र पैक्स अध्यक्ष शिवचरण प्र कुशवाहा सागर कुमार गुलशन कुशवाहा सुरेश प्र अमित यादव आकाश कु काजल प्रदीप मुखिया उपेन्द्र दिलवाला दिनेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिहार में कौशल विकास को नई रफ्तार, 63,115 रोजगार अवसर सृजित

पटना। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में सात निश्चय-3 के तहत युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि नवंबर 2025 से मई 2026 के बीच विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 63,115 रोजगार अवसर सृजित किए गए हैं, जबकि बिहार रोजगार सेतु पोर्टल के जरिए अब तक 68,822 युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। विकास आयुक्त ने कहा कि युवाओं को भविष्य की औद्योगिक और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों का पुनर्संरचना किया जाएगा। सोलर टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एआई, ग्रीन जॉब्स, प्लंबिंग, एनर्जी मैनेजमेंट और बैटरी टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से राज्य के 149 आईटीआई संस्थानों का आधुनिकीकरण किया गया है, जहां 23 अत्याधुनिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। वहीं, 44 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से अब तक 26,740 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और 4,600 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। समीक्षा के दौरान PM-SETU योजना के तहत 15 हब और 60 स्पोक आईटीआई क्लस्टर विकसित किए जाने की जानकारी दी गई, जिसकी कुल लागत 3,615 करोड़ रुपये है। इसके अलावा युवाओं की वैश्विक रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अंग्रेजी, जापानी, जर्मन और अरबी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विकास आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सात निश्चय-3 के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, रोजगार और स्वरोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

चैम्बर के प्रयास से पटना में एनसीएलटी सर्किट बेंच शुरू होने की उम्मीद जगी

पटना।बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष पी.के. अग्रवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य सुमित कुमार ने 19 जून 2026 को नई दिल्ली में कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय के संयुक्त सचिव बालामुर्गन डी. एवं अनीता शाह अकेला से मुलाकात कर पटना में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की बेंच स्थापित करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि पटना में एनसीएलटी के लिए स्थान पूर्व से उपलब्ध है, लेकिन अब तक बेंच का संचालन शुरू नहीं हो सका है। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि पूर्ण बेंच की स्थापना तक पटना में सर्किट बेंच शुरू करने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। इससे बिहार के उद्यमियों, कंपनी सेक्रेटरीज एवं अन्य पेशेवरों को मामलों के निपटारे के लिए कोलकाता नहीं जाना पड़ेगा। चैम्बर अध्यक्ष पी.के. अग्रवाल ने बताया कि एनसीएलटी कंपनी मामलों एवं दिवालियापन संबंधी विवादों के त्वरित और पारदर्शी निपटारे के लिए स्थापित अर्ध-न्यायिक संस्था है, जो कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय के अधीन कार्य करती है। उन्होंने कहा कि चैम्बर पिछले आठ वर्षों से पटना में एनसीएलटी बेंच की स्थापना के लिए प्रयासरत है। इसके शुरू होने से बिहार के उद्योग एवं व्यापार जगत को समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

'एक पेड़ माँ के नाय' अभियान के तहत फुलवारी शरीफ में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, आज करोड़ों देशवासियों की भागीदारी से एक विराट जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रसेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने एवं सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री का कीर्तिमान स्थापित करने के उपलक्ष में आज फुलवारीशरीफ ब्लॉक के पास वार्ड (7) पार्षद मीना देवी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढावा देने के उद्देश्य से एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद की नवनिर्वाचित सदस्य शीला पंडित ने ब्लॉक परिसर के समीप पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने अपील किया कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए हम सभी अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने वार्ड पार्षद मीना देवी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक विकास के साथ साथ पर्यावरण की रक्षा करना भी हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सर्व जन कल्याण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रजापति ने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के इस दौर में पौधारोपण फैशन नहीं, बल्कि हमारी मजबूरी और सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ या किसी भी शुभ कार्य में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। आयोजन कर्ता वार्ड पार्षद पति भीम पंडित ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र को हर-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। इस अभियान को आगे भी जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता गंगासागर , डॉ.कमलेश, डॉ.अरुण, डॉ. संजय, संतोष, दीनबंधु, अशोक कुमार, सतीश पासवान, लालबाबू, श्रीकांत, विवेक रजक, रामप्रवेश, शिवकुमार, रामप्रसाद, बेबी, रामबालक, रातलाल सहित कई गणमान्य लोग और भारी संख्या मे क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए बढ चढ़कर भाग लेने के लिए और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

बंधन बैंक ने बीकेसी में कॉर्पोरेट बैंकिंग शाखा खोली

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बंधन बैंक ने आज मुंबई में एक समर्पित कॉर्पोरेट बैंकिंग शाखा के उद्घाटन की घोषणा की, जो भारत की वित्तीय राजधानी में उसकी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुंबई के बीकेसी स्थित आईएनएस टॉवर में स्थापित इस नई शाखा का उद्घाटन बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) श्री पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने किया। इस अवसर पर बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी (ईडी एवं सीबीओ) श्री राजिंदर कुमार बब्बर, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (ईडी एवं सीओओ) श्री रतन कुमार केश, होलसेल बैंकिंग प्रमुख श्री सतीश कुमार तथा बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बंधन बैंक के एमडी एवं सीईओ श्री पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा, "बीकेसी में हमारी समर्पित कॉर्पोरेट बैंकिंग शाखा के शुभारंभ की घोषणा करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह पहल हमारे कॉर्पोरेट बैंकिंग कारोबार के विस्तार और कॉर्पोरेट ग्राहकों को संबंध-आधारित विशेष सेवाएं प्रदान करने की रणनीतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्राकृत जैन शास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान के पुनरुत्थान की दिशा में सकारात्मक पहल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्राकृत जैन शास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली के भविष्य को लेकर जैन समाज की चिंताओं के बाद बिहार सरकार ने इसके विकास और संरक्षण का आश्वासन दिया है। हाल ही में संस्थान को उच्च शिक्षा विभाग से कला, संस्कृति एवं युवा विभाग में स्थानांतरित किए जाने के बाद समाज में इसके बंद होने की आशंका उत्पन्न हुई थी। इसके विरोध में देश-विदेश के जैन समाज ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं अन्य अधिकारियों को पत्र भेजकर संस्थान के संरक्षण की मांग की थी। इसी क्रम में 16 जून 2026 को कला एवं संस्कृति विभाग के मुख्य सचिव श्री प्रणव कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद सचिव पराग जैन की अगुवाई में आयोजित हुई। लगभग ढाई घंटे चली बैठक में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने संस्थान के इतिहास, वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि संस्थान को बंद करने की कोई योजना नहीं है, बल्कि इसे और अधिक सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बैठक में जैन प्रतिनिथि मंडल ने बताया कि वर्ष 1956 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संरक्षण में स्थापित यह संस्थान प्राकृत भाषा, जैन दर्शन और अहिंसा के अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। जैन समाज ने सुझाव दिया कि आगामी प्लेटिनम जुबली वर्ष (75वें वर्ष) को ध्यान में रखते हुए पंचवर्षीय विकास योजना बनाई जाए, जिससे इसे विश्वस्तरीय शोध केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक में आधुनिक शोध सुविधाओं, डिजिटल पांडुलिपि संरक्षण, पुस्तकालय विस्तार तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोधार्थियों को आकर्षित करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। एम पी जैन ने बताया कि जैन समाज के प्रतिनिधियों ने इसे एक सकारात्मक पहल बताते हुए आशा व्यक्त की कि वैशाली की यह ऐतिहासिक धरोहर भविष्य में प्राकृत, जैन दर्शन और अहिंसा के वैश्विक अध्ययन का प्रमुख केंद्र बनेगी।

डाबर ग्लुकोज़ ने युवा एथलीट्स को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया एनर्जाइज़ इंडिया कैंपेन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज़ ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन एनर्जाइज़ इंडिया लॉन्च किया है। इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लुकोज़ ने पाटलिपुत्रा कॉलोनी स्थित पाटलिपुत्रा टेनिस सेंटर में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस हेड ब्यास आनंद एवं पाटलिपुत्रा टेनिस सेंटर के मुख्य कोच राजन कुमार मौजूद रहे। सत्र के दौरान एथलीट्स को उन्होंने बताया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने परफोर्मेन्स को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। मौके पर डाबर ने सेंटर के टॉप एथलीट्स को सम्मानित भी किया। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस हेड ब्यास आनंद ने कहा कि कहा डाबर ग्लुकोज़ हमेशा से युवाओं को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करता रहा है। युवा एथलीट्स के साथ यह साझेदारी इसी लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। अपने ताज़गी से भरे स्वाद और इंस्टेन्ट एनर्जी के साथ डाबर ग्लुकोज़ युवा एथलीट्स की एनर्जी बनाए रखने के लिए बेहतरीन विकल्प है, जिसे अपनाकर वे अपना सर्वश्रेष्ठ परफोर्मेन्स दे सकते हैं। जबकि पाटलिपुत्रा टेनिस सेंटर के मुख्य कोच राजन कुमार ने कहा कि खेल में अच्छा परफोर्मेन्स देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत ज़रूरी है। इस सत्र के दौरान उन्हें बताया कि वे किस तरह अपने स्टैमिना और धैर्य में सुधार ला सकते हैं, जो एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

पटना में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाई गई जैन श्रुत पंचमी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जैन धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व श्रुत पंचमी के अवसर पर पटना के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित मीठापुर दिगम्बर जैन मन्दिर, मुरादपुर जिनालय, कमलदह, गुरारा, कालीबीबी कटरा एवं पंचायती दिगम्बर जैन मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान आराधना का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महासमिति बिहार झारखंड के महामंत्री एम पी जैन ने बताया की जैन आगम ग्रंथों, शास्त्रों एवं जिनवाणी की विशेष पूजा-अर्चना सभी दिगम्बर जैन मन्दिरों में की गयी. जैन ने बताया की जैन परंपरा में श्रुत पंचमी को ज्ञान और शास्त्रों के संरक्षण तथा संवर्धन के पर्व के रूप में मनाया जाता है। श्रुत पंचमी का पर्व जैन समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और यह जिनवाणी के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का विशेष अवसर होता है। आज प्रातःकाल से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान महावीर एवं तीर्थंकरों की पूजा-अर्चना के साथ-साथ जैन आगम ग्रंथों का विशेष अभिषेक, पूजन एवं आरती संपन्न हुई। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों एवं स्तुतियों का वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने ज्ञान की देवी जिनवाणी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर अपने जीवन में सद्ज्ञान, संयम एवं आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। मौके पर बिहर स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद सचिव पराग जैन ने कहा कि दुर्लभ जैन ग्रन्थ एवं शास्त्रों की रक्षा का महा पर्व है श्रुत पंचमी. इसी दिन भगवान महवीर के दर्शन को पहाली बार लिखित ग्रन्थ के रूप में आचार्य श्री धरसेन और उनके शिष्य पुष्पदंत एवं भूतबलि ने प्रस्तुत किया था. मौके पर पराग जैन ने कहा कि जैन धर्म में ज्ञान को मोक्ष का प्रमुख साधन माना गया है। तीर्थंकरों के दिव्य उपदेशों को आचार्यों एवं मुनियों ने शास्त्रों के रूप में संरक्षित किया है, जिसके कारण आज भी जैन दर्शन और संस्कृति जीवंत रूप से समाज का मार्गदर्शन कर रही है। श्रुत पंचमी हमें शास्त्रों के अध्ययन, चिंतन और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देती है। जैन आगम केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि वे अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, करुणा और नैतिक जीवन के अमूल्य संदेश देते हैं। श्रुत पंचमी के अवसर पर पटना के मुरादपुर जैन जिनालय में श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा अर्चना की और जैन ग्रंथों के संरक्षण का संकल्प लिया. जैन समाज के श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर पर जिनवाणी के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार का संकल्प लेते हुए समाज में शिक्षा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

बेगूसराय घटना पर करिश्मा पटेल ने जताई चिंता, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। बेगूसराय में सामने आई कथित सामूहिक दुष्कर्म और अमानवीयता की घटना पर सामाजिक कार्यकर्ता करिश्मा पटेल ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल पीड़िता और उसके परिवार को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे समाज में असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं। करिश्मा पटेल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून का सख्ती से पालन और अपराधियों में दंड का भय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता केवल बयान नहीं, बल्कि अपराधियों के खिलाफ तेज और प्रभावी कार्रवाई देखना चाहती है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जल्द से जल्द कानून के दायरे में लाने की मांग की। साथ ही कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए शासन, प्रशासन और समाज को मिलकर काम करना होगा। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने भी कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए जवाबदेही तय करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अपराध की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई और जवाबदेही से कानून के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ता बिहार, हर क्षेत्र में विकास की रफ्तार हुई तेजः जद (यू)

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता श्री हिमराज राम, प्रदेश प्रवक्ता श्री परिमल कुमार एवं मीडिया पैनलिस्ट डॉ. मधुरेन्दु पाण्डेय ने जारी बयान में कहा कि माननीय नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल के दौरान विकसित बिहार बनाने का जो संकल्प लिया था आज राज्य की मौजूदा एनडीए सरकार उन संकल्पों को पूरा करने का काम कर रही है। बिहार आज माननीय नीतीश कुमार के विकासोन्मुख सोच के साथ प्रगति, सुशासन और जनकल्याण के नए मानक स्थापित कर रहा है। राज्य की वर्तमान एनडीए सरकार की नीतियों और योजनाओं का केंद्रबिंदु समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए बिहार को शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। बिहार में विकास की यह यात्रा केवल आधारभूत संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की व्यापक सोच का परिणाम है। इसी दृष्टि से "सात निश्चय-3" के तहत राज्य में नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना, मॉडल स्कूलों का निर्माण, कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार, आधुनिक ग्रीनफील्ड टाउनशिप के विकास तथा एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य बिहार के युवाओं को बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी युग की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे निवेश से नई पीढ़ी को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे, वहीं उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां राज्य में निवेश और रोजगार के नए रास्ते खोल रही हैं। पर्यटन क्षेत्र के विकास, हरित पहल और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से बिहार की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल रही है तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के साथ सरकार गांवों से लेकर शहरों तक विकास की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। परिणामस्वरूप बिहार आज आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और देश के सामने विकास, सामाजिक न्याय तथा सुशासन का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। यह नया बिहार है, जो संकल्प से सिद्धि की ओर निरंतर अग्रसर है। शिक्षा, रोजगार, उद्योग, तकनीक और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ते कदम यह प्रमाणित कर रहे हैं कि बिहार का भविष्य उज्ज्वल है और राज्य विकास की नई इबारत लिखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भूलने की समस्या हो सकता है अल्जाइमर, बीमारी तेजी से बढ़ती जा रहीं हैं

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। माँ तारा उत्सव गोविन्दपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता फतुहा नगर के वरिष्ठ उपाध्याक्ष अनील कुमार शर्मा, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि उम्र बढने के साथ भूलने की समस्या बढना स्वभाविक नहीं है। यह डिमोशिया का सबसे प्रचलित रुप अल्जाइमर हो सकता है। बिमारी की तब सामने आता है जब वह कपड़े में पेशाब आदि करना शुरू कर देते हैं। ऐसे स्थिति में परिवार वालों की समस्या बढ़ जाती है। बहुत चिड़चिड़ा, गुस्सा तथा भुलने की समस्या बढ़ जाती है। होमियोपैथी में लक्षणों के आधार पर दवा दी जाती है। (1) कमजोरी, याददाश्त ,सुनने और देखने की क्षमता में कमी महसूस, डिप्रेशन मोनोग्राम में कारगर दवा है दवा का नाम हायोसायम 30/200/10001(2) जिन लोगों को लिफ्ट में जाने पर चक्कर ,उल्टी , जी मिचलाना, सिर दर्द, बहुत ज्यादा उत्साहित डिप्रेशन में बेलाडोना 30, 200 बहुत कारगर दवा है। (3) तीव्र एवं लंबे समय से कुपोषण के कारण विकास न होना, हड्डियों से संबंधित विकास न हो पाना, बहुत ही ज्यादा ठंड लगना, चिड़चिड़ापन रहने पर बहुत कारगर दवा है कैलकेरिया फास 30/200 । (4) जिन लोगों को दर्द महसूस नहीं होता है और ज्यादा नींद आती है ,पसीना आता है ,उन्हें डिप्रेशन और सुस्त रहने पर दवा का नाम ओपियम,,,30 बहुत कारगर दवा है, (5) सामान खरीद कर दुकानदार के यहां ही छोड़ कर चला जाना, पोस्ट कार्ड डालने डाकघर जाता है परंतु बिना डाले ही घर लौट जाता है ,लिखते समय शब्द छोड़ देता है ऐसी स्थिति में दवा का नाम लैक कैनाइम 30 -200 कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही ईसतेमाल करें

संक्षिप्त समाचार

राजापाकर थाना में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आज

वैशाली।आगामी 26 जून को मुसलमान भाइयों के महान पर्व मोहर्रम पर्व को लेकर शांतिपूर्ण बनाने हेतु एक थाना परिसर राजापाकर में शांति समिति की बैठक कल शनिवार को 11 बजे दिन से आयोजित की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष गौरीशंकर बैठा ने बताया कि मोहर्रम पर्व मुसलमान भाइयों का महान पर्व है।यह पर्व हमें आपसी शांति, भाईचारा ,प्रेम का संदेश देता है। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण बनाने को ले थाना क्षेत्र के सभी प्रखंडों के ताजिया संचारकों जनप्रतिनिधियों गणमान्य लोगों को चौकीदार के माध्यम से भी सूचना भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सभी ताजिया संचालक आवश्यक रूप से बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।जिसमें मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी।बैठक में ताजिया जुलूस के सफल संचालन एवं विसर्जन के समय सीमा पर भी विचार विमर्श होगा। जिसमें सभी मुसलमान भाइयों एवं ताजिया संचालक की बैठक में उपस्थिति अनिवार्य है। बैठक में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी भाग लेंगे।

सड़क हादसे में टेंपो चालक की दर्दनाक मौत

मोतिहारी।गुरुवार की देर शाम एक हृदयविदारक सड़क हादसे में टेंपो चालक की मौत हो गई। यह दुर्घटना मुरला गांव के समीप हुई, जिसने एक हंसते-खेलते परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मृतक की पहचान सकरार निवासी करीब 37 वर्षीय मोहन पासवान, पिता महेंद्र पासवान के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार, मोहन पासवान गुरुवार की शाम अपने गांव सकरार से यात्रियों को छोड़ने या किसी काम से सुगौली की ओर जा रहे थे। रामगढ़वा प्रखंड के मुरला गांव के पास पहुँचते ही अचानक उनके टेंपो का अगला चक्का तेज आवाज के साथ क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे वाहन पर से उनका नियंत्रण पूरी तरह समाप्त हो गया और टेंपो सड़क किनारे पलट गई। गाड़ी के पलटने के कारण मोहन पासवान वाहन के नीचे बुरी तरह दब गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें गाड़ी के नीचे से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए उन्हें आनन-फानन में अस्पताल भेजने का प्रयास किया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; अस्पताल ले जाने के क्रम में ही मोहन पासवान ने रास्ते में दम तोड़ दिया।जैसे ही इस हादसे की खबर उनके परिजनों को मिली, सकरार गांव में कोहराम मच गया। पत्नी सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस असमय निधन से पूरे इलाके में शोक की लहर व्याप्त है। ग्रामीण और स्थानीय लोग इस घटना को लेकर काफी मर्माहत हैं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। पुलिस ने सूचना मिलते ही मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

28 जून से हर घर पहुंचेगी पोलियो खुराक

बेतिया।पोलियो उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौलिया में बीएलटीएफ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुपम प्रसाद ने की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस तथा अन्य सहयोगी विभागों के अधिकारियों ने भाग लेते हुए आगामी अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में बताया गया कि 28 जून से 2 जुलाई तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान के दौरान प्रखंड क्षेत्र के शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए बूथों की स्थापना, घर-घर सर्वेक्षण, टीमों की तैनाती तथा छूटे हुए बच्चों की पहचान एवं उन्हें दवा पिलाने की विशेष व्यवस्था की गई है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुपम प्रसाद ने कहा कि पोलियो उन्मूलन की दिशा में यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे का छूटना अभियान के उद्देश्य को प्रभावित कर सकता है, इसलिए शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जाए।सीडीपीओ पूनम कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को निर्धारित तिथि पर पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। बैठक में अभियान की निगरानी व्यवस्था, माइक्रोप्लान तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर भी चर्चा की गई। मौके पर डॉ. लुकमान, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक शकील अहमद, मनिला देवी, रविंद्र शर्मा सहित कई अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर अभियान को सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

सात साल पुराने हत्या कांड का फैसला, दोषियों को उम्रकैद और जुर्माना

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। अरवल जिले के चर्चित वाल्मीकि कुमार हत्याकांड में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम रवि रंजन मिश्रा की अदालत ने तीन अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक अभियुक्त पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने ग्राम नदौरा, थाना कुर्था निवासी राहुल पासवान, प्रिंस बिंद उर्फ छोटू बिंद तथा गौतम कुमार को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने पर छह माह अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। सरकार की ओर से मामले की पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक बिंदु भूषण प्रसाद ने बताया कि इस मामले में कैथा लोदीपुर गांव निवासी विश्वनाथ यादव ने कुर्था थाना कांड संख्या 182/19 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार 24 अक्टूबर 2019 को उनके पुत्र वाल्मीकि कुमार अपने तीन दोस्तों के साथ शौच के लिए गए थे। इसी दौरान तीनों अभियुक्तों ने उन्हें पकड़ लिया और चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने डॉक्टर, अनुसंधानकर्ता समेत कुल दस गवाहों की गवाही कराई। प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर न्यायालय ने तीनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।न्यायालय के इस फैसले को मृतक के परिजनों के लिए न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राजापाकर के दो पंचायतों में किसान चौपाल में आयोजित

वैशाली।कृषि विभाग के सौजन्य से प्रखंड क्षेत्र के दो पंचायतों बैकुंठपुर व राजापाकर उत्तरी पंचायत में कृषि चौपाल का आयोजन किया गया।इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य ने बताया कि बैकुंठपुर पंचायत के रामपुर दिलावर गांव स्थित मनोज मिश्रा के घर के पास कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। वहीं राजापाकर उतरी पंचायत के किसान भवन कार्यालय राजापाकर बसरा में कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में दर्जनों महिला पुरुष प्रगतिशील किसान उपस्थित हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रौनी कुमार ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। किसानों को बताया गया कि जो भी किसान किसान रजिस्ट्रेशन से छूटे हुए हैं अविलंब करा लें। जिले से आए नोडल पदाधिकारी सहायक अनुसंधान पदाधिकारी मिटी जांच प्रयोगशाला हाजीपुर अरविंद रविदास,बीएओ आनंद मौर्य कृषि सलाहकार संजीव कुमार, रामदयाल कुमार, कृषि समन्वयक वीरेंद्र कुमार, बिपिन कुमार सहित अनेक महिला पुरुष किसान शामिल हुए।

राजद नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, अपूरणीय क्षति बताया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत कोरमा मिल्की गांव निवासी, पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र चौधरी के आकस्मिक निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे लंबे समय से पक्षाघात से पीड़ित थे। राजद के वरिष्ठ नेता तथा अखिल भारतीय पासी समाज के जिला अध्यक्ष रहे सत्येंद्र चौधरी का निधन 18 जून 2026 की रात लगभग 10 बजे हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों में शोक की लहर फैल गई। निधन के उपरांत उनके पार्थिव शरीर को जहानाबाद के कारगिल चौक स्थित राजद कार्यालय लाया गया, जहां राजद नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि सत्येंद्र चौधरी सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज सेवा के प्रति समर्पित नेता थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक सरोकारों और पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य किया। उनके निधन से न केवल राजद परिवार बल्कि पूरे समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सत्येंद्र चौधरी के निधन से जहानाबाद की राजनीति और सामाजिक जीवन में एक ऐसा शून्य उत्पन्न हुआ है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं दिखती। उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

27 केंद्रों पर चला आरआई का टीका,सैकड़ों गर्भवती महिलाएं एवं बच्चें को लगया गया आरआई का सूई

नई सोच एक्सप्रेस

नालंदा।जिले के हरनौत प्रखंड में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर नियमित टीकाकरण (आरआई) सत्र आयोजित किए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के प्रभारी पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने बताया कि प्रतिनियुक्त एएनएम और अन्य कर्मियों ने सैकड़ों बच्चों और गर्भवती महिलाओं का बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया। टीकाकरण सत्र से पहले, स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को टीकों के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्हें विभिन्न बीमारियों की रोकथाम में टीकों की प्रभावशीलता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कर्मियों ने विभिन्न टीकाकरण केंद्रों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एएनएम के टीकाकरण के लिए पहुंचने पर आशा और आंगनबाड़ी केंद्र के कर्मियों ने उनका सहयोग किया। शिविरों में गर्भवती महिलाओं और पात्र बच्चों को लाकर टीकाकरण किया गया। सभी से अपील की गई कि आरआई टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें, क्योंकि यह गर्भवती माताओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीएचसी प्रभारी डॉ. सिन्हा ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के चिह्नित 27 केंद्रों पर महीने के तीसरे शुक्रवार को गर्भवती महिलाओं के साथ शून्य से सात वर्ष तक के बच्चों को आरआई का टीका लगाया जाता है।

दीप प्रज्वलन के साथ अभाविप के प्रांत अभ्यास वर्ग का शुभारंभ, राष्ट्र निर्माण पर होगा मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) उत्तर बिहार प्रांत के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग का शुभारंभ शुक्रवार को सुपौल स्थित राधेश्याम पब्लिक स्कूल परिसर में दीप प्रज्वलन एवं भारत माता पूजन के साथ हुआ।उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रदीप शेखावत, प्रांत अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, प्रांत मंत्री पुरुषोत्तम कुमार और प्रांत संगठन मंत्री राकेश मौर्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।अभ्यास वर्ग में उत्तर बिहार के 36 संगठनात्मक जिलों से 300 से अधिक छात्र-छात्रा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में परिषद के इतिहास, कार्यदर्शन, संगठनात्मक विस्तार और राष्ट्र निर्माण में छात्र शक्ति की भूमिका पर चर्चा की गई। क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रदीप शेखावत ने कहा कि बिहार ज्ञान, संस्कृति और राष्ट्र चेतना की भूमि रही है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया। उन्होंने कहा कि अभ्यास वर्ग केवल संगठनात्मक प्रशिक्षण का मंच नहीं, बल्कि युवाओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और नेतृत्वक्षम नागरिक बनाने का प्रयास है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और परिषद इसी उद्देश्य से छात्र शक्ति को संगठित कर रही है।प्रांत अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी ने कहा कि अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो छात्र हित, शिक्षा सुधार, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के मुद्दों पर लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने परिषद के मूल मंत्र "ज्ञान, शील और एकता" का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल छात्र राजनीति तक सीमित नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी युवा नेतृत्व तैयार करना है।प्रांत मंत्री पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि यह अभ्यास वर्ग कार्यकर्ताओं के वैचारिक, बौद्धिक और संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण मंच है। विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को राष्ट्र जीवन, छात्र हित, नेतृत्व विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रांत संगठन मंत्री राकेश मौर्य ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। परिषद के कार्यकर्ता शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ आपदा राहत, रक्तदान, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण और सेवा कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस अभ्यास वर्ग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, छात्र नेतृत्व विकास, सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।वरिष्ठ पदाधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। आयोजन की तैयारियों में जुटे सुपौल जिला के कार्यकर्ताओं ने आवास, भोजन, चिकित्सा, पंजीकरण और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली है। यह अभ्यास वर्ग उत्तर बिहार के छात्र कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी द्वारा जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

नई सोच एक्सप्रेस

सीतामढ़ी।सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी, सीतामढ़ी द्वारा शहर के जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर लगभग 100 जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन वितरित किया गया। फ्रेंचाइजी पार्टनर जीवन प्रसाद ने बताया कि किसना परिवार की ओर से प्रत्येक ग्राहक के नाम पर एक जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराने की सेवा निरंतर संचालित की जाती है। उन्होंने कहा कि व्यापार के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना भी हमारी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ आज 100 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर अनवर अली, किसना के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यकारी कफील अहमद तथा सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी समाज के जरूरतमंद वर्गों के कल्याण हेतु विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का संचालन करती रही है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रखेगी।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में 21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

परबत्ता (खगड़िया)।परबत्ता प्रखंड की सौढ़ उत्तरी पंचायत स्थित मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इसकी जानकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने दी। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि वर्ष 2026 में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग दिवस का उद्देश्य लोगों के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस और मानसिक शांति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव रखने के बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा मन में शांति का अनुभव होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" है। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया जाएगा तथा योग के महत्व की जानकारी दी जाएगी।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शैक्षिक महासंघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

मुंगेर।अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, बिहार की मुंगेर जिला इकाई ने वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता पूर्व प्रभाव से लागू किए जाने के आदेश को रद्द करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। जिला अध्यक्ष कृष्णकांत सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की नियुक्तियां तत्कालीन नियमों के अनुसार वैध थीं। ऐसे में वर्षों बाद नई पात्रता शर्तों को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्यायसंगत नहीं है। महासंघ ने मांग की कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त किया जाए तथा उनकी सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य लाभों को संरक्षित रखा जाए। ज्ञापन में केंद्र सरकार से आवश्यक विधायी एवं नीतिगत हस्तक्षेप कर प्रभावित शिक्षकों को राहत देने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में अजय कुमार पांडे, प्रशांत कुमार यादव, ऋषभ रमन, वेद प्रकाश पाठक और अभय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

महमतपुर गांव में चोरी की वारदात, घर से नकदी और कीमती सामान ले उड़े चोर

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला परस बीघा थाना क्षेत्र के महमतपुर गांव का है, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार महमतपुर गांव निवासी धर्मराज सिंह के घर में देर रात चोर घुस आए। उस समय परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि घर से नकदी समेत कई कीमती सामान गायब हैं। घटना की सूचना मिलते ही परस बीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस चोरी गए सामान का ब्योरा जुटाने के साथ-साथ आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही वारदात में शामिल चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छानबीन की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही चोरी की इस वारदात का खुलासा करने का दावा कर रही है।

2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से छूट देने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, सारण जिला इकाई ने 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हितों की रक्षा एवं उन्हें शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त करने की मांग को लेकर जिला पदाधिकारी, सारण के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला अध्यक्ष विष्णु कुमार एवं जिला महामंत्री चंदन कुमार उपस्थित रहे।ज्ञापन सौंपने के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में महासंघ के प्रदेश सचिव डॉ. विश्वजीत सिंह चंदेल ने कहा कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त लाखों शिक्षक लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त 2010 को एनसीटीई द्वारा जारी टीईटी संबंधी अधिसूचना के बाद बनाए गए नियमों को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्याय एवं विधिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। डॉ. चंदेल ने कहा कि जिन नियमों एवं पात्रता मानकों के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, वे उस समय पूरी तरह वैध थे। ऐसे में बाद में लागू किए गए मानदंडों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना उनके सेवा अधिकारों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर आवश्यक विधायी एवं प्रशासनिक कदम उठाने की मांग की। डॉ. चंदेल ने कहा कि 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा, वरीयता, पदोन्नति एवं अन्य सेवा लाभों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी के 12 साल पूरेः युवा जदयू नेता अश्वनी गौरव ने दी बधाई, कहा- भारत ने रचा विकास का नया इतिहास

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल और ऐतिहासिक 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर देशभर में उत्सव का माहौल है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बीच युवा जदयू नेता अश्वनी गौरव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी तथा युवा जदयू परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रेस को जारी बयान में अश्वनी गौरव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 12 वर्षों तक देश की सेवा करते हुए भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लंबे निर्वाचित कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए लोकतांत्रिक रूप से देश की सबसे लंबी सेवा करने वाले नेताओं में अपना नाम दर्ज कराया है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। देश में विश्वस्तरीय हाईवे, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों और नए हवाई अड्डों का विस्तार हुआ है। वहीं गरीब कल्याण योजनाओं, मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला योजना ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।अश्वनी गौरव ने कहा कि आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की साख लगातार बढ़ी है। उन्होंने बिहार के विकास में केंद्र सरकार की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि जदयू-भाजपा एनडीए गठबंधन के तहत राज्य को विशेष सहयोग मिला है, जिससे आधारभूत संरचना मजबूत हुई है और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार देश और बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। पीएम मोदी के ये 12 वर्ष केवल शासन के नहीं, बल्कि देश के कायाकल्प और युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने वाले रहे हैं।अंत में अश्वनी गौरव ने देशवासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि की बधाई देते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत जल्द ही "विकसित भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

संक्षिप्त समाचार

अनिल अग्रवाल ने चार नई वेदांता कंपनियों की लिस्टिंग को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया

पटना।वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने वेदांता से अलग होकर बनी चार नई कंपनियों की लिस्टिंग को "ऐतिहासिक और भावनात्मक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण" उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह समूह की विकास यात्रा के एक नए अध्याय की शुरुआत है। X (पूर्व में ट्विटर) और फेसबुक पर साझा किए गए अपने संदेशों में अग्रवाल ने पिछले 24 वर्षों में वेदांता की यात्रा को याद किया। उन्होंने लंदन में वेदांता रिसोर्सेज की लिस्टिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की उपलब्धि उसी यात्रा का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा, "उस समय हमने एक बीज बोया था। आज वे मजबूत वृक्ष बन चुके हैं और अपने दम पर खड़े होने के लिए तैयार हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरुआत है और उन्हें विश्वास है कि समय के साथ इनमें से प्रत्येक नई कंपनी 100 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की कंपनी बनने की क्षमता रखती है।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने की एनसीडी ट्रैंच -4 की घोषणा

पटना।मुथूट पप्पाचन समूह (मुथूट ब्लू) की प्रमुख कंपनी, मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड (एमएफएल) ने 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले सुरक्षित और विमोचन योग्य गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर- "एनसीडी") के सार्वजानिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) की चौथी श्रृंखला (ट्रैंच-4) लॉन्च करने की घोषणा की। यह निर्गम 19 जून, 2026 को खुलेगा। मुथूट फिन्कॉर्प लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी शाजी वर्गीस ने कहा, "हमें अपनी नई एनसीडी श्रृंखला पेश करने की खुशी है, जो निवेशकों के लिए निवेश का सुरक्षित अवसर पेश करती है। हमारी 3800 से अधिक शाखाओं वाले विशाल नेटवर्क, मोबाइल ऐप - मुथूट फिन्कॉर्प वन और भागीदार नेटवर्क के ज़रिए सब्सक्रिप्शन में भाग लेना बेहद आसान है। एनसीडी ट्रैंच-4 निर्गम का मूल आकार 20,000 लाख रुपये का है। इसमें 40,000 लाख रुपये का ग्रीन शू विकल्प भी शामिल है, जिससे कुल रकम 60,000 लाख रुपये ("एनसीडी ट्रैंच -4") तक हो जाती है। ये एनसीडी 24, 36, 60 और 72 महीनों के अलग-अलग अवधि वाले विकल्प पर 8.84% से 9.25% तक का प्रभावी सालाना रिटर्न प्रदान करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष को बिहार में हो रहा चैतरफा विकास दिखाई नहीं देता : बिजेंद्र

पटना।शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। आमजन से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव विदेश भ्रमण में अधिक व्यस्त रहते हैं, इसलिए उन्हें बिहार में हो रहा चैतरफा विकास दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि झूठ और फरेब की राजनीति के कारण जनता ने उन्हें 25 सीटों तक समेट दिया है। मीडिया द्वारा लालू-राबड़ी की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से अपनी सुरक्षा वापस करता है, तो उसे जबरदस्ती सुरक्षा प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा खजाना खाली होने के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि मुद्दों के अभाव में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगा रहा है।

कॉफ्फेड द्वारा शिवहर के तरीयानी में कॉमन सर्विस सेंटर का शुभारंभ : डॉ. श्वेता

» मत्स्यजीवियों को मिलेगी डिजिटल एवं सरकारी सेवाओं की सुविधा: ऋषिकेश

पटना। बिहार राज्य मत्स्यजीवी सहकारी संघ द्वारा मत्स्यजीवी समाज को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तरीयानी प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति, सुमहुती बाजार, शिवहर में कॉमन सर्विस सेंटर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता, कॉफ्फेड के प्रबंध निदेशक ऋषिकेश कश्यप एवं बिहार विधान सभा सदस्य अमित कुमार रानू द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में मत्स्यजीवी, सहकारी समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।उद्घाटनकर्ता बिहार विधान सभा के सदस्य अमित कुमार रानू ने कहा कि डिजिटल सेवाओं का ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तार समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह कॉमन सर्विस सेंटर मत्स्यजीवी समाज को सरकारी योजनाओं, बैंकिंग एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेगा।कॉफ्फेड के प्रबंध निदेशक ऋषिकेश कश्यप ने कहा कि कॉफ्फेड बिहार एवं झारखंड के लाखों मत्स्यजीवियों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्यभर की मत्स्यजीवी सहकारी समितियों में चरणबद्ध तरीके से कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के मत्स्यजीवी परिवारों को सरकारी सेवाओं के लिए शहरों का चक्कर न लगाना पड़े। जल्द ही जिले के सभी प्रखण्डों में कॉमन सर्विस सेंटर स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि कॉफ्फेड द्वारा मत्स्यजीवियों के लिए बीमा, बैंकिंग संवाददाता सेवाएं, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना, मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड, राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पंजीकरण, मखाना प्रसंस्करण एवं विपणन, प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार जैसे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं।

आकाशदीप और मुकेश कुमार गृह विभाग में डभ्एसपी पद पर होंगे पदस्थापित

पटना।बिहार सरकार राज्य के 2 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मुकेश कुमार और आकाश दीप को सम्मानित करेगी। दोनों को डीएसपी का पद मिलेगा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी सेवा में मौका देने वाली नई नियमावली के तहत दोनों को पुलिस उपाधीक्षक पद पर सीधी नियुक्ति देने का प्रोसेस शुरू कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा है। खिलाड़ियों की नियुक्ति को लेकर गठित चयन समिति ने दोनों नामों पर सहमति जताई है। समिति की अनुशंसा के बाद अब आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। नियुक्ति होने पर दोनों खिलाड़ियों को गृह विभाग में पदस्थापित किया जाएगा। सरकार ने अपने प्रस्ताव में दोनों क्रिकेटरों की उपलब्धियों का उल्लेख किया है। मुकेश कुमार और आकाश दीप उन खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने चीन के हांगझोउ में आयोजित एशियन गेम्स में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली क्रिकेट टीम का हिस्सा बनकर देश का नाम रोशन किया। इसके अलावा आकाश दीप हाल के वर्षों में भारतीय टेस्ट टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई महत्वपूर्ण श्रृंखला में उन्होंने टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया था। खिलाड़ियों के इसी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें सरकारी सेवा में विशेष अवसर देने का निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप के लिए जून का महीना दोहरी खुशियां लेकर आया है। एक तरफ बिहार सरकार ने उन्हें खेल कोटे से डीएसपी पद पर नियुक्ति देने की अनुशंसा की है, तो दूसरी ओर वह 24 जून को विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। रोहतास जिले के सासाराम स्थित बड्डी गांव के रहने वाले आकाशदीप की शादी डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव निवासी अक्षिता राज से होगी। विवाह समारोह वाराणसी में आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

किशनगंज में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली उजागर, अस्पतालों में मरीज नहीं, रखी जा रही मक्के की फसल

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। करोड़ों रुपये की लागत से बने उप स्वास्थ्य केंद्र आज मरीजों के इलाज के बजाय उपेक्षा और अव्यवस्था के प्रतीक बन गए हैं। कहीं अस्पताल के कमरों में मक्के की फसल और जलावन की लकड़ियां रखी जा रही हैं तो कहीं स्वास्थ्य केंद्र ऐसी जगह बना दिया गया है जहां मरीजों का पहुंचना ही मुश्किल है।ठाकुरगंज प्रखंड की भोगडाबर पंचायत स्थित ग्वालटोली उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। ग्रामीणों के अनुसार करीब दस वर्ष पूर्व बने इस केंद्र में आज तक नियमित रूप से कोई डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी सेवा देने नहीं पहुंचा। अस्पताल परिसर तक पहुंचने के लिए लोगों को सूखे मौसम में भी जलजमाव से होकर गुजरना पड़ता है। अस्पताल के कमरों में मरीजों और दवाइयों की जगह किसानों द्वारा मक्के के पौधे, सूखी घास तथा जलावन की लकड़ियां रखी गई हैं। इससे स्पष्ट है कि केंद्र लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल निर्माण के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी जमीन दान में दी थी ताकि गांववासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें, लेकिन आज भी उन्हें इलाज के लिए ठाकुरगंज जाना पड़ता है।आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार तक उपलब्ध नहीं हो पाता।इसी तरह दिघलबैंक प्रखंड की करुआमनी पंचायत का उप स्वास्थ्य केंद्र भी अव्यवस्था का शिकार है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह भवन रिहायशी इलाके से दूर नदी किनारे और पुल के नीचे बना दिया गया है। अस्पताल के चारों ओर घना जंगल और झाड़ियां उगी हुई हैं। भवन तक पहुंचने का रास्ता भी बेहद कठिन है। बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ जाने पर अस्पताल तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। केंद्र में नियुक्त एएनएम और अन्य कर्मियों ने बताया कि ड्यूटी के लिए उन्हें आना पड़ता है, लेकिन बारिश के समय रास्ता बंद होने पर पुल के नीचे बैठकर मरीजों का इलाज करना पड़ता है। अस्पताल परिसर में पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। मामले पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर अस्पतालों के लिए पहुंच मार्ग की समस्या दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन के सहयोग से आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। लोगों को उम्मीद है कि वर्षों से उपेक्षित इन स्वास्थ्य केंद्रों को जल्द चालू कर ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जदार्लु से दूधिया मालदह तक: बिहार के फलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» कृषि मंत्री का ऐलान: बिहार बनेगा कृषि निर्यात का हब, आम और लीची की विदेशों में बढ़ी मांग

पटना।बिहार कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा बामेती परिसर, पटना में आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव-2026 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बिहार के विभिन्न जिलों से आए किसान, बागवान, कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि एवं आम प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महोत्सव का उद्देश्य बिहार की समृद्ध आम उत्पादन परंपरा को बढ़ावा देना, किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना तथा राज्य के फलों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाना है। इस अवसर पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है और विश्व के कुल आम उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी लगभग 40 से 45 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि बिहार का जदार्लु आम, दीघा का दूधिया मालदह, उत्तर प्रदेश का दशहरी एवं लंगड़ा आम देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। बिहार के जदार्लु आम को प्राप्त भौगोलिक संकेतक राज्य की कृषि समृद्धि और गुणवत्ता का प्रमाण है।उन्होंने कहा कि बिहार केवल आम ही नहीं, बल्कि शाही लीची, मगही पान, कतरनी चावल, मखाना और मर्चा धान जैसे विशिष्ट कृषि उत्पादों के लिए भी देशभर में प्रसिद्ध है। राज्य सरकार इन उत्पादों को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बागवानी, फल एवं फूलों की खेती को किसानों के लिए ह्यूएटीएमह्व की संज्ञा देते हुए कहा कि यह क्षेत्र किसानों को वर्षभर आय का स्थायी स्रोत प्रदान करता है।उन्होंने जानकारी दी कि बिहार सरकार शीघ्र ही कृषि उत्पाद निर्यात नीति लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा का कार्यालय बिहार में स्थापित हो चुका है। साथ ही बिहटा स्थित एक्सपोर्ट पैक हाउस को हाल ही में आवश्यक लाइसेंस एवं क्लीयरेंस प्राप्त हुआ है, जिसके बाद राज्य से फलों का निर्यात शुरू हो गया है।उन्होंने बताया कि 12 जून को बिहार से 19 मीट्रिक टन जदार्लु, बम्बइया एवं दूधिया मालदह आम के दो कंटेनर दुबई भेजे गए हैं तथा पाँच अतिरिक्त कंटेनरों का निर्यात शीघ्र किया जाएगा। इसके अलावा बांका जिले से 8.5 मीट्रिक टन दूधिया मालदह एवं जदार्लु आम का निर्यात अमेरिका किया गया है। राज्य से 10 मीट्रिक टन लीची का निर्यात भी दुबई को किया गया है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई तकनीक के माध्यम से लीची को 45 दिनों तक सुरक्षित रखने की क्षमता विकसित की गई है, जिससे निर्यात की संभावनाएँ और बढ़ी हैं।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी व्यवस्था विकसित कर रही है जिससे किसानों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच मिले और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो। उन्होंने बताया कि महोत्सव में विभिन्न आम किस्मों की प्रदर्शनी के साथ-साथ बच्चों के लिए आम खाने की प्रतियोगिता, युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम तथा किसानों के लिए आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि इस वर्ष महोत्सव में पहली बार कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है, जिससे किसान फसलों में रोगों की शीघ्र पहचान कर समय पर उपचार कर सकेंगे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फुलवारी शरीफ के विधायक श्याम रजक ने कहा कि बिहार कृषि रोडमैप की बदौलत कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। बिहार किसान आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण मेहता ने दीघा मालदह एवं सीपिया आम के संरक्षण और उन्नयन के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया।

प्राकृतिक खेती पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, किसानों को किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत (नालंदा)।कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), हरनौत में आत्मा नालंदा द्वारा प्राकृतिक खेती विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. नितेश कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। डॉ. नितेश कुमार ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे खेती की लागत घटेगी और मृदा स्वास्थ्य सुरक्षित रहेगा। केवीके के वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती की तकनीकों, संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी जांच, जैविक उद्यानिकी तथा गौ-आधारित कृषि की जानकारी दी। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजा राम सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वैज्ञानिकों ने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम है तथा इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है।

रैप सिंगिंग की दुनिया में उभरता पटना का नया सितारा : सुयश सुंदरका

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।रैप और सिंगिंग की दुनिया में पटना, बिहार के युवा कलाकार सुयश सुंदरका तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। पटना निवासी एवं समाजसेवी-व्यवसायी श्री सुशील कुमार सुंदरका के पुत्र सुयश अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और दमदार प्रस्तुति के बल पर संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। सुयश की विशेषता यह है कि वे अपने गीत स्वयं लिखते हैं, उन्हें अपनी आवाज़ देते हैं और अभिनय के माध्यम से भी श्रोताओं एवं दर्शकों का दिल जीतते हैं। अपने अनूठे रैप स्टाइल और संगीत के प्रति समर्पण के कारण वे युवाओं के बीच लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। एम पी जैन ने बताया कि सुयश ने मुंबई स्थित नरसी मूनजी इंस्टीच्युट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है। शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने संगीत के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने का संकल्प लिया है। उनका दूसरा वीडियो सॉन्ग 'बैंग गैंग' (Bang Gang) जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन अनिल राज ने किया है, जबकि सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी राहुल मल्होत्रा ने निभाई है। टीम को उम्मीद है कि यह गीत युवाओं के बीच विशेष रूप से पसंद किया जाएगा। सुयश सुंदरका ने कहा कि बिहार की जनता का प्रेम और समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने कहा, "यदि बिहार के लोग मेरे गीतों को सुनेंगे, पसंद करेंगे और उन्हें अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे, तो मुझे बेहद खुशी होगी। मैं सभी के प्यार, आशीर्वाद और सहयोग का हमेशा आभारी रहूंगा।" 'बैंग गैंग' वीडियो सॉन्ग रिलीज होने के बाद यूट्यूब सहित विभिन्न म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगा, जहां श्रोता और दर्शक इसे देख एवं सुन सकेंगे। जैन ने संगीत प्रेमियों से अपील की गई है कि वे इस नए गीत को अपना प्यार, समर्थन और आशीर्वाद प्रदान करें, ताकि बिहार की यह युवा प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सके।

जनता दरबार में 32 आवेदनों पर हुई सुनवाई

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।डीएम श्री नवीन ने समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में लोक शिकायत निवारण भूमि विवाद अतिक्रमण अवैध कब्जा परिवारिक विवाद दिव्यांगजनों की समस्या सहित विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए। डीएम ने समस्याओं का गहन अवलोकन करते हुए उन्हें संबंधित विभागीय अधिकारियों को अग्रसारित किया और उनके निवारण हेतु निर्देश दिए।जमीन विवाद से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया। डीएम ने दो दिव्यांगजनों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी पदाधिकारी को तुरंत बुलाकर ट्राई साइकिल देने का आदेश दिया। प्रभारी पदाधिकारी ने फ़ौरी कार्रवाई करते हुए दोनों को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराया। श्री नवीन ने विभागीय पदस्थों को 30 दिनों के भीतर प्राप्त आवेदनों का निष्पादन किए जाने का निर्देश दिया। वरीय उप समाहर्ता विनोद प्रसाद सहायक निदेशक काजोल मोदी डॉ. मेनका कुमारी आदि पदस्थ जनता दरबार में उपस्थित थे।

कलकतिया फार्म स्थित मां काली मंदिर में चोरी, मुकुट-हार समेत कीमती सामान ले उड़े चोर

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। जिले में ठाकुरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के कलकतिया फार्म स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर मां काली का मुकुट, सोने का हार, घी तथा अन्य कीमती सामान चुरा लिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह उस समय हुई जब मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य और श्रद्धालु नियमित पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर मंदिर के दोनों मुख्य द्वारों के ताले टूटे हुए मिले और गर्भगृह से कई सामान गायब पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर के दोनों प्रवेश द्वारों पर बड़े और मजबूत ताले लगे हुए थे। इसके बावजूद चोरों ने बेखौफ होकर ताले तोड़े और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह है कि मंदिर घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है, जहां देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है, फिर भी किसी को घटना की भनक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलते ही ठाकुरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा संभावित सुराग जुटाने का प्रयास किया। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब इस मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया हो। इससे पूर्व सितंबर 2023 में भी मंदिर में चोरी की घटना हुई थी, जिसका अब तक कोई ठोस खुलासा नहीं हो सका है। इसके अलावा रेलवे गेट के समीप स्थित मां काली मंदिर तथा जैन मंदिर में भी चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मंदिर चोरी मामले का शीघ्र खुलासा करने, चोरी गए सामान की बरामदगी सुनिश्चित करने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पूरे ठाकुरगंज में इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है और लोगों की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हुई हैं।

जंगली फल के बीज खाने से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में मचा हड़कंप

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। जिले के बसंतपुर प्रखंड अंतर्गत हृदयनगर पंचायत के वार्ड संख्या-05 में ग जंगली फल (बरगंडी) के बीज खाने से 14 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और सभी बच्चों को तत्काल वीरपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, बच्चे खेलते समय बरगंडी फल के बीज खा रहे थे। कुछ ही देर बाद उन्हें पेट दर्द, उल्टी और बेचैनी की शिकायत होने लगी। बच्चों की हालत बिगड़ती देख परिजन घबरा गए और आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे। एक साथ बड़ी संख्या में बच्चों के पहुंचने से अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में कुछ समय के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तत्काल अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की और चिकित्सकों की टीम ने बच्चों का इलाज शुरू कर दिया। इमरजेंसी वार्ड में तैनात चिकित्सक डॉ. एस. रहमान ने बताया कि शाम करीब सात बजे कई बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल लाया गया था। जांच के दौरान पता चला कि बच्चों ने खेल-खेल में बरगंडी फल के बीज अधिक मात्रा में खा लिए थे, जिसके कारण उनकी तबीयत खराब हुई।डॉ. रहमान ने बताया कि सभी बच्चों को आवश्यक उपचार दिया गया। समय पर इलाज मिलने से उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और अब सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य पूरी तरह सामान्य होने के बाद बच्चों को घर भेज दिया जाएगा। बीमार पड़े सभी बच्चों की उम्र 10 वर्ष से कम बताई जा रही है।घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कई जंगली फल और उनके बीज स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। आकर्षक दिखने के कारण बच्चे अक्सर इन्हें खा लेते हैं, जिससे विषाक्तता और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने अभिभावकों से बच्चों पर विशेष निगरानी रखने और उन्हें अज्ञात फलों एवं बीजों के सेवन से बचाने की सलाह दी है। समय पर अस्पताल पहुंचाने और चिकित्सकों की तत्परता से इस मामले में बड़ा हादसा टल गया, लेकिन घटना ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

लोगों में चिंता

नेता विपक्ष का सनसनीखेज बयान उस वक्त आया है, जब लोगों में चिंता बढ़ रही है। उधर युवा असंतोष की अभिव्यक्ति के रूप में सोशल मीडिया पर उभरी कॉकरोच जनता पार्टी सड़क पर उतरने जा रही है। राहुल गांधी के इस बयान से अनिश्चय और अस्थिरता के माहौल को हवा मिलेगी कि नरेंद्र मोदी सरकार का प्रशासन पर से नियंत्रण खत्म हो रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग, खुफिया एजेंसियों और न्यायपालिका के अंदर से उन्हें संदेश मिल रहे हैं, जिसका सार है कि सिस्टम पर कंट्रोल ढह रहा है। गांधी ने दावा किया कि ऊंचे पदों पर बैठे लोग चुनाव प्रक्रिया पर लोगों में बढ़े अविश्वास और आर्थिक दिक्कतों के कारण संभावित जन प्रतिक्रिया को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस नेता यह कहने की हद तक चले गए कि साल भर के अंदर या तो मोदी सरकार गिर जाएगी या संभव है कि वह इमरजेंसी लगाने जैसे कदम उठा ले! नेता विपक्ष ने यह सनसनीखेज बयान उस वक्त दिया है, जब गहराते आर्थिक एवं वित्तीय संकट को लेकर चिंता बढ़ रही है, परीक्षा व्यवस्था में जाहिर हुई गड़बड़ियों से युवा वर्ग नाराज है, तथा इन हालात के प्रतिक्रिया स्वरूप सोशल मीडिया पर उभरी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार से सड़क पर उतरने का इरादा जताया है। बुधवार को सीजेपी की पहली प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया का खूब जमावड़ा लगा। शनिवार को प्रस्तावित उसके विरोध प्रदर्शन को कई मशहूर शख्सियतों का समर्थन मिला है। ये परिघटना अपने- आप में समाज खासकर नौजवानों में गहराए असंतोष का संकेत है। इसके बीच विपक्ष के नेता का यह कहना कि आ रही आर्थिक सुनामी को रोकना अब संभव नहीं है और प्रशासनिक तौर पर देश "फुल कंट्रोल से आउट ऑफ कंट्रोल" के दौर में जा रहा है, देश के निकट एवं मध्यकालिक भविष्य को लेकर नई आशंकाओं को जन्म देगा। ऐसे हालात बनने का एक बड़ा कारण सत्ता पक्ष की तरफ हर विरोध और असहमति के प्रति अपनाई गई असहनशीलता है। इससे राजनीति एवं समाज के स्तर पर असहमत खेमों के बीच संवाद टूटा हुआ है। बहरहाल, अब हालात बेहद चिंताजनक रूप ले रहे हैं। अतः अपेक्षित है कि शासक दल संवाद के तार जोड़े। विपक्ष एवं असंतुष्ट समूहों को शिकायतों के निवारण के प्रति आश्वस्त कर ही बढ़ते अविश्वास पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

FCRA में संभावित बदलाव : पारदर्शिता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी फंडिंग पर नई बहस

आरती कुमारी

केंद्र सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (Foreign Contribution Regulation Act - FCRA) में संभावित संशोधनों को लेकर देश मेंनई बहस शुरू हो गई है।सरकार का संकेत है कि विदेशी फंडिंग की निगरानी को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जवाबदेह बनाने के लिए कानून में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। ऐसे समय में यह विषय केवल प्रशासनिक या कानूनी मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक गतिविधियों, गैर-सरकारी संगठनों (NGO) की भूमिका और विदेश से आने वाले धन के उपयोग से जुड़े व्यापक विमर्श का हिस्सा बन चुका है। FCRA भारत में विदेशी स्रोतों से प्राप्त होने वाले आर्थिक योगदान को नियंत्रित और विनियमित करने वाला प्रमुख कानून है। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विदेशों से आने वाला धन देश की संप्रभुता, सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव और सार्वजनिक हित के विरुद्ध किसी गतिविधि में उपयोग न हो। वर्तमान व्यवस्था के तहत किसी भी संस्था, ट्रस्ट, सोसाइटी या गैर-सरकारी संगठन को विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए FCRA के अंतर्गत पंजीकरण कराना आवश्यक होता है। इसके साथ ही संस्था को प्राप्त धन और उसके उपयोग का नियमित विवरण सरकार को देना पड़ता है।

क्यों महसूस हुई बदलाव की आवश्यकता? पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने विदेशी फंडिंग प्राप्त करने वाले अनेक संगठनों के खातों और गतिविधियों की समीक्षा की है। कई मामलों में नियमों के उल्लंघन, धन के उपयोग में अनियमितता तथा निर्धारित उद्देश्यों से अलग गतिविधियों में फंड खर्च किए जाने के आरोप सामने आए। इसी पृष्ठभूमि में सरकार का मानना है कि विदेशी धन के स्रोत, उपयोग और लाभार्थियों की निगरानी को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। सरकार का तर्क है कि पारदर्शिता बढ़ने से विदेशी धन के दुरुपयोग की संभावनाएं कम होंगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि विदेशी सहायता का उपयोग केवल वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और विकास संबंधी कार्यों में ही हो। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में भी सरकार को बेहतर निगरानी और आवश्यक कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी।

धर्मांतरण और सामाजिक गतिविधियों पर बहसः FCRA में संभावित सख्ती को लेकर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने अपने-अपने दृष्टिकोण सामने रखे हैं। कुछ संगठनों का आरोप है कि विदेशी फंडिंग के माध्यम से कुछ संस्थाएं लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। उनका मानना है कि यदि विदेशी धन के प्रवाह और उपयोग की अधिक गहन निगरानी होगी तो इस प्रकार की कथित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। हालांकि यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऐसे आरोपों की पुष्टि प्रत्येक मामले में जांच एजेंसियों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होती है। देश के कई राज्यों में पहले से ही अवैध या जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए अलग-अलग कानून लागू हैं। ऐसे में FCRA की सख्ती और धर्मांतरण संबंधी मामलों के बीच संबंध को लेकर भी व्यापक चर्चा जारी है।

"लव जिहाद" पर अलग-अलग मतः कुछ राजनीतिक और सामाजिक समूहों का यह भी मानना है कि विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग की जांच से उन नेटवर्कों की पहचान करने में मदद मिल सकती है, जिन पर कथित तौर पर पहचान छिपाकर विवाह अथवा अन्य माध्यमों से धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कई सामाजिक कार्यकर्ता, कानूनी विशेषज्ञ और नागरिक संगठन "लव जिहाद" शब्द को विवादित मानते हैं तथा इसके अस्तित्व और परिभाषा को लेकर अलग-अलग राय रखते हैं।

कई राज्यों ने विवाह के माध्यम से कथित जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए विशेष कानून बनाए हैं। हालांकि FCRA में प्रस्तावित बदलावों का सीधा संबंध विवाह संबंधी मामलों से नहीं है, लेकिन यदि किसी संस्था के वित्तीय लेन-देन की जांच होती है तो उससे जुड़ी गतिविधियां भी जांच के दायरे में आ सकती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का पहलूः विदेशी फंडिंग को लेकर दुनिया के अधिकांश देशों में कड़े नियम मौजूद हैं। भारत भी लंबे समय से इस सिद्धांत पर चलता रहा है कि देश के भीतर कार्यरत संगठनों को मिलने वाले विदेशी धन का उपयोग राष्ट्रहित के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बदलते भू-राजनीतिक हालात और साइबर तथा सूचना आधारित चुनौतियों के दौर में विदेशी वित्तीय प्रवाह पर प्रभावी निगरानी आवश्यक है। सरकार का पक्ष है कि FCRA को मजबूत बनाकर किसी भी प्रकार की संदिग्ध या अनियमित फंडिंग पर समय रहते कार्रवाई की जा सकेगी। इससे न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि सार्वजनिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों में जवाबदेही भी बढ़ेगी।

दूसरी ओर चिंताएं भीः FCRA में सख्ती को लेकर कुछ गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज समूहों ने चिंताएं भी व्यक्त की हैं। उनका कहना है कि अत्यधिक नियंत्रण या जटिल प्रक्रियाओं से वास्तविक सामाजिक कार्यों में लगी संस्थाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में कार्यरत कई संगठन विदेशी सहयोग पर निर्भर रहते हैं। इसलिए किसी भी नए प्रावधान में राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा।

आगे की राहः फिलहाल सरकार की ओर से संभावित संशोधनों को लेकर अंतिम रूप से कोई विस्तृत अधिसूचना जारी नहीं की गई है। इसलिए कानून के वास्तविक स्वरूप और उसके प्रभाव को समझने के लिए आधिकारिक प्रस्तावों और संसद में होने वाली चर्चा का इंतजार करना होगा। निश्चित रूप से FCRA में संभावित बदलावों का मूल उद्देश्य विदेशी फंडिंग की निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना बताया जा रहा है। समर्थकों का मानना है कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी और विदेशी धन के दुरुपयोग पर रोक लगेगी, जबकि आलोचक संतुलित और व्यावहारिक व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह सुरक्षा, पारदर्शिता और नागरिक स्वतंत्रताओं के बीच उचित संतुलन स्थापित कर सके। FCRA में प्रस्तावित बदलावों को भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि नए प्रावधान देश में विदेशी फंडिंग की व्यवस्था को कितना अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना पाते हैं।

श्रद्धा के केंद्रों में विश्वास का होता हनन

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि आस्था, संस्कृति और अध्यात्म की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा का जीवंत स्वरूप है। यहां मंदिर, मठ, गुरुद्वारे, मस्जिदें, चर्च और अन्य धार्मिक स्थल केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, विश्वासों और उम्मीदों के केंद्र भी हैं। जब कोई श्रद्धालु किसी देवालय में अपनी मेहनत की कमाई का एक हिस्सा अर्पित करता है, तो वह केवल धन नहीं देता है, बल्कि अपने विश्वास, समर्पण और भावनात्मक लगाव को भी उस अर्पण में समाहित करता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक स्थल में चढ़ावे, दान या संपत्ति के दुरुपयोग अथवा गबन की खबर सामने आती है, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास पर सीधा प्रहार बन जाता है। हाल के वर्षों में देश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों में वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे के दुरुपयोग से जुड़े आरोप सामने आए हैं। ऐसे मामलों ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर आस्था के केंद्रों में नैतिकता की सीमाएं लांघने का साहस लोगों को कहां से मिलता है? धार्मिक स्थलों में दिया जाने वाला दान सामान्य आर्थिक लेन-देन नहीं होता। एक गरीब मजदूर जब मंदिर की दानपेटी में दस रुपये डालता है, तो वह अपनी आर्थिक क्षमता नहीं, बल्कि अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करता है। एक किसान अपनी फसल का हिस्सा अर्पित करता है, एक व्यापारी अपनी कमाई का अंश देता है और एक गृहिणी अपनी बचत से कुछ राशि निकालकर ईश्वर के चरणों में समर्पित करती है। इन सभी अर्पणों का आधार विश्वास होता है। श्रद्धालु यह मानकर दान देता है कि उसका योगदान धर्म, समाज और जनकल्याण के कार्यों में उपयोग होगा। इसलिए यदि उस धन का दुरुपयोग होता है, तो उसका प्रभाव केवल खातों और बैलेंस शीट तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि लोगों की आस्था को भी चोट पहुंचाता है। धार्मिक संस्थानों का संचालन करने वाले ट्रस्ट, समितियां और प्रबंधन तंत्र केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं हैं। वे उस विश्वास के संरक्षक होते हैं जिसे करोड़ों लोगों ने उनके हाथों में सौंपा है। ऐसे में उनके ऊपर सामान्य संस्थाओं की तुलना में कहीं अधिक नैतिक जिम्मेदारी होती है। विडंबना यह है कि कई बार जिन लोगों के कंधों पर विश्वास की पताका लहरा रही होती है, वही लोग आरोपों के घेरे में आ जाते हैं। यह स्थिति और भी अधिक चिंताजनक बन जाती है क्योंकि जब एक सामान्य व्यक्ति चोरी करता है तो वह कानून तोड़ता है, लेकिन जब कोई धार्मिक संस्था से जुड़ा व्यक्ति ऐसा करता है तो वह कानून के साथ-साथ विश्वास और नैतिकता दोनों का उल्लंघन करता है। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता और करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। इस मंदिर के निर्माण के लिए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं ने योगदान दिया। अनेक लोगों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दिया क्योंकि वे इसे केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का हिस्सा मानते थे। ऐसे में यदि मंदिर से जुड़े चढ़ावे या वित्तीय लेन-देन को लेकर कोई अनियमितता अथवा गबन का आरोप सामने आता है, तो उसे केवल "शर्मनाक" कहकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं हो सकता है। यह आवश्यक है कि आरोपों की निष्पक्ष जांच हो, तथ्य सामने आएं और यदि कोई दोषी पाया जाए तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। आस्था के इतने बड़े केंद्रों में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसे लोगों को निजी लाभ के लिए नैतिक सीमाएं लांघने में संकोच क्यों नहीं होता? इसका उत्तर मानव स्वभाव की कुछ कमजोरियों में छिपा है। धन का आकर्षण, सत्ता का अहंकार और जवाबदेही की कमी अक्सर व्यक्ति को उसके मूल्यों से भटका देती है। जब किसी व्यक्ति को यह लगने लगता है कि उसके कार्यों पर पर्याप्त निगरानी नहीं है या वह प्रभावशाली पद पर बैठा है, तब उसके भीतर गलत कार्य करने का साहस बढ़ने लगता है। धार्मिक संस्थानों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है क्योंकि वहां लोगों का विश्वास इतना अधिक होता है कि कई बार वे प्रबंधन की गतिविधियों पर प्रश्न उठाने से भी हिचकिचाते हैं। यही अंधविश्वास और जवाबदेही की कमी कुछ लोगों के लिए अवसर बन जाती है। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि धार्मिक संस्थाओं पर अधिक प्रश्न उठाने से श्रद्धा कमजोर होती है। लेकिन वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। पारदर्शिता श्रद्धा को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे मजबूत बनाती है। यदि किसी मंदिर, गुरुद्वारे या अन्य धार्मिक संस्थान की आय, व्यय और विकास कार्यों का पूरा विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो, नियमित ऑडिट हो और दान की प्रत्येक राशि का हिसाब स्पष्ट हो, तो लोगों का विश्वास और अधिक बढ़ेगा। आज डिजिटल युग में यह कार्य कठिन नहीं है। प्रत्येक बड़े धार्मिक संस्थान को अपनी आय-व्यय का वार्षिक विवरण सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराना चाहिए। दान के उपयोग का विवरण समय-समय पर श्रद्धालुओं के सामने रखा जाना चाहिए। स्थानीय और राज्य सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वित्तीय जवाबदेही समाप्त हो जाए। सरकारों को ऐसे मामलों में स्पष्ट और कठोर नियम बनाने चाहिए। नियमित वित्तीय ऑडिट, स्वतंत्र जांच व्यवस्था और अनियमितता पाए जाने पर त्वरित दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यदि किसी संस्था के पदाधिकारी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए उदाहरण बने। कानून का भय केवल आम नागरिकों के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं का संचालन करने वालों के लिए भी समान रूप से होना चाहिए। केवल सरकार और ट्रस्ट ही नहीं, श्रद्धालुओं की भी जिम्मेदारी है। आस्था का अर्थ आंखें बंद कर देना नहीं होता है। श्रद्धा के साथ सजगता भी आवश्यक है। यदि किसी धार्मिक संस्था में वित्तीय अनियमितताओं की आशंका हो तो श्रद्धालुओं को पारदर्शिता की मांग करनी चाहिए। यह मांग धर्म विरोध नहीं है, बल्कि धर्म और आस्था की रक्षा का प्रयास है। ईमानदार प्रबंधन को पारदर्शिता से कभी डर नहीं लगता। किसी बैंक में घोटाला होने से आर्थिक नुकसान होता है, किसी कंपनी में भ्रष्टाचार होने से निवेशकों को हानि होती है, लेकिन किसी धार्मिक स्थल में भ्रष्टाचार होने से लोगों के विश्वास को चोट पहुंचती है और विश्वास की क्षति की भरपाई सबसे कठिन होती है। जब लोग यह महसूस करने लगते हैं कि उनके द्वारा अर्पित धन का दुरुपयोग हो रहा है, तो उनके मन में अविश्वास की रेखा खिंचने लगती है। धीरे-धीरे यह अविश्वास पूरे तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए ऐसे मामलों को केवल वित्तीय अपराध मानकर नहीं देखा जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि धार्मिक संस्थाओं में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाए। चाहे मामला छोटा हो या बड़ा, चाहे आरोपी कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, उसके विरुद्ध समान कठोरता से कार्रवाई होनी चाहिए। आस्था के केंद्रों को केवल पूजा-अर्चना का स्थल नहीं, बल्कि नैतिक आदर्श का केंद्र भी बनना चाहिए। यदि वहां बैठे लोग ही नैतिक मूल्यों का पालन नहीं करेंगे, तो समाज को सही दिशा देने का उनका नैतिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाएगा। भारत की आध्यात्मिक परंपरा सदियों से विश्वास और समर्पण पर आधारित रही है। मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं द्वारा किया गया अर्पण केवल धनराशि नहीं है, बल्कि उनकी भावनाओं और विश्वास का प्रतीक होता है। इसलिए उस अर्पण का गबन या दुरुपयोग केवल चोरी नहीं है, बल्कि आस्था के साथ विश्वासघात है। समाज, सरकार, धार्मिक संस्थाओं और श्रद्धालुओं, सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि आस्था के केंद्र निष्कलंक बने रहें। जवाबदेही, पारदर्शिता और कठोर दंड व्यवस्था ही वह मार्ग है जो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोक सकता है। क्योंकि जब आस्था सुरक्षित रहती है, तभी समाज का नैतिक आधार मजबूत रहता है और जब विश्वास टूटता है, तो उसकी गूंज केवल मंदिर की दीवारों तक नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना तक सुनाई देती है।

क्या पंजाब भाजपा का अगला बंगाल बन सकता है? : सत्ता परिवर्तन की संभावना, चुनौतियाँ और नए राजनीतिक भविष्य की तलाश

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार। भारतीय राजनीति में समय-समय पर ऐसे प्रश्न उठते रहे हैं जो केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं होते, बल्कि व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की दिशा को भी इंगित करते हैं। आज ऐसा ही एक प्रश्न पंजाब को लेकर उठ रहा है—क्या पश्चिम बंगाल की तरह पंजाब में भी भारतीय जनता पार्टी भविष्य में सत्ता प्राप्त कर सकती है? क्या पंजाब भाजपा के लिए वही राजनीतिक अवसर बन सकता है जो कभी पश्चिम बंगाल बना था? क्या वर्तमान परिस्थितियाँ भाजपा को राज्य में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर सकती हैं? और यदि हाँ, तो इसके लिए भाजपा को कौन-कौन से कदम उठाने होंगे? यह प्रश्न केवल भाजपा की चुनावी महत्वाकांक्षा का नहीं है, बल्कि पंजाब के राजनीतिक भविष्य, सामाजिक संतुलन, आर्थिक पुनर्निर्माण और राष्ट्रीय राजनीति में उसकी भूमिका से भी जुड़ा हुआ है। पंजाब भारत का सीमावर्ती राज्य है। यह केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद, कृषि समृद्धि, सैन्य परंपरा, सिख विरासत और राष्ट्रीय सुरक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए पंजाब की राजनीति का प्रभाव राज्य की सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक होता है। यदि हम पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीति का तुलनात्मक अध्ययन करें, तो कुछ रोचक समानताएँ और महत्वपूर्ण भिन्नताएँ दिखाई देती हैं। पश्चिम बंगाल में कभी कांग्रेस का वर्चस्व था, फिर वामपंथी दलों ने दशकों तक शासन किया और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस का उदय हुआ। लंबे समय तक भाजपा वहाँ एक नगण्य शक्ति मानी जाती थी। लेकिन संगठनात्मक विस्तार, वैचारिक अभियान, बूथ स्तर तक कार्यकर्ता निर्माण और निरंतर राजनीतिक संघर्ष के परिणामस्वरूप भाजपा राज्य की प्रमुख विपक्षी शक्ति बन गई। आज बंगाल की राजनीति मुख्यतः तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित है। पंजाब में भी भाजपा लंबे समय तक प्रमुख शक्ति नहीं रही। वह प्रायः शिरोमणि अकाली दल की सहयोगी के रूप में राजनीति करती रही। राज्य में कांग्रेस, अकाली दल और बाद में आम आदमी पार्टी के बीच सत्ता का परिवर्तन होता रहा। किंतु पिछले कुछ वर्षों में पंजाब की राजनीति तेजी से बदली है। अकाली दल का प्रभाव घटा है, कांग्रेस लगातार आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है और आम आदमी पार्टी को सत्ता में आने के बाद शासन की कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में भाजपा के लिए राजनीतिक अवसरों का एक नया द्वार खुलता दिखाई देता है। लेकिन केवल अवसर पर्याप्त नहीं होते। अवसरों को राजनीतिक सफलता में बदलने के लिए ठोस रणनीति, संगठनात्मक क्षमता और सामाजिक विश्वास की आवश्यकता होती है। पंजाब में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक है। किसान आंदोलन के बाद राज्य के अनेक हिस्सों में भाजपा के प्रति अविश्वास की भावना उत्पन्न हुई थी। यद्यपि कृषि कानून वापस ले लिए गए, लेकिन राजनीतिक स्मृतियाँ जल्दी समाप्त नहीं होतीं। यदि भाजपा को पंजाब में दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करनी है, तो उसे किसान समुदाय के साथ नए विश्वास का संबंध स्थापित करना होगा। पंजाब की राजनीति का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम सिख समाज है। सिख समुदाय केवल एक धार्मिक समूह नहीं, बल्कि पंजाब की सामाजिक और राजनीतिक चेतना का केंद्र है। भाजपा यदि राज्य में व्यापक जनसमर्थन चाहती है, तो उसे सिख समाज के साथ संवाद, सम्मान और सहभागिता की दीर्घकालिक नीति अपनानी होगी। केवल चुनावी गठबंधन या राजनीतिक घोषणाएँ पर्याप्त नहीं होंगी। गुरुद्वारों, सामाजिक संस्थाओं, युवा संगठनों और ग्रामीण समाज के साथ निरंतर संवाद स्थापित करना आवश्यक होगा। पंजाब की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक युवाओं का विदेश पलायन है। राज्य का एक बड़ा वर्ग कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अन्य देशों की ओर आकर्षित हो रहा है। इसका कारण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अवसरों की कमी भी है। यदि भाजपा पंजाब में भविष्य की सत्ता का दावा करना चाहती है, तो उसे रोजगार, उद्योग और कौशल विकास को अपने राजनीतिक एजेंडे का केंद्र बनाना होगा। पंजाब के युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनका भविष्य केवल विदेश में नहीं, बल्कि अपने राज्य में भी सुरक्षित और समृद्ध हो सकता है। नशाखोरी भी पंजाब की एक गंभीर समस्या रही है। वर्षों से विभिन्न सरकारें इस चुनौती से जूझती रही हैं। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और युवा पीढ़ी के भविष्य का प्रश्न है। कोई भी राजनीतिक दल तब तक पंजाब के लोगों का पूर्ण विश्वास प्राप्त नहीं कर सकता जब तक वह नशामुक्ति के लिए ठोस, विश्वसनीय और दीर्घकालिक कार्यक्रम प्रस्तुत न करे। भाजपा यदि इस विषय पर प्रभावी नीति और परिणाम प्रस्तुत करती है, तो उसे राजनीतिक लाभ मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से पंजाब एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। हरित क्रांति ने राज्य को समृद्ध बनाया, लेकिन समय के साथ कृषि पर अत्यधिक निर्भरता नई चुनौतियाँ लेकर आई। उद्योगों का अपेक्षित विस्तार नहीं हो पाया। कई उद्योग अन्य राज्यों की ओर चले गए। निवेश की गति भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सकी। यदि भाजपा पंजाब में सत्ता का विकल्प बनना चाहती है, तो उसे कृषि के साथ-साथ उद्योग, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सीमापार व्यापार और आधुनिक सेवा क्षेत्र पर आधारित आर्थिक दृष्टि प्रस्तुत करनी होगी। सीमावर्ती राज्य होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी पंजाब में महत्वपूर्ण है। नशा तस्करी, ड्रोन गतिविधियाँ, अवैध हथियारों की आवाजाही और सीमा पार से होने वाली गतिविधियाँ लंबे समय से चिंता का विषय रही हैं। भाजपा राष्ट्रीय सुरक्षा को अपनी प्रमुख राजनीतिक पहचान के रूप में प्रस्तुत करती रही है। यदि वह इस मुद्दे को स्थानीय विकास और सामाजिक स्थिरता से जोड़कर प्रस्तुत करे, तो उसे अतिरिक्त राजनीतिक लाभ मिल सकता है। संगठनात्मक दृष्टि से भाजपा को पंजाब में वही रणनीति अपनानी होगी जो उसने कई अन्य राज्यों में अपनाई थी। बूथ स्तर तक संगठन निर्माण, स्थानीय नेतृत्व का विकास, पंचायत और नगर निकायों में सक्रिय भागीदारी तथा सामाजिक समूहों के बीच सतत संवाद—ये सभी कदम आवश्यक होंगे। केवल राष्ट्रीय नेतृत्व के आधार पर पंजाब में सत्ता प्राप्त करना संभव नहीं होगा। राज्य को अपना स्थानीय नेतृत्व चाहिए, जो पंजाब की भाषा, संस्कृति, समस्याओं और आकांक्षाओं को समझता हो। भाजपा के सामने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है—क्या वह अकेले आगे बढ़े या किसी क्षेत्रीय दल के साथ गठबंधन करे? अकाली दल के साथ उसके संबंधों का इतिहास लंबा रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियाँ भिन्न हैं। भविष्य की राजनीति इस बात पर निर्भर करेगी कि भाजपा स्वतंत्र विस्तार को प्राथमिकता देती है या पुनः किसी गठबंधन की राह तलाशती है। दोनों विकल्पों के अपने लाभ और चुनौतियाँ हैं। यदि बंगाल का उदाहरण देखा जाए, तो भाजपा ने वहाँ वर्षों तक धैर्यपूर्वक संगठन निर्माण किया। उसने तत्काल सत्ता की अपेक्षा नहीं की, बल्कि पहले स्वयं को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया। पंजाब में भी उसे इसी प्रकार का दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना पड़ सकता है। केवल एक चुनाव जीतने की रणनीति पर्याप्त नहीं होगी। उसे अगले दस से पंद्रह वर्षों की राजनीतिक योजना बनानी होगी। यह भी ध्यान रखना होगा कि पंजाब की राजनीति केवल हिंदू और सिख मतदाताओं के गणित से निर्धारित नहीं होती। यहाँ क्षेत्रीय पहचान, किसान हित, धार्मिक संस्थाएँ, ग्रामीण संरचना, प्रवासी प्रभाव और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसलिए भाजपा को बहुआयामी राजनीतिक दृष्टि अपनानी होगी। क्या पंजाब वास्तव में भाजपा का अगला बंगाल बन सकता है? इसका उत्तर सरल "हाँ" या "नहीं" में नहीं दिया जा सकता। यदि प्रश्न यह है कि क्या भाजपा भविष्य में पंजाब में सत्ता प्राप्त कर सकती है, तो लोकतंत्र में कोई भी संभावना असंभव नहीं होती। लेकिन यदि प्रश्न यह है कि क्या यह लक्ष्य केवल राजनीतिक घोषणाओं से प्राप्त हो जाएगा, तो उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। इसके लिए वर्षों की मेहनत, सामाजिक विश्वास, स्थानीय नेतृत्व, संगठनात्मक विस्तार और विकास आधारित राजनीतिक दृष्टि की आवश्यकता होगी। अंततः पंजाब की राजनीति का भविष्य केवल किसी एक दल की रणनीति से तय नहीं होगा। उसे राज्य की जनता की आकांक्षाएँ, युवाओं की अपेक्षाएँ, किसानों की समस्याएँ, उद्योगों की आवश्यकताएँ और सामाजिक समरसता की दिशा निर्धारित करेगी। जो दल इन सभी प्रश्नों का विश्वसनीय उत्तर प्रस्तुत करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। इस दृष्टि से भाजपा के लिए पंजाब केवल एक चुनावी लक्ष्य नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक राजनीतिक परीक्षा है। यदि वह पंजाब की वास्तविक समस्याओं—नशाखोरी, बेरोजगारी, पलायन, कृषि संकट, औद्योगिक ठहराव और सामाजिक विश्वास—का प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर पाती है, तो भविष्य में सत्ता की संभावना अवश्य बन सकती है। लेकिन यदि राजनीति केवल चुनावी गणित तक सीमित रही, तो पंजाब की जटिल सामाजिक संरचना किसी भी दल के लिए चुनौती बनी रहेगी। इतिहास बताता है कि बंगाल में भाजपा का विस्तार अचानक नहीं हुआ था। वह वर्षों के संगठनात्मक संघर्ष, वैचारिक विस्तार और राजनीतिक धैर्य का परिणाम था। यदि पंजाब में भी ऐसा ही कोई परिवर्तन होना है, तो उसकी नींव आज से ही रखनी होगी। यही पंजाब की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है और यही भविष्य के राजनीतिक विमर्श का केंद्र भी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव परिणाम की गठबंधन में होगी समीक्षा : विनोद पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के एक प्रत्याशी की हार के बाद महागठबंधन स्तर पर चुनाव परिणाम की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि झामुमो के सभी 34 विधायकों ने एकजुट होकर गठबंधन की रणनीति के अनुसार मतदान किया और दोनों गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में वोट डाला। पांडेय ने बताया कि वे स्वयं पार्टी एजेंट के रूप में मतदान केंद्र पर मौजूद थे और पूरी प्रक्रिया पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनाव से पहले गठबंधन दलों की कई बैठकें की थीं। मतदान को लेकर रणनीति बनाई गई थी और विधायकों को प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए मॉक ड्रिल भी कराई गई थी। इसके बावजूद गठबंधन के एक प्रत्याशी की हार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। विनोद पांडेय ने कहा कि महागठबंधन इस बात की समीक्षा करेगा कि किन कारणों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी कमियों को दूर कर भाजपा के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई में इंडिया गठबंधन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

एसआईआर को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका अहम : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान मीडिया एवं सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारियों के साथ बैठक कर एसआईआर से संबंधित संचार एवं मीडिया प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए नियमित प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की जाए तथा एसआईआर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां आम लोगों तक पहुंचाई जाएं। उन्होंने फेक एवं भ्रामक खबरों की पहचान कर तथ्यों के साथ उनका त्वरित खंडन करने का निर्देश दिया। श्री रवि कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया के डिजिटल क्रिएटर एव इंफ्लूएंसर्स के लिए 27 जून को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा इंफ्लूएंसर मीट का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य एसआईआर से संबंधित सही एवं प्रमाणिक जानकारी का व्यापक प्रसार सुनिश्चित करना है।\ बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह स्टेट मीडिया नोडल अधिकारी सुबोध कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर संबंधी एसओपी के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर स्टेट ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, संजय कुमार सहित सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं जिला सोशल मीडिया पब्लिसिटी पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

आरजेडी नेताओं के बयान गठबंधन धर्म के खिलाफ : कांग्रेस

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने आरजेडी नेताओं द्वारा कांग्रेस और के. राजू के खिलाफ दिए गए बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और अपने संगठनात्मक मामलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम है। आरजेडी नेताओं द्वारा कांग्रेस में गुटबाजी और संगठन को लेकर की गई टिप्पणियां अनुचित हैं। राकेश सिन्हा ने कहा कि के. राजू के खिलाफ की गई व्यक्तिगत टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण तथा महागठबंधन की भावना के विपरीत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव के परिणामों को लेकर उठ रहे सवालों से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस ने आरजेडी नेतृत्व से अपने नेताओं को संयमित भाषा का प्रयोग करने की सलाह देने और गठबंधन धर्म का पालन करने की अपेक्षा की है। पार्टी ने कहा कि वह झूठे आरोपों और राजनीतिक दबाव से विचलित होने वाली नहीं है।

कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई: करमा मोड़ के समीप भारी मात्रा में यूरिया व डीएपी खाद बरामद

चतरा। राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत करमा मोड़ के समीप कालाबाजारी के उद्देश्य से अवैध रूप से जमा कर रखे गए यूरिया एवं डीएपी खाद की बड़ी खेप को जिला प्रशासन के निर्देश पर बरामद किया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद की अवैध जमाखोरी एवं कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार किसानों के लिए निर्धारित यूरिया एवं डीएपी खाद को अवैध रूप से संग्रहित कर ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी की जा रही थी। सूचना मिलने पर जिला प्रशासन (उपायुक्त) के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों की टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में खाद बरामद किया। बरामद खाद को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले जमाखोरों और कालाबाजारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूरे मामले में खाद के स्रोत, भंडारण स्थल और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। जिला प्रशासन ने कहा है कि कृषि सीजन के दौरान खाद की कृत्रिम कमी पैदा कर किसानों का शोषण करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हजारीबाग के 9 केंद्रों पर प्रशासनिक नियमावली लागू

» परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के भीतर बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक

हजारीबाग। आगामी 21 जून 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाली NEET (UG) परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए हजारीबाग जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के संयुक्त आदेश के आलोक में सदर अनुमंडल दंडाधिकारी आदित्य पाण्डेय ने परीक्षा केंद्रों के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (निषेधाज्ञा) लागू कर दी है। यह परीक्षा रविवार को अपराह्न 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक सदर अनुमंडल क्षेत्र के 09 चयनित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के भीतर परीक्षार्थियों को छोड़कर किसी भी अन्य बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केंद्रों के भीतर पुस्तक, नोटबुक, कागजात, मोबाइल फोन या अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी।परीक्षा केंद्रों के आसपास घातक हथियार, लाठी, आग्नेयास्त्र लेकर चलने तथा लाउडस्पीकर (ध्वनि विस्तारक यंत्र) के उपयोग पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। यह आदेश परीक्षा ड्यूटी पर तैनात सरकारी पदाधिकारियों, पुलिस बल और कर्मियों पर लागू नहीं होगा। प्रशासन के अनुसार, यह निषेधाज्ञा 21 जून को परीक्षा समाप्ति तक सभी 9 केंद्रों (संत कोलंबा कॉलेज, के.बी. महिला कॉलेज, आर.के. प्लस टू स्कूल कटकमसांडी, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मेरु, के.एन. प्लस टू स्कूल इचाक, मार्खम कॉलेज, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोंगा और बिहारी बालिका उच्च विद्यालय) पर कड़ाई से प्रभावी रहेगी।

आस्था पर गंदगी का दाग: कौलेश्वरी मंदिर का हटवरिया द्वार बना शराबियों का अड्डा

नई सोच एक्सप्रेस

हंटरगंज (चतरा)। जिले के हंटरगंज प्रखंड में स्थित प्रसिद्ध मां कौलेश्वरी मंदिर तीन धर्मों के संगम स्थल के रूप में देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान रखता है। यहां सप्ताह के सातों दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है और प्रतिदिन सैकड़ों महिला एवं पुरुष भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद यह धार्मिक स्थल आज भी कई मूलभूत समस्याओं और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहा है।मंदिर पहाड़ के नीचे स्थित मुख्य प्रवेश द्वार हटवरिया के आसपास बड़ी संख्या में शराब की खाली बोतलें, प्लास्टिक कचरा और गंदगी फैली हुई है। वहां की तस्वीरें स्वयं इस बात की गवाही देती हैं कि लंबे समय से इस क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम ढलते ही कुछ लोग पूजा-अर्चना के बहाने यहां पहुंचते हैं और मुख्य द्वार के आसपास बैठकर शराब का सेवन करते हैं। इसके बाद वे खाली बोतलें और अन्य कचरा वहीं छोड़कर चले जाते हैं, जिससे धार्मिक स्थल की पवित्रता और गरिमा प्रभावित हो रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय प्रशासन को इस स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। यही कारण है कि असामाजिक तत्वों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यह क्षेत्र श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए मुख्य मार्ग है, बावजूद इसके यहां नियमित निगरानी और सफाई व्यवस्था का अभाव देखने को मिलता है।श्रद्धालुओं का कहना है कि एक ओर सरकार धार्मिक और पर्यटन स्थलों के विकास की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों पर गंदगी और अव्यवस्था प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है। लोगों ने सवाल उठाया है कि पुलिस गश्ती और निगरानी व्यवस्था होने के बावजूद इस प्रकार की गतिविधियां आखिर कैसे जारी हैं।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और मंदिर प्रबंधन समिति से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए क्षेत्र में नियमित सफाई अभियान चलाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा शराब सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मां कौलेश्वरी मंदिर की गरिमा और पवित्रता बरकरार रह सके। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर के मुख्य द्वार के समीप लगाया गया हाई मास्ट लाइट लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है। शाम होते ही मुख्य द्वार का इलाका अंधेरे में डूब जाता है, जिससे असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना को भी आमंत्रित कर सकती है। उन्होंने संबंधित विभाग और मंदिर प्रबंधन समिति से शीघ्र हाई मास्ट लाइट को चालू कराने की मांग की है। मंदिर परिसर में साफ-सफाई, शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव देखा जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पहुंचती हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। परिसर में बना शौचालय भी अधिकांश समय बंद रहने की शिकायत सामने आती रही है, जिससे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मां कौलेश्वरी मंदिर की आय के कई स्रोत हैं। मंदिर परिसर में आने वाले वाहनों से प्रवेश शुल्क भी लिया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस आय का उपयोग मंदिर के रखरखाव, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं के विकास पर किया जाना चाहिए। हालांकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पर्याप्त आय होने के बावजूद मंदिर परिसर की व्यवस्था में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। लोगों ने मंदिर प्रबंधन समिति से आय और खर्च का विवरण सार्वजनिक करने तथा व्यवस्थाओं में सुधार लाने की मांग की है। इधर कौलेश्वरी मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव सह हंटरगंज अंचल अधिकारी रितिक कुमार ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि मंदिर परिसर और मुख्य द्वार के आसपास अवैध रूप से शराब सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखना समिति की प्राथमिकता है और इस तरह की गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सचिव ने यह भी स्वीकार किया कि मुख्य द्वार के पास लगा हाई मास्ट लाइट खराब है। उन्होंने बताया कि जल्द ही हाई मास्ट लाइट को दुरुस्त कर पुनः चालू कराया जाएगा, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। साथ ही मंदिर परिसर की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं में भी सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मशरूम उत्पाद में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रभाकर को द्वितीय पुरस्कार मिला

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। राज्यस्तरीय झारखंड कृषि व्यापार मेला में कृषि उद्यान सहकारिता और पशुपालन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्धिकी ने मशरूम उत्पादन और मशरूम उत्पाद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एपीपी एग्रीगेट खूंटी के निदेशक प्रभाकर कुमार को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार उद्यान निदेशालय के निदेशक को दिया गया। मौके पर आत्मा के निदेशक विकास कुमार भी मौजूद थे। झारखंड कृषि व्यापार मेला 26 के तीन दिवसीय लगाए गए प्रदर्शनी में मशरूम प्रसंस्करण के बडी पापड़ मिक्चर चॉकलेट अचार मशरूम मरूआ लड्डू, पेड़ा, बटन और ऑयस्टर मशरूम को देख कर बर्बस ध्यान खींच जाता था। ग्राहक, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री, नेहा शिल्पी तिर्की सहित कई अधिकारियों ने मशरूम उत्पाद देखकर को देख कर भूरी भूरी प्रशंसा किया। मशरूम उत्पाद के मूल्यसंबर्धन उत्पाद के आकर्षण प्रदर्शनी से बड़ी मात्रा में बिक्री हुई।

बलदेव कुम्हार के श्रद्धांजलि सभा में उमड़ी भीड़, बड़े पुत्र रामसेवक प्रजापति ने जताया आभार

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण, (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के सम्मानित एवं समाजसेवी स्वर्गीय बलदेव कुम्हार की श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, परिजनों, शुभचिंतकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा (दसगात्र)का आयोजन उनके पैतृक गांव में किया गया, जहां उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय बलदेव कुम्हार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय बलदेव कुम्हार के सरल स्वभाव, समाज सेवा एवं जनहित के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उनके निधन से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।इस अवसर पर उनके बड़े पुत्र रामसेवक प्रजापति ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे सभी ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में सभी लोगों ने परिवार को जो सहयोग, सांत्वना और सम्मान दिया है, उसके लिए पूरा परिवार सदैव ऋणी रहेगा। श्रद्धांजलि सभा का समापन दो मिनट का मौन रखकर एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ किया गया।क्षेत्र के लोगों ने स्वर्गीय बलदेव कुम्हार के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। और उनके परिजनो ने के नाम से एक फलदार पेड़ लगाया जो पर्यावरण और शुद्ध वातावरण का प्रतीक माना जाएगा।

भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया जाएगा मोहर्रम, गांगपुर में कमेटी का पुनर्गठन

नई सोच एक्सप्रेस

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड के गांगपुर गांव में शुक्रवार को आगामी मोहर्रम पर्व के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर मोहर्रम कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांव के गणमान्य लोगों एवं युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं पारंपरिक तरीके से मनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मोहर्रम का आयोजन पूरे उत्साह, अनुशासन और शांति के वातावरण में किया जाएगा। बैठक में कमेटी का पुनर्गठन करते हुए सर्वसम्मति से मो. शमीम को अध्यक्ष, आमीर सुहैल को सचिव तथा मो. फैजान को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं मो. इस्तियाक एवं तौफीक आलम को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवगठित कमेटी को मोहर्रम पर्व से संबंधित सभी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का दायित्व सौंपा गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मो. शमीम ने सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग से मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं परंपरागत ढंग से संपन्न कराया जाएगा। वहीं सचिव आमीर सुहैल ने कहा कि कमेटी के सभी सदस्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, ताकि पर्व का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। बैठक के बाद ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। बैठक में मो. फारुक, मो. आमीर, मो. सूफियान, मो. वसीम, मो. आफताब सहित कमेटी के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने भाईचारे, सौहार्द और शांति के साथ मोहर्रम पर्व मनाने का संकल्प लिया।

टंडवा पिपरवार में नदियों के प्रदूषण का निरीक्षण करने पहुंचे सरयू राय

नई सोच एक्सप्रेस

» उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की कही बात

टंडवा। दामोदर बचाओ आंदोलन के संरक्षक एवं जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय शुक्रवार को चतरा जिले के टंडवा पिपरवार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सपही नदी, दामोदर नदी सहित टंडवा क्षेत्र की गहरी एवं बड़की नदियों का निरीक्षण किया और नदियों में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान श्री राय ने नदियों की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की नदियां ऐश पौंड के जहरीले पानी प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही हैं, जिससे पर्यावरण एवं आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। नदियों की स्थिति से असंतुष्ट श्री राय ने इस मामले को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने की बात कही, ताकि प्रदूषण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय हो। इस अवसर पर दामोदर बचाओ आंदोलन के चतरा जिला संयोजक अश्विनी कुमार दाराद, सांसद प्रतिनिधि दिलीप कुमार अम्बष्ट, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, कृष्ण मुरारी मोदी, जदयू पिपरवार मंडल अध्यक्ष इंद्रदेव शर्मा, संतोष कुमार गिरी, अनिल सिंहा, शिवपूजन चौहान, देवनाथ महतो, अवध ठाकुर, पूर्व विधायक प्रतिनिधि विजय लाल, आनंद झा, ए.एन. पंडित, राजा, विश्व हिंदू परिषद के पिपरवार संरक्षक शंकर सिंह चेरो, जयदीप चटर्जी सहित दामोदर बचाओ आंदोलन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्थानीय लोगों ने भी नदियों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और इसके स्थायी समाधान की मांग की। दामोदर बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि इस पहल से नदियों के संरक्षण एवं स्वच्छता की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

चतरा में नशे के सौदागरों पर पुलिस का बड़ा एक्शन: 22 लाख की अफीम और 75 किलो डोडा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने लावालौंग थाना क्षेत्र के सिलदाग गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में अफीम और डोडा बरामद किया है, जिसकी अंतरराज्यीय बाजार में कीमत करीब 22 लाख रुपये आंकी गई है. झारखंड पर्यटन। सिमरिया SDPO नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की. सूचना मिली थी कि मनराज गंझू नाम का व्यक्ति अपने घर में अफीम का भंडारण कर उसे बेचने की फिराक में है. पुलिस ने फौरन त्वरित कार्रवाई करते हुए लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार और सशस्त्र बलों के साथ आरोपी के घर पर अचानक धावा बोला गया. तलाशी के दौरान वहां से 2 किलोग्राम अवैध अफीम, चार बोरों में भरा 75 किलोग्राम डोडा, एक मोबाइल फोन और दस्तावेज बरामद किए गए. तस्कर मनराज गंझू को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया है, जिस पर पहले भी मामले दर्ज थे. लावालौंग पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या 40/26 दर्ज कर आगे की गहन जांच शुरू कर दी है।

सांसद प्रतिनिधि नियुक्त होने पर पायल कुमारी का स्वागत, नागरिक अभिनंदन की तैयारी

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद ढुलू महतो द्वारा निरसा विधानसभा क्षेत्र की समाजसेवी पायल कुमारी को सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सांसद ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान कर नई जिम्मेदारी सौंपी। झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामाशीष चौहान ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि पायल कुमारी की सामाजिक सक्रियता और जनसेवा को देखते हुए यह निर्णय सराहनीय है। उन्होंने सांसद ढुलू महतो को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सोसाइटी की ओर से बताया गया कि जल्द ही बैंक मोड़ स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स कार्यालय, न्यू मार्केट, मटकुरिया रोड, धनबाद में सांसद ढुलू महतो एवं सांसद प्रतिनिधि पायल कुमारी के सम्मान में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। रामाशीष चौहान ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिला प्रतिनिधियों की नियुक्ति की भी मांग की, ताकि महिलाओं को अपने अधिकारों और सामाजिक विकास के लिए बेहतर सहयोग मिल सके।

30 जून से घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, मतदाताओं से लेंगे इन्यूमरेशन फॉर्म

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे तथा हस्ताक्षरित फॉर्म और वर्तमान रंगीन फोटो प्राप्त करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। उन्होंने कहा कि गैर-भारतीय नागरिक अथवा भारतीय नागरिकता त्याग चुके व्यक्ति फॉर्म बिना भरे और हस्ताक्षर किए बीएलओ को वापस कर दें। गलत जानकारी देकर फॉर्म जमा करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने वाले सभी मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से एक ही स्थान पर मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा दोहरी प्रविष्टि होने पर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की। निर्वाचन सदन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को नागरिकता, मतदाता सत्यापन, बीएलओ ऐप, मैपिंग एवं अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी जिलों के कंप्यूटर ऑपरेटर और हेल्प डेस्क प्रबंधक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

हॉस्टल खाली करने के आदेश से चिंतित छात्रों ने सुदेश महतो से लगाई गुहार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 25 जून तक हॉस्टल खाली करने के निर्देश से चिंतित छात्रों ने शुक्रवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो से उनके बुकरू स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। पीजी हॉस्टल नंबर-2 एवं यूजीसी हॉस्टल नंबर-3 में रहने वाले छात्रों ने बताया कि अचानक हॉस्टल खाली करने के आदेश से उनकी पढ़ाई, परीक्षा की तैयारी तथा आवास संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। छात्रों ने इस आदेश पर तत्काल रोक लगाने और छात्रहित में हस्तक्षेप करने की मांग की। छात्रों की समस्याएं सुनने के बाद सुदेश महतो ने उन्हें आश्वस्त किया कि आजसू पार्टी छात्रों के अधिकारों और भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि आजसू का गठन ही छात्र-युवा हितों की रक्षा और उनके अधिकारों की लड़ाई के उद्देश्य से हुआ है। सुदेश महतो ने विश्वविद्यालय प्रशासन से भी अपील की कि छात्रों के शैक्षणिक हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर पहल की जाएगी और उनके हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इटखोरी मंदिर के समीप एनजीटी नियमों के उल्लंघन के आरोप में बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

इटखोरी (चतरा)।अवैध बालू परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इटखोरी मंदिर के समीप एक बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया गया। यह कार्रवाई राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के नियमों के उल्लंघन के आरोप में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चतरा मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान बालू लदे ट्रैक्टर को रोककर जांच की गई। जांच में आवश्यक कागजात एवं वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर ट्रैक्टर को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एनजीटी के दिशा-निर्देशों के विपरीत अवैध बालू खनन एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि झारखंड में अवैध बालू खनन और परिवहन को रोकने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा समय-समय पर संयुक्त अभियान चलाया जाता रहा है। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि अवैध खनन या परिवहन की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कानून व्यवस्था भी बनी रहे।

टंडवा में होटलों की आड़ में धड़ल्ले से चल रहे अवैध बियर-बार

टंडवाःचतरा।औद्योगिक नगरी टंडवा इन दिनों एक गंभीर उत्पाद विभाग की विफलता और सामाजिक समस्या की गिरफ्त में है। क्षेत्र के कई इलाकों में स्थित फुटपाथ और सामान्य होटल इन दिनों बियर-बार की तर्ज पर संचालित हो रहे हैं। दिन हो या रात, नियमों को ताक पर रखकर इन कथित होटलों में खुलेआम अंग्रेजी शराब और बियर परोसी जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस संबंध में समाचार प्रकाशित होने के बावजूद भी उत्पाद विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है, जिससे स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। **बिना लाइसेंस के कैसे बन गए होटल बियर बार**? सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इन फुटपाथ नुमा होटलों को बियर-बार की तर्ज पर शराब परोसने का अधिकार किसने दिया? क्या यह पूरा खेल जिला अधिकारी की साठगांठ और उत्पाद विभाग की नाक के नीचे बिना किसी खौफ के चल रहा है? स्थानीय लोगों का कहना है कि टंडवा शहीद चौक के इर्द-गिर्द स्थित इन होटलों में सुबह से लेकर देर रात तक पियक्कड़ों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके कारण सड़कों पर हुड़दंग का माहौल रहता है,जिससे राहगीरों,खासकर महिलाओं और स्कूली बच्चों का वहां से गुजरना दूभर बना रहता है।

गांगपुर में चार मवेशियों की चोरी, पशुपालक को 60 हजार रुपये का नुकसान

गिद्धौर (चतरा)। थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक पशुपालक के चार मवेशियों की चोरी कर ली। इस घटना में पशुपालक को लगभग 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और पशुपालकों में चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, गांगपुर निवासी अखिलेश साव प्रतिदिन की तरह गुरुवार रात अपने चारों मवेशियों को घर के पास बांधकर सोने चले गए। शुक्रवार सुबह जब वह मवेशियों को चारा-पानी देने पहुंचे तो देखा कि चारों मवेशी वहां से गायब थे। पहले उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्हें मवेशी चोरी होने की आशंका हुई। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और मवेशियों की तलाश में जुट गए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित अखिलेश साव ने बताया कि चोरी हुए चारों मवेशियों की कीमत लगभग 60 हजार रुपये है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

थोड़े पानी में ही टंडवा की सड़क हुआ बेहाल

टंडवा।प्रखंड मुख्यालय से महज कुछ ही दूरी पर हल्के वारिश में सड़क का हल बदहाल हो गया है।टंडवा प्रसिद्ध चंदरू धाम मंदिर के समीप बड़े बड़े गढ़े में पानी भर जाने से लोगों को दिक्कतों की सामना करना पड़ रहा है बाइक सवार हो या कार सवार दिन में नजारा इस तरह रात की बात क्या कहना तालाब जैसा दृश्य देखने को मिल रहा हजारीबाग जिले के चट्टी बरियातू और केरेडारी कोल परियोजनाओं से धुंआधार होने वाली भारी वाहनों के परिचालन से सड़के गढ़े में तब्दील हो रही है। एवम् ऐसे जगहों में चकमा खाकर आमजन दुर्घटना के शिकार हो रहे है।वही आमजनों को समझ में नहीं आ रहा कि चतरा जिला प्रशासन और यहां के बड़े बड़े जनप्रतिनिधि अपनी चुप्पी साधकर बड़ी भागीदारी क्यों निभा रहे है।

विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन हेतु निकाला जागरूकता अभियान

कटकमसांडी। आदर्श मध्य विद्यालय कटकमसांडी के द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन के लिए एक जागरूकता अभियान निकल गया इस जागरूकता अभियान के द्वारा हमें यह बतलाया गया है झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत जो अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है वह चुनाव 22.6.2026 को किया जाना सुनिश्चित हुआ है इस अभियान के द्वारा लोगों को जागरुक कर चुनाव के दौरान हम सभी लोगों का उपस्थित होना अनिवार्य है यह जागरूकता अभियान विद्यालय से निकलकर कटकमसांडी चौक होते हुए बस्ती हो कर स्कूल तक समाप्त की गई अभियान में स्कूल के सभी शिक्षक उपस्थित हुए

नोनिया समाज के साथ भेदभाव का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

धनबाद। चौहान युवा संघ के संयोजक एवं भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य ने प्रेस वार्ता में पश्चिम बंगाल के कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में नोनिया-चौहान समाज की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में समाज ने बड़ी संख्या में भाजपा का समर्थन किया, लेकिन अब स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कुल्टी विधायक अजय पोद्दार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए क्षेत्र में कथित अवैध गतिविधियों और माफिया तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही समाजसेवी रोहित नोनिया के खिलाफ दर्ज मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि बिना समुचित जांच के कार्रवाई किए जाने से समाज में नाराजगी है। संयोजक ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं कानूनसम्मत कार्रवाई करने का आग्रह किया तथा किसी भी प्रकार के पक्षपातपूर्ण रवैये से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि समाज की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ सकता है। प्रेस वार्ता में नोनिया-चौहान समाज के हितों की रक्षा तथा न्यायपूर्ण कार्रवाई की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

हजरत बीड़ी शाह बाबा का 37वां सालाना उर्स श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

» चादरपोशी, उर्स मेला और लंगर में उमड़े श्रद्धालु, भुरकुंडा में छाया रहा सूफियाना रंग

भुरकुंडा (रामगढ़)।मदरसा गुलशन रजा भुरकुंडा में हजरत बीड़ी शाह बाबा का 37वां सालाना उर्स शुक्रवार को बड़ी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। उर्स के पूर्व गुरूवार की रात्रि 8 बजे मजार शरीफ का गुसुल (स्नान) किया गया और खादिम ग्यास खान द्वारा पारंपरिक चादरपोशी की गई। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच शिरनी (प्रसाद) का वितरण किया गया। शुक्रवार को उर्स मेला और लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। भुरकुंडा थाना की ओर से मजार शरीफ पर थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार द्वारा सरकारी चादर चढ़ाई गई। इस अवसर पर मुस्लिम धर्मालंबियों सहित दर्जनों श्रद्धालुओं ने चादरपोशी कर अपने घर-परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति की दुआएं मांगी। लंगर वितरण के साथ देर रात तक उर्स मेला चलता रहा। पूरे कार्यक्रम में सूफियाना माहौल, भाईचारे और श्रद्धा की मिसाल देखने को मिली। उर्स के अवसर पर भुरकुंडा, सौंदा डी, सुंदरनगर, जवाहरनगर, ऊपर धौड़ा, रीवर साइड, चिकोर, लपंगा, महुआटोला, चैनगड्डा, गिद्दी, सेंट्रल सौंदा, पतरातू सहित अन्य क्षेत्रों के लोगो ने चादरपोशी की। मेला में लोगो ने जमकर खरीदारी की और लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया। उर्स के सफल आयोजन में समिति के मुख्य संरक्षक भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, संरक्षक महेश्वर साहू, अध्यक्ष जगतार सिंह, उपाध्यक्ष सुरेंद्र राम, बारीक अंसारी एवं डब्लू सिंह, सचिव उमाशंकर जायसवाल, सहायक सचिव इम्तियाज अंसारी, मसूद रहबरी, राज खान एवं हाजी महबूब, कोषाध्यक्ष एहसान खान, सह-कोषाध्यक्ष मो. वसीम सहित कई सदस्यो का योगदान रहा।

बहेरा पंचायत के पूर्व मुखिया नरेंद्र सिंह की माता उर्मिला देवी का निधन

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण (हजारीबाग)।प्रखंड के अंतर्गत बहेरा पंचायत के कुबरी-डोइया गांव की सम्मानित एवं धार्मिक विचारों वाली महिला उर्मिला देवी (85 वर्ष) का शुक्रवार को निधन हो गया। वे कामता सिंह की धर्मपत्नी तथा बहेरा पंचायत के पूर्व मुखिया नरेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह और प्रसिद्ध व्यवसायी सह समाजसेवी मनोज सिंह की माता थीं। उनके निधन की सूचना मिलते ही गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों के अनुसार, उर्मिला देवी संस्कार, सादगी और सामाजिक सरोकारों की प्रतीक थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में परिवार को अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की मजबूत नींव दी। अपने मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे समाज के सभी वर्गों में आदरणीय थीं। उनके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, व्यवसायियों और ग्रामीणों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।परिजनों ने बताया कि उर्मिला देवी का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 8 बजे गांव स्थित मुक्तिधाम में पूरे विधि-विधान के साथ किया जाएगा। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों और शुभचिंतकों के शामिल होने की संभावना है। दिवंगत अपने पीछे पुत्र, पुत्री, बहू और नाती-पोतों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

दुमका–रामपुरहाट सड़क पर स्पीड ब्रेकरों के पास सुरक्षा उपाय नहीं होने से दुर्घटनाओं की आशंका : विकास भगत

नई सोच एक्सप्रेस

शिकारीपाड़ा/दुमका । हैप्पी क्लब शिकारीपाड़ा के अध्यक्ष विकास भगत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि दुमका–रामपुरहाट सड़क (एनएच114ए) पर भारी वाहनों एवं अन्य वाहनों की गति नियंत्रण हेतु विभिन्न स्थानों पर लगभग तीन दर्जन से अधिक स्पीड ब्रेकर (बम्पर) बनाए गए हैं, किंतु अधिकांश स्पीड ब्रेकरों पर न तो मानक अनुसार जेब्रा क्रॉसिंग बनाई गई है और न ही रिफ्लेक्टर अथवा रेडियम लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विशेषकर रात्रि के समय तथा खराब मौसम में वाहन चालकों को स्पीड ब्रेकर दूर से दिखाई नहीं देते हैं। इसके कारण वाहन चालक समय रहते वाहन की गति कम नहीं कर पाते, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है और दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। कई स्थानों पर लगातार दुर्घटनाएँ होने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। विकाश भगत ने कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रत्येक स्पीड ब्रेकर पर सफेद जेब्रा मार्किंग, रिफ्लेक्टर एवं रेडियम पट्टियां लगाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वाहन चालकों को दूर से ही स्पीड ब्रेकर की जानकारी मिल सके। इसके अतिरिक्त स्पीड ब्रेकर से पूर्व चेतावनी संकेतक बोर्ड तथा प्रतीकात्मक (सिंबोलिक) सड़क सुरक्षा संकेत भी लगाए जाने चाहिए, जिससे वाहन चालक पहले से सतर्क हो सकें। उन्होंने झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, देवघर, आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल, दुमका तथा उपायुक्त दुमका से मांग की है कि दुमका–रामपुरहाट सड़क पर स्थित सभी स्पीड ब्रेकरों का सर्वेक्षण कर आवश्यक सुरक्षा मानकों के अनुरूप जेब्रा क्रॉसिंग, रिफ्लेक्टर, रेडियम एवं चेतावनी संकेतक बोर्ड शीघ्र स्थापित किए जाएँ।विकास भगत ने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाते हैं तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है तथा आम नागरिकों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

मुहर्रम को लेकर भदानीनगर ओपी में शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

नई सोच एक्सप्रेस

भुरकुंडा (रामगढ़) ।आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को भदानीनगर ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ओपी प्रभारी अख्तर अली ने की। बैठक को संबोधित करते हुए ओपी प्रभारी अख्तर अली ने कहा कि मुहर्रम आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का पर्व है। सभी समुदायों के लोग मिल-जुलकर इसे शांतिपूर्वक मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुहर्रम जुलूस पूर्व से निर्धारित मार्ग एवं तय समय के अनुसार ही निकाला जाएगा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। ओपी प्रभारी ने कहा कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में आम लोगों का सहयोग आवश्यक है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में भदानीनगर ओपी के एएसआई मनोज मुर्मू, रामफल बेदिया, सागर दांगी, मो. रुस्तम अंसारी, इमामुल अंसारी, मो. जहीर अंसारी, राजेश कुमार मंडल, कृष्ण कुमार कुशवाहा, आजाद अंसारी, मो. जिलानी अंसारी, डी महतो, नूर आलम, मो. रियाज, यासीन अली, मो. सलीम, आलम अंसारी, राजेश्वर बेदिया, शिवनारायण बेदिया सहित विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग एवं समिति सदस्य उपस्थित थे। सभी ने पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस ने दिया हरियाली का संदेश, बिरसा मुंडा एग्रो पार्क में हुआ पौधरोपण

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला।नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जशपुर रोड स्थित बिरसा मुंडा एग्रो पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा प्रकृति संरक्षण, सामाजिक सरोकार और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते रहे हैं। उनके जन्मदिन पर वृक्षारोपण कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना समय की आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाती रही है। राहुल गांधी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण और प्रकृति संरक्षण के संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। मौके पर मनीष कुमार हिंदुस्तान, संजीव मलानी, नगर अध्यक्ष जय सिंह, गुलाम सरवर, रफी अली, रूपेश कुमार, सागीर आलम, अभिषेक सोरेंग, पंचम बिलुंग सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त विभाग पदाधिकारी के साथ की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला।चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को वित्त विभाग के पदाधिकारियों के साथ मुलाकात कर व्यापारियों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। विभाग के पदाधिकारियों से मुलाकात कर चैंबर अध्यक्ष राजेश लोहानी ने बताया कि 24 जून, दिन बुधवार को चैंबर ऑफ कॉमर्स कार्यालय में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में वित्त विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। विभाग द्वारा बताया गया कि झारखंड राज्य के जिन व्यापारी के पास जीएसटी नंबर है, उनके लिए जेपीटी नंबर लेना अनिवार्य है, जिसका वार्षिक शुल्क 2500 रुपये निर्धारित किया गया है। कैंप में आने वाले व्यापारी बंधुओं का जेपीटी नंबर जारी किया जाएगा तथा शुल्क की राशि का भुगतान अगले वर्ष निर्धारित समय पर किया जा सकेगा। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में पैन कार्ड एवं ऐसा मोबाइल नंबर, जिस पर ओटीपी प्राप्त हो सके, साथ लाना अनिवार्य होगा। साथ ही विभाग द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि जिन व्यापारियों का वार्षिक टर्नओवर 40 लाख रुपये से अधिक है, उनके लिए जीएसटी पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ऐसे व्यापारी भी इस कैंप का लाभ उठाकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। प्रतिनिधि मंडल में चैंबर अध्यक्ष राजेश लोहानी, सचिव प्रणय कुमार, उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, सह सचिव नीरज गुप्ता एवं प्रो. प्रतीक अग्रवाल उपस्थित थे।

लोहरदगा-टोरी रेलखंड पर पुरुलिया साप्ताहिक एक्सप्रेस की चपेट में आए 12 भैंसे, सात की मौत, पांच घायल

नई सोच एक्सप्रेस

कुडू /लोहरदगा।लोहरदगा-टोरी रेलखंड पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। बंदुआ जंगल में पोल संख्या 509-510 के बीच सुबह करीब 6:41 बजे आनंद विहार से पुरुलिया की ओर जा रही ट्रेन नंबर 14022 आनंद विहार टर्मिनल-पुरुलिया साप्ताहिक एक्सप्रेस की चपेट में आने से 7 भैंसों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 5 अन्य भैंसा गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी पशुओं को एक व्यापारी कहीं ले जा रहा था। इसी दौरान सभी पशुओं के रेलवे ट्रैक पर आने के कारण वे तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सात पशुओं के चिथड़े उड़ गए, वहीं कई पशु दूर तक जा गिरे व घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन में सवार यात्री भी करीब ढाई घंटे तक परेशान रहे। हादसे के बाद रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारण प्रभावित रेल मार्ग को सुचारू करने तथा ट्रैक को सुरक्षित बनाने के लिए दो इंजन लगाए गए, जिसके बाद करीब 10 बजे ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया जा सका। बताया जा रहा है कि पशुओं को ले जा रहे व्यापारी घटना के बाद मौके से फरार हो गए। वहीं समाचार लिखे जाने तक घायल पशु चिलचिलाती धूप व प्रचंड गर्मी में तड़पते रहे। न तो रेलवे के कोई बड़े पदाधिकारी मौके पर पहुंचे व न ही किसी ने उनके इलाज की व्यवस्था करने की सुध ली।

पलामू क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट-2026 का समापन, लातेहार बना ओवरऑल चैंपियन

सुधा सरोवर संवाददाता

लातेहार । शहर स्थित टाउन हॉल में 17 से 19 जून तक आयोजित तीन दिवसीय पलामू क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट-2026 का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह, पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल, उपायुक्त संदीप कुमार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, पलामू पुलिस अधीक्षक कपिल देव चौधरी सहित कई वरीय अधिकारियों ने भाग लिया। ड्यूटी मीट में लातेहार, पलामू एवं गढ़वा जिले के चयनित पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने फॉरेंसिक साइंस, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, साइबर विश्लेषण, फिंगरप्रिंट, फोटोग्राफी, डॉग स्क्वॉड संचालन समेत विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लातेहार जिला ओवरऑल चैंपियन घोषित हुआ है। जबकि गढ़वा जिला उपविजेता रहा प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में गढ़वा के पु.अ.नि. आदित्य कुमार नायक ने फॉरेंसिक साइंस, फोटोग्राफी एवं क्राइम इन्वेस्टिगेशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लातेहार के पु.अ.नि. भागीरथ पासवान ने मेडिको-लीगल, लिफ्टिंग, पैकेजिंग एंड फॉरवर्डिंग ऑफ एग्जीबिट में प्रथम स्थान हासिल किया। फिंगरप्रिंट प्रतियोगिता में लातेहार के पु.अ.नि. याकीन अंसारी प्रथम रहे। ऑब्जर्वेशन टेस्ट में लातेहार के आरक्षी संख्या-1063 अविनाश मिंज ने पहला स्थान प्राप्त किया। पुलिस पोर्ट्रेट प्रतियोगिता में पलामू के सहायक अवर निरीक्षक राकेश कुमार प्रथम रहे कंप्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता में लातेहार के आरक्षी संख्या-403 ने प्रथम स्थान हासिल किया। डॉग स्क्वॉड प्रतियोगिता में पलामू के आरक्षी संख्या-18 राणा कुमार सिंह तथा ट्रैकर रैंक प्रतियोगिता में आरक्षी संख्या-442 जयंत कुमार प्रथम स्थान पर रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुये डीआईजी किशोर कौशल ने कहा कि वैज्ञानिक एवं पेशेवर अनुसंधान से ही अपराधियों के विरुद्ध दोषसिद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को व्यवहारिक कार्यों में लागू करने की अपील की। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह ने नए कानूनों की जानकारी रखने और समय पर साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत करने पर बल दिया। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि पुलिस 24 घंटे जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहते हैं तथा लातेहार पुलिस ने उग्रवाद और नक्सलवाद के खिलाफ में उल्लेखनीय कार्य किया है पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर सीआरपीएफ 11वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी पी. पांडा, एफएसएल के उप निदेशक मुकुंद सिन्हा, एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता, बरवाडीह एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार राम, मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार, महुआडांड़ एवं बालूमाथ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा समेत पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एएसआई देवेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। साथ ही विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया।

जिला के विभिन्न खाद्यान दुकानों का फूड सेफ्टी ऑफिसर ने किया औचक निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

लोहरदगा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डा. मोईन अख्तर ने शुक्रवार को लोहरदगा स्थित अपर बाजार व ईस्ट गोला रोड के विभिन्न खाद्यान्न भंडारों, थोक व खुदरा व्यापारियों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में मेसर्स केशरी स्टोर, मेसर्स मां भगवती भंडार, मेसर्स कपिल प्रसाद गल्ला दुकान, मेसर्स मित्तल स्टोर व मेसर्स धनपति ट्रेडर्स में बेची जा रही खाद्य सामग्रियों व दस्तावेजों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत विभिन्न खाद्य पदार्थों यथा मूंगफली, चना दाल, चावल, नमक, अरहर दाल, फिंगर चिप्स आदि का वैधानिक नमूना संग्रह किया गया। जांच के क्रम में सभी प्रतिष्ठान संचालकों को एफएसएसएआई की ओर से निर्गत फूड लाइसेंस को दुकान में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। भंडारण में खाद्यान्न से भरी बोरियों को फर्श पर रखने के बजाय लकड़ी के पट्टों/तख्तों का प्रयोग करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में भंडारण क्षेत्र में चूहों की उपस्थिति भी दर्ज की गई। ऐसे प्रतिष्ठान संचालकों को पेस्ट कंट्रोल ऑफ इंडिया के प्रमाणित किसी एजेंसी से पेस्ट कंट्रोल कराने का निर्देश दिया गया। सभी खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को अच्छी गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्रियों की बिक्री करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए वैधानिक नमूनों के असफल पाए जाने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सक्षम न्यायालय में अभियोजन दायर किया जाएगा। इस प्रकार का अभियान आगे भी जारी रहेगा। दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक कर्मी रजनीश कुमार मौके पर उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार ने पटना साहिब गुरुद्वारा और जगदम्बा धाम में की पूजा-अर्चना

पटना। जदयु के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब गुरुद्वारा और खुसरूपुर स्थित श्री जगदम्बा धाम पहुंचकर मत्था टेका तथा पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने ईश्वर से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। दर्शन-पूजन के उपरांत नीतीश कुमार ने गुरुद्वारा एवं मंदिर परिसर का भ्रमण कर श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों और सुविधाओं का जायजा लिया। दोनों धार्मिक स्थलों पर नीतीश कुमार के आगमन से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। विशेषकर महिला श्रद्धालुओं ने नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से आत्मीयतापूर्वक मुलाकात की और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चैम्बर के प्रयास से फिलहाल बहुत जल्द पटना में एनसीएलटी का सर्किट बेंच प्रारम्भ होने कि आशा जगी

पटना।अपने दिल्ली प्रवास के क्रम में शुक्रवार को अध्यक्ष पीके अग्रवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य सुमित कुमार कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय के संयुक्त सचिव बालामुर्ग डी., एवं अनीता शाह अकेला, से मिले और पटना में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण(एनसीएलटी) का एक बेंच स्थापित कराने का अनुरोध किया । उन्होंने अधिकरियों को यह भी बताया कि इसके लिए पूर्व से ही पटना में जगह लिया जा चुका है और हर माह किराया भी लग रहा है परन्तु अभी तक बेंच कार्य करना प्रारम्भ नही किया है। जिस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि पटना में जब-तक फुल बेंच स्थापित नही होता है तब-तक एक सर्किट बेंच बनाया जा सकता है जिससे कि राज्य के उद्यमियों, कम्पनीज सेक्रेटरीज, प्रोफेशनल्स को एनसीएलटी में विवादों के लिए कोलकाता नही जाना पड़े। चैम्बर अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने बताया कि एनसीएलटी एक अर्ध-न्यायिक संस्था है जिसे भारत सरकार ने कंपनी मामलों के निपटारे और दिवालियापन की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सम्बन्ध बनाने के लिए स्थापित किया है जो भारत सरकार के कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय के अंतर्गत आता है। अग्रवाल ने बताया कि चैम्बर करीब पिछले आठ वर्ष से प्रयासरत है कि एनसीएलटी का एक बेंच पटना में स्थापित हो क्योंकि वर्तमान में बिहार के उद्यमियों को कंपनी एक्ट के मामलों के लिए कोलकाता जाना पड़ता है जिससे उनको आर्थिक नुकसान के साथ-साथ समय कि भी बबार्दी होती है।

विवि-कॉलेजों में साल में एक बार ट्रांसफर होगा

पटना। बिहार के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में साल में केवल एक बार ही ट्रांसफर होगा। यह प्रक्रिया जून तक पूरी की जाएगी। जून के बाद किसी भी तबादले को अपवाद माना जएगा। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी। इस संबंध में राज्यपाल सचिवालय ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक सत्र के दौरान पढ़ाई, परीक्षा और प्रशासनिक कार्यों में होने वाले व्यवधान को रोकना है। ट्रांसफर का आधार संस्थान की आवश्यकता, स्वीकृत पदों की उपलब्धता, विषयवार शिक्षकों का वितरण, आरक्षण रोस्टर, छात्र संख्या और शैक्षणिक जरूरतें होगा। ट्रांसफर प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यक्तिगत पक्षपात या अन्य बाहरी प्रभावों से मुक्त होगा। निर्धारित मानकों से बाहर के ट्रांसफर केवल अत्यंत सहानुभूतिपूर्ण आधार पर ही किए जाएंगे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह द्वारा सभी कुलपतियों को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र के बीच लगातार ट्रांसफर से शिक्षण कार्य प्रभावित होता है, प्रशासनिक असुविधा बढ़ती है। इसे देखते हुए ट्रांसफर प्रक्रिया में पारदर्शिता, एकरूपता और शैक्षणिक निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है।

03 जुलाई तक सभी राज्यों में राज्य परिषद की बैठक एवं संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराने का निर्देश

पटना।हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश कुमार पाण्डेय नेदेश के सभी प्रदेश अध्यक्षों को पत्र जारी कर 03 जुलाई 2026 तक राज्य परिषद की बैठक आयोजित करने तथा राज्य कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया गया है।जारी पत्र में कहा गया है कि सभी प्रदेश इकाइयाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर राज्य परिषद की बैठक बुलाते हुए लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी तरीके से संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराएँ। इसके लिए प्रदेश स्तर पर तिथि, समय एवं स्थान निर्धारित कर पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर राष्ट्रीय नेतृत्व को सूचित करने को कहा गया है।पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक राज्य में निर्वाचन पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की जाएगी।हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) का मानना है कि मजबूत संगठन ही जनता की अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकता है। इसी उद्देश्य से देशभर में संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है

बिहार पर्यटन बंगाल टूरिज्म फेस्ट में कर रहा है सहभागिता

पटना। बिहार पर्यटन विभाग कोलकाता स्थित खुदीराम अनुशीलन केंद्र में 19 से 21 जून 2026 तक आयोजित बंगाल टूरिज्म फेस्ट 2026 में सहभागिता कर रहा है। यह आयोजन एसोसिएशन ऑफ टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर्स ऑफ बंगाल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक राजेश रोशन के नेतृत्व में बिहार पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं विरासत पर्यटन स्थलों का समुचित प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। विभाग के प्रदर्शनी स्टॉल पर बिहार की पर्यटन संभावनाओं, पर्यटन परिपथों, बौद्ध, जैन, सिख तथा रामायण सर्किट सहित राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान से संबंधित प्रचार सामग्री आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। इस सहभागिता का उद्देश्य बिहार को एक प्रमुख राष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना, संभावित पर्यटकों, टूर ऑपरेटरों तथा यात्रा व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच राज्य की पर्यटन संपदा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अंतर्राज्यीय पर्यटन सहयोग को सुदृढ़ करना है। कोलकाता जैसे महत्वपूर्ण महानगर में आयोजित इस प्रकार के पर्यटन आयोजन बिहार की पर्यटन छवि को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए उपयोगी मंच प्रदान करते हैं। बिहार पर्यटन विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजनों में सहभागिता से राज्य में धार्मिक पर्यटन, विरासत पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन तथा अवकाश पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इससे पश्चिम बंगाल सहित पूर्वी भारत के पर्यटकों के बीच बिहार के विविध पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षण और अधिक सुदृढ़ होगा। विभाग ने आमजन, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों तथा यात्रा प्रेमियों से बिहार पर्यटन स्टॉल का अवलोकन करने और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन संभावनाओं की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया है।

गुरुजी राजू चंदेल का पश्चिम बंगाल भाजपा प्रदेश कार्यालय में जबरदस्त स्वागत है

नई सोच एक्सप्रेस

» मोदी जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के अनुसूचित जाति समाज को और अधिक मजबूत किया जाएगा

कोलकाता।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत विश्वास मैं पश्चिम बंगाल के आगमन पर दिल्ली के मीडिया सह प्रभारी गुरुजी राजू चंदेल का पार्टी कार्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया इस मौके पर गुरुजी राजेंद्र ने अपने अनुसूचित जाति मोर्चा के तमाम पदाधिकारी का खुले तौर पर फूल माला आदि देकर स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों की एक मेहनत और लगन के कारण ही हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार पश्चिम बंगाल में बनी है इसके लिए आप तमाम अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष बधाई के पात्र हैं गुरुजी राजू चंदेल ने कहा कि मेरे अनुसूचित जाति समाज के तमाम युवाओं के लिए और समाज के लोगों के लिए हमारे मोदी सरकार बहुत ही जन कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई हैं उनका लाभ जल्द से जल्द पश्चिम बंगाल के अनुसूचित जाति समाज और युवाओं को मिलेगा इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे जिनमें प्रमुख सुजीत विश्वास- प्रदेश अध्यक्ष.

प्रकाश दास-महासचिव

विश्वजीत बिस्वास-महासचिव

सोमा सिंह- कार्यालय सचिव

न्यूटन सरकार- सचिव

रूबी मंडल दास-मीडिया प्रभारी.

डॉ. अमल दास - सदस्य

रूपा भौमिक - सदस्य

गोपाल हलदर - सदस्य.

बिप्लब नस्कर- सदस्य

सुपल सरकार - जिला अध्यक्ष नदिया दक्षिण.आशित बर्मन मंडल- उपाध्यक्ष, जय किशन सिंह वाल्मीकि

अमरदीप सिंह गिल वाल्मीकि, सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे

साहित्य और पत्रकारिता में ठा. भरत सिंह की विशिष्ट पहचान

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई/नाशिक। उत्तर प्रदेश के जौनपुर निवासी एवं वर्तमान में महाराष्ट्र में कार्यरत प्रख्यात कवि, लेखक, पत्रकार और संपादक ठा. भरत सिंह ने हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे हिंदी मासिक पत्रिका 'कारवाँ' के संपादक हैं तथा कई साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। ठा. भरत सिंह ने प्रयाग हिंदी विश्वविद्यालय, राष्ट्रभाषा सभा पुणे, मुंबई हिंदी विद्यापीठ और पत्रकारिता महाविद्यालय दिल्ली से साहित्य एवं पत्रकारिता संबंधी उपाधियां प्राप्त की हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में 'भरत काव्य सुधा', 'कविता के गाँव में', 'चम्पा के फूल', 'नाशिक युगों-युगों की साक्षी नगरी' और 'सजनी' शामिल हैं। हिंदी साहित्य में योगदान के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में उनकी कृति 'सजनी' (खंडकाव्य) के लिए महाराष्ट्र शासन की महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा संत नामदेव काव्य पुरस्कार 2024-25 प्रदान किया गया। साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान युवा लेखकों के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है।

शिवसेना के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर मिष्ठान वितरित किया

नई सोच एक्सप्रेस

» हिंदुत्व रक्षा का लिया संकल्प जिलाध्यक्ष शिवकुमार विश्वकर्मा

कानपुर।शिवसेना (यूबीटी) कानपुर इकाई के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को शिवसेना के साठवें स्थापना दिवस के अवसर पर हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की प्रतिमा पर जलाभिषेक कर पुष्प अर्पित किए तथा मिष्ठान वितरण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शिवकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि 19 जून 1966 को बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की थी। उन्होंने बताया कि शिवसेना का गठन हिंदुत्व और भारतीय संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से किया गया था और संगठन समय-समय पर हिंदुत्व की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करता रहा है। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। साथ ही संगठन को और मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। इस अवसर पर मुख्य रूप से महासचिव सुरेंद्र राजपूत, वरिष्ठ सचिव रंजीत सिंह सेंगर, कार्यालय प्रभारी शिवम शुक्ला, सचिव शैलेन्द्र सक्सेना, गोविंद कुशवाह सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

थानेसर की पांडव गली में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल, गंदगी के ढेर से लोग परेशानः संजय शर्मा

नई सोच एक्सप्रेस

पांडव गली में पड़े हुए वेस्ट मटेरियल के ढेर

कुरुक्षेत्र।थानेसर शहर की पांडव गली में नगर परिषद की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई दिखाई दे रही है। गली में जगह-जगह मिट्टी, मलबे और गंदगी के ढेर कई-कई दिनों से पड़े हैं, जिन्हें उठाने के लिए सफाई कर्मी समय पर नहीं पहुंचते। इससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी के कारण राहगीरों को आने-जाने में कठिनाई होती है। बरसात के दिनों में पानी भरने और कीचड़ बनने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध, मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है। सामाजिक कार्यकर्ता संजय शर्मा ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से मांग की कि पांडव गली से तत्काल गंदगी और मलबा हटाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि पांडव गली की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके तथा 'स्वच्छ भारत मिशन' के उद्देश्य को धरातल पर साकार किया जा सके। इस अवसर पर संजय कुमार शर्मा,रमन वर्मा, मुकेश, दिनेश, सोहन लाल शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

जीआरपी कैंट की तत्परता से तीस मिनट में मिला यात्री का गुम हुआ लैपटॉप,चेहरे पर लौटी मुस्कान

नई सोच एक्सप्रेस

» जीआरपी कैंट की मुस्तैदी से तीन मिनट में मिला यात्री का गुमशुदा लैपटॉप, ऑपरेशन मुस्कान फिर हुआ सफल

वाराणसी।पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री प्रकाश डी,पुलिस महानिरीक्षक एन. कोलान्ची,पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशान्त वर्मा द्वारा लगातार मानिटरिंग व निर्देशन के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुँवर प्रभात सिंह के निकट पर्यवेक्षण में चलायें जा रहे है अभियान आपरेशन मुस्कान के तहत रेलवे स्टेशन,प्लेटफार्मो व सरकुलेटिंग एरिया में चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं अपराधियों,वारण्टियों की गिरफ्तारी व बरामदगी अवैध तस्करी के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर के निर्देशन में उप निरीक्षक रामरतन पाण्डेय, कांस्टेबल राजेन्द्र थाना जीआरपी कैण्ट द्वारा प्लेटफार्म व सर्कुलेटिंग एरिया में मामूर थे कि वादी गुलफान खान पुत्र बाजुउलहक खान निवासी घरसबैठवा थाना कमिनी जिला बेतिया राज्य बिहार मोबाइल नम्बर 9334682506 के द्वारा थाने पर उपस्थित आकर सूचना दी गयी की मेरा लैपटाप बैग सहित यात्री पूछताछ केन्द्र के पास से कही गुम हो गया | सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कैण्ट द्वारा एक टीम तैयार की गयी | टीम के द्वारा सूचना को गंभीरता से लेते हुये लैपटाप की खोजबीन हेतु रेलवे स्टेशन परिसर में व्यापक स्तर पर अभियान चलाया गया | रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों,प्रवेश एवं निकास द्वारों तथा अन्य संभावित स्थानों पर गहनता से तलाश की गयी | साथ ही स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी लैपटाप बैग की तलाश की गयी | खोजबीन के दौरान यात्री पूछताछ केन्द्र हाल में बैंच के नीचे एक बैग पड़ा मिला जिसको खोलकर देखा गया तो उसमें MSI -9 लैपटाप व आधार कार्ड चार्जर कपडे आदि मिला जब इत्मिनान हो गया कि यह वही लैपटाप है जिसकी सूचना वादी के द्वारा दी गयी है इस प्रकार जीआरपी कैण्ट वाराणसी की तत्परता एवं सतर्कता के कारण गुमशुदा लैपटाप को मात्र तीस मिनट के अन्दर खोजकर सुरक्षित उसके वादी को सुपुर्द किया गया | अपना लैपटाप को सुरक्षित पाकर वादी गुलफान खान उपरोक्त के द्वारा जीआरपी टीम एवं पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया व पुलिस टीम की भूरि भूरि प्रसांशा की गयी | गुम लैपटाप को बरामद करने वाली टीम में रजोल नागर प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कैण्ट वाराणसी,उ0नि0 रामरतन पाण्डेय थाना जीआरपी कैण्ट वाराणसी, का0 राजेन्द्र थाना जीआरपी कैण्ट वाराणसी की पुलिस टीम शामिल रहीं ||

नशा मुक्ति के लिए 20 जून को निकलेगी जागरूकता पदयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

कुपवाड़ा।युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 20 जून को ज़ोनल शिक्षा कार्यालय कलमाबाद से लेकर यूपीएस चोंटीपोरा मावर तक "नशा मुक्त अभियान पदयात्रा" का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान की तैयारियां यूपीएस चोंटीपोरा मावर के हेड टीचर एवं जेकेटीएफ कुपवाड़ा के वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट नज़ीर अहमद भट के नेतृत्व में पूरी कर ली गई हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने पदयात्रा को सफल बनाने तथा मावर ज़ोन के प्रत्येक घर तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया है। नज़ीर अहमद भट ने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को नशे की लत से बचाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सामूहिक प्रयास है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की। पदयात्रा 20 जून 2026 को सुबह 10 बजे यूपीएस चोंटीपोरा मावर में आयोजित होगी। अभियान के माध्यम से नशा मुक्त, स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश दिया जाएगा।

व्यापारियों की समस्याओं पर प्रशासन गंभीर, कई मांगों पर हुई चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।एडीएम (वित्त एवं राजस्व) सदानंद की अध्यक्षता में व्यापारियों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जीएसटी विसंगतियों, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और व्यापारियों के पुनर्वास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में अपर नगर आयुक्त सीमा पांडेय, डीसी जीएसटी बीर सिंह तथा ट्रैफिक विभाग के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। महानगर उद्योग व्यापार समिति के महामंत्री अशोक जायसवाल ने ज्ञापन सौंपकर कपड़ों पर जीएसटी दर एक समान करने, मानवीय त्रुटियों पर व्यापारियों के उत्पीड़न पर रोक लगाने तथा छोटे व्यापारियों को ई-वे बिल में राहत देने की मांग उठाई। व्यापारियों ने गिरिजाघर-गोदौलिया-दशाश्वमेध मार्ग पर हाईमास्ट लाइट लगाने, बाजार क्षेत्रों में छोटी पार्किंग विकसित करने तथा सड़क चौड़ीकरण व विकास परियोजनाओं से प्रभावित दुकानदारों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की। बैठक में अशोक जायसवाल, रजनीश कन्नौजिया, पंकज अग्रवाल, डॉ. अंजनी मिश्रा समेत बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। एडीएम सदानंद ने व्यापारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नवागत बीएसए भूपेन्द्र सिंह का कर्मचारियों ने किया भव्य स्वागत, समस्याओं के समाधान का मिला आश्वासन

नई सोच एक्सप्रेस

» चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संगठनों ने बीएसए को सौंपा मांगपत्र,पदोन्नति व कैशलेस चिकित्सा सहित कई मुद्दे उठाए

वाराणसी।उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ वाराणसी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ,बेसिक शिक्षा परिषद वाराणसी के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश संरक्षक मुन्नूलाल रावत एवं जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद के नेतृत्व में नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) भूपेन्द्र सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया | इस अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र,पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया तथा गुलाब की पंखुड़ियों से अभिनंदन किया गया साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों का परिचय भी कराया गया | प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए को कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित मांगपत्र सौंपते हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लिपिकीय पद पर पदोन्नति देने, कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ उपलब्ध कराने,रसोइयों का मानदेय प्रत्येक माह की पांच तारीख तक वितरित करने,वर्दी उपलब्ध कराने तथा सेवा से हटाई गई रसोइयों को पुनः कार्य पर रखने की मांग की | इसके अतिरिक्त संगठन के सुचारू संचालन हेतु शासनादेश के अनुरूप कार्यालय उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई | कर्मचारी नेताओं ने बताया कि उक्त मांग पत्र तीन माह पूर्व भी दिया गया था लेकिन वरिष्ठ लिपिक जगन्नाथ राम द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया | इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारी हितों से जुड़े किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब नहीं होने दिया जाएगा | उन्होंने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग सदैव तत्पर रहेगा तथा संगठन को हरसंभव सहयोग और समर्थन प्रदान किया जाएगा | प्रतिनिधिमंडल में शहजाद अहमद,जुनैद अहमद,हबीबुर्रहमान,जितेन्द्र कुमार, मशर्रत कमाल,एहसान आलम,रेशम लाल,विनोद त्रिपाठी,पंकज दुबे,मिथिलेश श्रीवास्तव,मनोज कुमार,चंचल मौर्य, संगीता देवी,सरिता देवी,सरोज गिरी, नीलम देवी,राधिका रंजन तिवारी,नरेन्द्र प्रताप,माया देवी,रेखा,चिन्तामणि वर्मा, शेर बहादुर सिंह,घनश्याम गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ||

महेश नवमी की डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर भगवान शिव के महेश रूप की पूजा की जाती है. इस दिन शिव की उपासना से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है. भगवान शिव को महेश भी कहा जाता है. महेश नाम से ही माहेश्वरी समाज का नामकरण हुआ है, यही वजह है कि हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर महेश नवमी मनाई जाती है. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विशेष पूजन करने से सुख, शांति, धन वृद्धि और सौभाग्य में बढ़ोत्तरी का वरदान प्राप्त होता है. विशेषकर माहेश्वरी समाज इस दिन को धूमधाम से मनाता है.

महेश नवमी का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत 22 जून 2026, सोमवार को दोपहर 03 बजकर 39 मिनट पर हो रही है. इस तिथि का समापन अगले दिन 23 जून 2026, मंगलवार की शाम को 04 बजकर 39 मिनट पर होगा. ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार, महेश नवमी का पावन पर्व 23 जून 2026 को मनाया जाएगा.

क्यों मनाई जाती है

भगवान महेश और आदिशक्ति माता पार्वती ने ऋषियों के श्राप के कारण पत्थर में परिवर्तित हो चुके 72 क्षत्रियों को शापमुक्त किया और पुनर्जीवन प्रदान करते हुए कहा कि, आज से तुम्हारे वंशपर हमारी छाप रहेगी, तुम माहेश्वरी कहलाओगे. भगवान महेश एवं माता पार्वती के अनुग्रह से उन क्षात्रियों को पुनर्जीवन मिला तथा माहेश्वरी समाज का उद्भव हुआ. शिव जी के भक्त इस दिन महेश वन्दना का गायन करते हैं तथा शिव मन्दिरों में भगवान महेशजी की महाआरती की जाती है.

- महेश नवमी के दिन शिवलिंग और शिव परिवार का पूजन-अभिषेक किया जाता है.
- चंदन, भस्म, पुष्प, गंगा जल, मौसमी फल और बिल्वपत्र चढ़ाकर पूजन किया जाता है.
- डमरू बजाकर भगवान शिव की आराधना की जाती है.
- पीतल का त्रिशूल चढ़ाया जाता है. कथा का श्रवण किया जाता है.

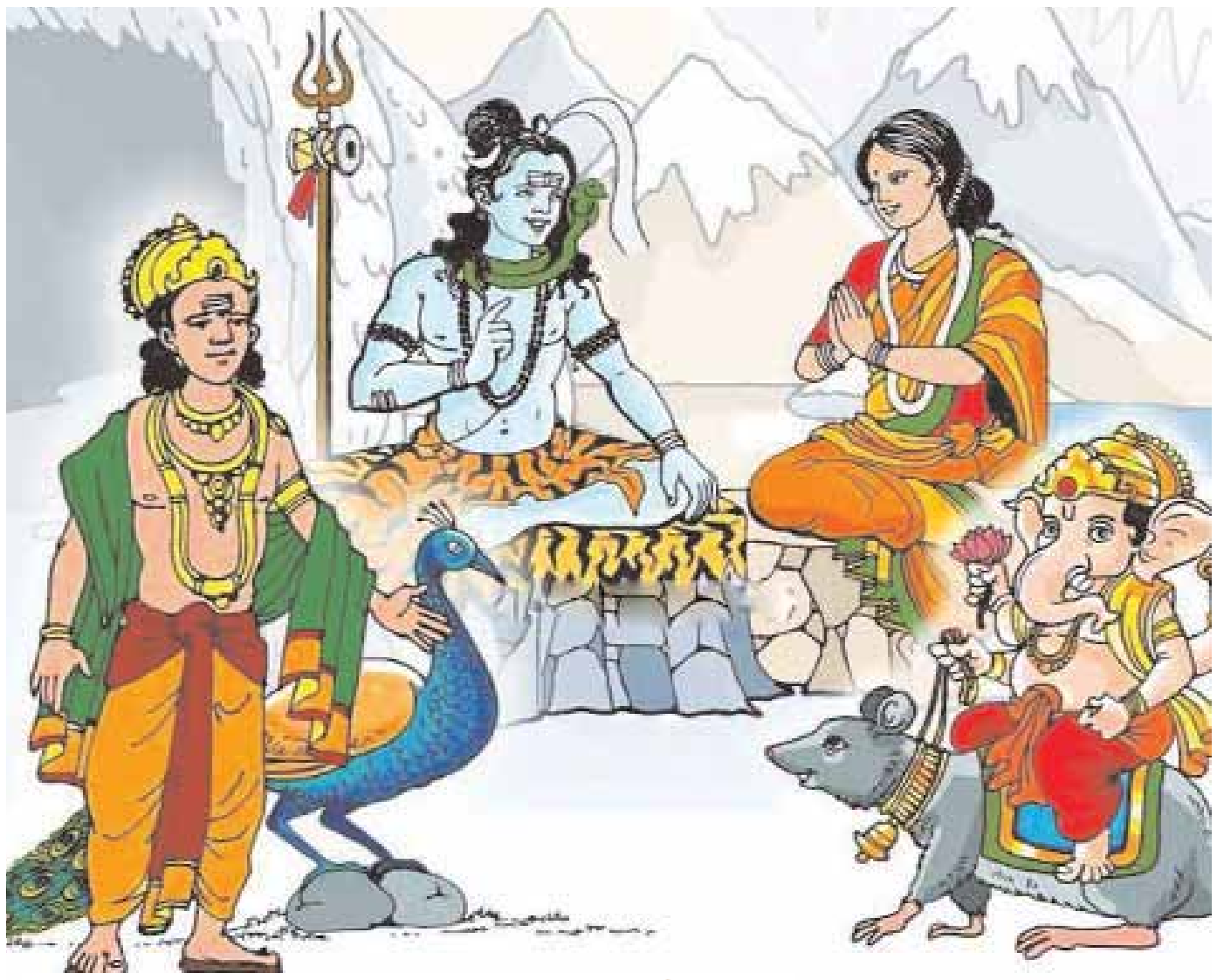

कब है महेश नवमी? इस मुहूर्त में करें महादेव-मां पार्वती की पूजा

ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को महेश नवमी मनाई जाती है, जिसका संबंध माहेश्वरी समाज और भगवान शिव-पार्वती से है. 23 जून 2026 को यह पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा. इस दिन शिव परिवार की विधि-विधान से पूजा कर भक्त उनकी कृपा प्राप्त करते हैं. शुभ मुहूर्त में जल, बिल्वपत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों का कल्याण करते हैं, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है.

हिंदू धर्म में भगवान शिव संहार के देवता माने जाते हैं, लेकिन भगवान शिव मात्र जल चढ़ने भर से प्रसन्न हो जाते हैं. शिव प्रसन्न होकर अपने भक्तों का कल्याण करते हैं. शिव जी को भक्त भोले भंडारी, औघड़दानी, नीलकंठ, महादेव, महेश और महेश्वर आदि नामों से पुकारते और पूजते हैं. धर्म शास्त्रों में शिव पूजा और व्रत के लिए कई तिथियां बताई गई हैं. इन्हीं तिथियों में से एक है ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि.

ये तिथि बहुत पावन और विशेष मानी जाती है. इस तिथि का संबंध माहेश्वरी समाज से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि इस तिथि पर ही महेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई थी. ऐसे में इस तिथि पर महेश नवमी का पर्व मनाया जाता है. धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से सौभाग्य, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है. इस साल 23 जून को महेश नवमी का पर्व मनाया जाएगा. आइए महेश नवमी का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और धार्मिक महत्व जानते हैं.

महेश नवमी की पूजा विधि

- महेश नवमी की पूजा करने के लिए प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व उठें.
- इसके बाद स्नान ध्यान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें.
- फिर किसी शिवालय में या फिर घर में शिव परिवार की विधि-विधान से साधना-आराधना करें.
- शिवलिंग पर गंगाजल या शुद्ध जल अर्पित करने के बाद चंदन, पुष्प, फल, फूल, भस्म,धतूरा और बिल्वपत्र चढ़ाएं.
- अंत में शिव जी और माता पार्वती की आरती करके पूजा का समापन करें.

महेश नवमी का महत्व

महेश नवमी विशेष रूप से महेश्वरी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है. इसी दिन महेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई थी. इस दिन भगवान शिव की पूजा महेश नाम से की जाती है. इसे शिव-गौरी विवाह तिथि भी कहते हैं. इस दिन दंपत्ति शिव-पार्वती का पूजन करने खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हैं.

सुख, समृद्धि और शांति के द्वार खोलता है घर का दरवाजा

घर का दरवाजा ही हमारी सुख, समृद्धि और शांति के द्वार खोलता है। यह टूटा फूटा, एक पल्ले वाला, त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला, दरवाजे के भीतर वाला दरवाजा, खिड़कियों वाला दरवाजा आदि नहीं होना चाहिए। इसकी देहली के साथ ही इसकी ऊपर की चौखट को भी सुंदर बनाएं और वहां पर वंदनवार लगाएं।

वंदनवार मुख्यतः तीन चीजों में से एक से बनाया जाता है। 1.अशोक या आम के नए कोमल पत्तों में छेदकरकर पीला सूत डालकर उसकी माला बनाकर, 2.नारियल के रेशों से वंदनवार बनाया जाता है और 3.पीली कौड़ी या सीपों की माला बनाकर चौखट पर टांगा जाता है।

- **आम के पत्ते**
  मुख्य द्वार में आम, पीपल, अशोक के पत्तों का बंदनवार लगाने से वंशवृद्धि होती है। इसे अक्सर दीपावली के दिन द्वार पर बांधा जाता है। हालांकि इसे हमेशा बांधकर रखना शुभफलदायी है। आम के पत्तों के वन्दनवार से घर में खुशहाली बनी रहती है।
- **अशोक के पत्ते**
  अशोक के पत्तों के वंदनवार बनाकर चौखट पर लटकाने से घर में आर्थिक संपन्नता आती है।
- **पीली कौड़ी या सीप**
  पीली कौड़ी या सीप से वंदनवार बनाने से किया कराया या किसी भी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का असर नहीं होता है।
- **नारियल के रेशे**
  नारियल के रेशों के वन्दनवार से घर में कर्ज और सभी तरह के रोग दूर होती हैं।

अन्य फायदे :

- वंदनवार इस बात का प्रतीक है कि देवगण इन पत्तों की भीनी भीनी सुगंध से आकर्षित होकर घर में प्रवेश करते हैं।
- वंदनवार बंधी रखने से घर परिवार में एकता व शांती बनी रहती है।

कौन हैं महेश और महेश्वर

भगवान महेश को ही महेश्वर कहा जाता है। यह त्रिदेवों में से एक है। आओ जानते हैं कि भगवान महेश का रहस्य क्या है।

- हमेशा जब भी त्रिदेवों की बात होती है तो हम ब्रह्मा, विष्णु और महेश नाम लेते हैं। ब्रह्मा, विष्णु और शिव या शंकर का नाम नहीं लेते हैं। प्रचलन में ब्रह्मा, विष्णु और महेश नाम ही है। मतलब त्रिदेवों में एक है भगवान महेश।
- शिवपुराण के अनुसार कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और अम्बिका से ने निश्चय करके वामांग पर अमृत मल दिया जिसके चलते विष्णु की उत्पत्ति हुई। विष्णु को उत्पन्न करने के बाद सदाशिव और शक्ति ने पूर्ववत प्रयत्न करके ब्रह्माजी अपने दाहिने अंग से उत्पन्न किया और तुरंत ही विष्णु के नाभि कमल में डाल दिया। इस प्रकार उस कमल से पुत्र के रूप में हिरण्यगर्भ (ब्रह्मा) का जन्म हुआ। एक बार ब्रह्मा और विष्णु दोनों में सर्वोच्चता को लेकर लड़ाई हो गई, तो बीच में कालरूपी एक स्तंभ आकर खड़ा हो गया। तब दोनों ने पूछा- 'प्रभो, सृष्टि आदि 5 कर्तव्यों के लक्षण क्या हैं? यह हम दोनों को बताइए।' तब ज्योतिर्लिंग रूप काल ने कहा- 'पुत्रो, तुम दोनों ने तपस्या करके मुझसे सृष्टि (जन्म) और स्थिति (पालन) नामक दो कृत्य प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार मेरे विभूतिस्वरूप रुद्र और महेश्वर ने दो अन्य उत्तम कृत्य संहार (विनाश) और तिरोभाव (अकृत्य) मुझसे प्राप्त किए हैं, परंतु अनुग्रह (कृपा करना) नामक दूसरा कोई कृत्य पा नहीं सकता। रुद्र और महेश्वर दोनों ही अपने कृत्य को भूले नहीं हैं इसलिए मैंने उनके लिए अपनी समानता प्रदान की है।' सदाशिव कहते हैं- 'ये (रुद्र और महेश) मेरे जैसे ही वाहन रखते हैं, मेरे जैसा ही वेश धरते हैं और मेरे जैसे ही इनके पास हथियार हैं। वे रूप, वेश, वाहन, आसन और कृत्य में मेरे ही समान हैं।'
- अब यहां 7 आत्मा हो गईं- ब्रह्म (परमेश्वर) से सदाशिव, सदाशिव से दुर्गा। सदाशिव-दुर्गा से विष्णु, ब्रह्मा, रुद्र, महेश्वर का जन्म हुआ।
- महाभारत में माहेश्वरों (शैव) के 4 संप्रदाय बतलाए गए हैं- शैव, पाशुपत, कालदमन और कापालिक।
- नर्मदा नदी के तट पर महिष्मती (महेश्वर) नामक नगर है। प्राचीनकाल में जहां का राजा सहस्रबाहु था।
- कहते हैं कि महेश जो भगवान शंकर का महिष रूप है। इसीलिए उन्हें महेश कहा जाता है। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेष भी है।
- शिवजी के द्वारपाल का एक नाम : कैलाश पर्वत के क्षेत्र में उस काल में कोई भी देवी या देवता, दैत्य या दानव शिव के द्वारपाल की आज्ञा के बगैर अंदर नहीं जा सकता था। ये द्वारपाल संपूर्ण दिशाओं में तैनात थे। इन द्वारपालों के नाम हैं- नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।
- पंच कैलाश में से एक मणि महेश कैलाश (हिमाचल भारत) : यह स्थान हिमाचल प्रदेश में बुद्धिल घाटी में भरमौर से 21 किलोमीटर दूर स्थित है। हिमाचल की पीर पंजाल की पहाड़ियों के पूर्वी हिस्से में तहसील भरमौर में स्थित है यह प्रसिद्ध तीर्थ हिमाचल के चंबा शहर से करीब 82 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मणिमहेश में भगवान शिव मणि के रूप में दर्शन देते हैं। इसी कारण इसे मणिमहेश कहा जाता है। धौलाधार, पांगी व जांस्कर पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा यह कैलाश पर्वत मणिमहेश कैलाश के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर भी मानसरोवर की तरह एक झील है जिसे मणिमहेश झील कहा जाता है। झील कैलाश पीक (18,564 फीट) के नीचे13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। शिवजी ने इस पर्वत क्षेत्र में वर्षों तक तपस्या की थी।

व्यक्ति के जन्म के समय की तिथि किस गुण-दोष के बारे में बताती है

तिथि, वार, नक्षत्र, राशि और ग्रह, इन सबकी अपनी-अपनी प्रवृत्ति और गुण होते हैं, तदनुसार ही ये व्यक्ति को प्रभावित करते हैं। तिथि, वार और नक्षत्र, ये व्यक्ति के चरित्र को आधार देते हैं और ग्रह उसके लिए परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों का स्वभाव, तिथि, वार और नक्षत्रों की प्रकृति तथा इनके कारण व्यक्ति के व्यवहार व आचरण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

हम सभी जानते हैं कि तिथियां प्रतिपदा से लेकर चतुर्दशी, अमावस्या और पूर्णिमा को मिलाकर सोलह होती हैं, जो क्रम संख्या के अनुसार ही बोली जाती हैं, जैसे, प्रतिपदा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी आदि। ज्योतिष शास्त्र के ग्रंथों में प्रत्येक तिथि को जन्म लेने वाले मनुष्य का शुभाशुभ विचार इस प्रकार दर्शाया गया है। यहां पर तिथि फल जानने से पहले यह समझना आवश्यक है कि अकेला तिथि फल भाग्य, चरित्र फल का सूचक नहीं होता। तिथि के साथ वार फल, नक्षत्र फल, योग फल, जन्मपत्री में चलने वाली शुभाशुभ दशाऐं तथा प्रत्येक ग्रह के गुण-दोष को एक साथ सम्मिलित करके जो फल निकलता है, वही फल उस जातक के लिए सटीक रहता है। यहां पर तिथि फल सूचनार्थ दिया जा रहा है।

1. **प्रतिपदा** - नकारात्मक लोगों के साथ संगति, धनार्जन में संघर्ष, भोग-विलासी।
2. **द्वितीया** - परमवीर लेकिन सत्यवर्जित, निर्दय, स्वच्छता का ध्यान न रखने वाला।
3. **तृतीया** - विचलित, चेतना शून्य, झगड़ालू स्वभाव, धन उर्पाजन में संघर्ष।
4. **चतुर्थी** - भोगी, दानशील, धन और सन्तान सुख से युक्त, मित्र, स्नेही।
5. **पंचमी** - व्यवहारपटु, गुणग्राही, माता-पिता का भक्त दानी, भोगी।
6. **षष्ठी** - कई देशों में भ्रमण करने वाला, कलहप्रिय, अतिभोजी।
7. **सप्तमी** - थोड़े में ही सन्तुष्ट, भाग्यशाली, तेजस्वी, पुत्रवान, गुणी।
8. **अष्टमी** - धर्मात्मा, सत्यवक्ता, दानी, भोगी, स्नेहशील, गुणज्ञ, कार्यज्ञ।
9. **नवमी** - देवता पूजक, स्त्री-पुत्र-धन में आसक्त, शास्त्रों का ज्ञाता।
10. **दशमी** - थोड़े से सन्तुष्ट, सरकार, शासन, प्रशासन का प्रिय, पवित्र विचार, धन सम्पन्न।
11. **एकादशी** - धर्म-अधर्म का ज्ञाता, देवता में आस्था वाला, तेजस्वी, सुखी।
12. **द्वादशी** - चंचल, अस्थिरबुद्धि, दुबला शरीर, देश-विदेश में भ्रमणशील।
13. **त्रयोदशी** - सफलता सिद्धि प्राप्त करने वाला, शास्त्रज्ञ, जितेन्द्रिय, परोपकारी।
14. **चतुर्दशी** - धनवान, धर्मात्मा, वीर, वचन का पालन करने वाला, राजमान्य, यशस्वी।
15. **पूर्णिमा** - धनी, बुद्धिमान, भोजनप्रिय, भौतिक सुखों के प्रति आसक्त।
16. **अमावस्या** - झगड़ालू, विचित्र चरित्र, पराक्रमी, गुप्त मंत्रज्ञ।

यद्यपि व्यक्ति के चरित्र-निर्माण में राशि, ग्रह, ग्रहों के परस्पर सम्बन्ध, तिथि, वार एवं जन्म के समय वर्तमान नक्षत्र, इन सबका सम्मिलित प्रभाव रहता है, ग्रह जीवन की प्रमुख घटनाओं की सूचना देते हैं।

अल्फा का ट्रेलर जारी, अग्नि परीक्षा के लिए तैयार आलिया भट्ट, सीता बन फूकेंगी लंका, ऋतिक रोशन की एंट्री ने मचाया धमाल

अल्फा सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाली फिल्मों में से एक हैं. टीजर रिलीज के बाद से फैंस इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. मेकर्स ने उनके इस इंतजार पर विराम लगाया है और फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है. ट्रेलर का अंत फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के साथ होता है. वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर ऐल्फा का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, लड़कियां बस मजे करना चाहती हैं... बंदूकों के साथ अल्फा 3 जुलाई से सिनेमाघरों में.

अल्फा ट्रेलर की शुरुआत एक बच्ची के साथ होती है जो कांच के बॉक्स में रोती हुई दिखाई दे रही है. फतेह (बॉबी देओल) ऐलान करता है, इसकी मां का नाम जानकी था, हम इसे सीता बुलाएंगे. इसके बाद आलिया भट्ट का वॉयस ओवर आता है, जो एक कहानी सुनाती है. यह कहानी फतेह की होती है. इसके बाद के सीन में बच्ची को बेरहम हत्यारी बनने की ट्रेनिंग दी जाती है, एक ऐसी हत्यारी जिसे आदेश मिलने पर टारगेट को खत्म करने के लिए तैयार किया गया है. वॉयसओवर के ज़रिए, आलिया फतेह को एक राक्षस बताती है जिसने एक राजकुमारी का अपहरण किया था. लेकिन रामायण की सीता के उलट, जो राम के बचाने का इंतजार करती थीं, यह सीता फतेह की लंका को खुद खत्म करने के लिए अपनी सीखी हुई हर चीजों का इस्तेमाल करती है. ट्रेलर में आलिया का यह डायलॉग सीता आज खुद लंका जलाने आई है लोगों का ध्यान खींचता है. इसके बाद कुछ एक्शन सीन दिखाई जाते हैं. आलिया फुल एक्शन मोड में नजर आती हैं. शरवरी भी इस मिशन में शामिल हो जाती है. वह स्टंट करती नजर आती है. एक सीन में उनका और आलिया का एक्शन सीन दिखाया गया है. वहीं, अनिल कपूर दोनों एजेंटों को गाइड करते हुए दिखाई देते हैं. फतेह एक नाराज एक्स-स्पाई लगता है जो देश से बदला लेना चाहता है. वह कहता है,मैं जो बना रहा हूं वो इतिहास है. इसके बाद दिखाया जाता है शरवरी और आलिया एक टीम में हो जाती है और फतेह की दुनिया का सर्वनाश करने आगे बढ़ती हैं. वहीं फतेह कहता है, इंडिया ने ऐल्फा की कद्र नहीं की, अब इंडिया ऐल्फा से डरेगा. यहां, सीता का गला फतेह के हाथों में दिखाया जाता है. ट्रेलर में वॉर और वॉर 2 के मेजर कबीर धालीवाल के तौर पर ऋतिक रोशन की एक खास झलक भी दिखाई गई है, जो आलिया और शरवरी की उनके मिशन में मदद करने के लिए आते हैं. हालांकि ट्रेलर में सिर्फ ऋतिक की आंखें ही दिखाई गई हैं, लेकिन फैंस के क्रेजी होने के लिए इतना ही काफी था.

शिव रवैल के निर्देशन और आदित्य चोपड़ा के प्रोडक्शन में बनी ऐल्फा में आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म सौमिल शुक्ला और श्रीधर राघवन की स्क्रीनप्ले पर आधारित है, और इसकी कहानी उदय चोपड़ा ने लिखी है. अल्फा यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म है. इस यूनिवर्स में एक था टाइगर (2012), टाइगर जिंदा है (2017), वॉर (2019), पठान (2023), टाइगर 3 (2023) और वॉर 2 (2025) जैसी फिल्में शामिल हैं. ऐल्फा 3 जुलाई को रिलीज़ होगी.

मोहनलाल की दृश्यम 3 ने विदेशी बॉक्स ऑफिस लूटा

बनी मॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म

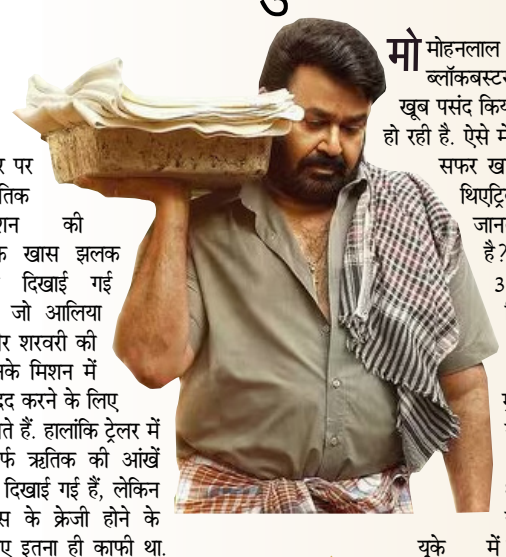

मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी. ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी इंस्टॉलमेंट को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया. वहीं 18 जून को ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो रही है. ऐसे में अब ये दुनिया भर के सिनेमाघरों में अपनी कमाई का सफर खत्म करने वाली है. वहीं ओवरसीज में तो फिल्म का थिएट्रिकल रन तकरीबन खत्म सा ही हो गया है. चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने ओवरसीज में कितना कलेक्शन किया है?मोहनलाल की मलयालम क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 इंटरनेशनल लेवल पर ब्लॉकबस्टर रही है. इसने अपने थिएट्रिकल रन के दौरान मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका (यूएसए और कनाडा) और यूके (यूके-आयरलैंड) में जबरदस्त परफॉर्म किया है.वहीं लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक मिडिल ईस्ट रीजन से इसने $6.47 मिलियन से ज़्यादा की कमाई हुई है, जोकि इंडियन करेंसी के हिसाब से 61.17 करोड़ से ज़्यादा है. नॉर्थ अमेरिका क्षेत्र से इसकी कमाई $1.97 मिलियन से ज़्यादा है जो भारतीय रुपयों में 18.61 करोड़ से ज़्यादा है. वहीं यूके में इसने $1.42 मिलियन से ज़्यादा कमाए हैं, जो भारतीय रुपयों में 13.41 करोड़ से ज़्यादा है. कुल मिलाकर, दृश्यम 3 ने अपनी रिलीज के 26 दिनों में ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 111.7 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई की है.यह एक शानदार आंकड़ा है, जिससे यह एल2: एम्पुरान (142.25 करोड़ रुपये) के बाद मोहनलाल की दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फ़िल्म बन गई है. दृश्यम 3 111.7 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिलहाल ओवरसीज़ बॉक्स ऑफिस पर तीसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फ़िल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है और यह इसी पायदान पर अपना सफ़र खत्म करेगी. वहीं दूसरी पोजिशन हासिल करने के लिए, इसे लोकाह चैप्टर 1 – चंद्रा के 119.9 करोड़ रुपये को मात देनी होगी. इसके लिए इसे 8.2 करोड़ रुपये और कमाने होंगे. लेकिन मोहनलाल की इस फ़िल्म का सफ़र लगभग खत्म हो चुका है, इसलिए लोकाह चैप्टर 1 – चंद्रा को पछाड़ना अब इसके लिए नामुमकिन है.

कॉकटेल 2 को सीबीएफसी से मिली हरी झंडी, बोर्ड ने शाहिद-कृति-रश्मिका की फिल्म को बिना किसी विजुअल कट के दी मंजूरी

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इसे सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफ़िकेशन से मंजूरी मिल गई है. फिल्ममेकर्स के लिए ये खुशी की बात है कि इस फिल्म में कोई विजुअल कट नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड ने ऑडियो में कुछ बदलाव करने के निर्देश दिए हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में कोई विज़ुअल कट नहीं किया गया है. इसका मतलब है कि फिल्म के सभी सीन, जिनमें रोमांटिक और इंटीमेट पल भी शामिल हैं, उन्हें उनके ओरिजिनल रूप में ही रखा गया है. हालांकि, सर्टिफिकेशन देने से पहले बोर्ड ने मेकर्स को ऑडियो से जुड़े कुछ बदलाव करने का निर्देश दिया था.रिपोर्ट्स के मुताबिक, किए गए बदलावों में, फिल्म के सबटाइटल में दिख रहे एक अपशब्द को हटा दिया गया. एक और बदलाव के तहत, फिल्म में जहां भी अग्नि शब्द आया था, उसे दीया शब्द से बदल दिया गया है. बोर्ड ने ज्यू ऑन द रन के रेफरेंस को हटाने के लिए भी कहा.सर्टिफिकेशन ऑर्डर में यह नहीं बताया गया है कि इस फ्रेज का इस्तेमाल किस कॉन्टेक्स्ट में किया गया था, जिससे यह साफ नहीं हो पाता कि यह किसी व्यक्ति, आर्ट के काम के लिए था, या कहानी में सिर्फ एक आम बात के तौर पर इस्तेमाल किया गया था.इस तरह सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से कॉकटेल 2 को ए सर्टिफिकेट मिला है. सर्टिफिकेट के अनुसार, फिल्म की लंबाई 149.19 मिनट है. दूसरे शब्दों में, कॉकटेल 2 2 घंटे, 29 मिनट और 19 सेकंड लंबी है.19 जून को रिलीज होने वाली कॉकटेल 2 के मुख्य कलाकारों के करियर में यह एक अहम पड़ाव भी है. यह कृति के 12 साल के करियर की पहली एडल्ट-रेटेड फिल्म है. जबकि रश्मिका के लिए, एनिमल के बाद यह ए सर्टिफिकेट वाली उनकी दूसरी हिंदी फिल्म है. वहीं, शाहिद के लिए कमीने, उड़ता पंजाब, कबीर सिंह और ओरोमियो के बाद यह उनकी फ़िल्मों की लिस्ट में एक और एडल्ट-रेटेड फिल्म जुड़ गई है.कॉकटेल 2 2012 की हिट फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है. पहले पार्ट में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने काम किया था. ओरिजिनल फिल्म लंदन में रहने वाले तीन दोस्तों के बीच एक उलझे हुए लव ट्राएंगल (प्रेम त्रिकोण) पर आधारित थी. पीक्वल की तरह ही, इस सीक्वल को होमी अदजानिया ने डायरेक्ट किया है, इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है. मैडॉक के साथ-साथ, इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने भी प्रोड्यूस किया है और इसमें प्रीतम चक्रवर्ती का संगीत है. सीक्वल को तरुण जैन और लव रंजन ने लिखा है.

कॉकटेल 2 से बंधु 2.0 गाना जारी, धमाकेदार डांस

शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन की फिल्म कॉकटेल 2 से नया गाना जारी हुआ है। इस बार निर्माताओं ने किसी ओरजिनल गाने को रिलीज करने की बजाए रीमेक गाने को जारी किया है, जो आते ही यूट्यूब पर छा गया है। गाने को बंधु 2.0 शीर्षक दिया गया है, जो सैफ अली खान अभिनीत कॉकटेल (2012) का लोकप्रिय गाना था। रीक्रिएटेड गाने में शाहिद, कृति और रश्मिका फुल मस्ती के साथ धमाकेदार डांस करते दिख रहे हैं। बंधु 2.0 गाने को कविता सेठ और नीरज श्रीधर ने मिलकर आवाज दी है। इरशाद कामिल ने इसके बोल लिखे हैं और प्रीतम ने संगीत दिया है। गाने का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। गाने की शुरुआत में शाहिद मजेदार अंदाज में कहते हैं, रीमेक गाना मत करो, जनता ट्रोल कर देगी। हालांकि कृति और रश्मिका उनकी नहीं सुनती और गाने पर डांस करती हैं। उधर गाना जारी होते ही फैंस इसकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से कॉकटेल 2 को ए सर्टिफिकेट मिला है. सर्टिफिकेट के अनुसार, फिल्म की लंबाई 149.19 मिनट है.

दूसरे शब्दों में, कॉकटेल 2 2 घंटे, 29 मिनट और 19 सेकंड लंबी है. 19 जून को रिलीज होने वाली कॉकटेल 2 के मुख्य कलाकारों के करियर में यह एक अहम पड़ाव भी है. यह कृति के 12 साल के करियर की पहली एडल्ट-रेटेड फिल्म है. जबकि रश्मिका के लिए, एनिमल के बाद यह ए सर्टिफिकेट वाली उनकी दूसरी हिंदी फिल्म है. वहीं, शाहिद के लिए कमीने, उड़ता पंजाब, कबीर सिंह और ओरोमियो के बाद यह उनकी फ़िल्मों की लिस्ट में एक और एडल्ट-रेटेड फिल्म जुड़ गई है. कॉकटेल 2 2012 की हिट फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है. पहले पार्ट में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने काम किया था. ओरिजिनल फिल्म लंदन में रहने वाले तीन दोस्तों के बीच एक उलझे हुए लव ट्राएंगल (प्रेम त्रिकोण) पर आधारित थी.

ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं ? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

हैंडबैग एक ऐसा फैशन का सामान है, जो न केवल महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि उनके लुक को भी खास बनाता है। जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका चयन सही हो और आपको संतुष्टि मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑनलाइन हैंडबैग का सही चयन कर सकती हैं।

सही आकार चुनें : जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदें तो सबसे पहले उसके आकार पर ध्यान दें। यह तय करें कि आपको छोटे, मध्यम या बड़े आकार का बैग चाहिए। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतर होते हैं, जबकि बड़े आकार के बैग यात्रा या शॉपिंग के लिए उपयुक्त होते हैं। मध्यम आकार के बैग्स ऑफिस या कॉलेज जाने के लिए अच्छे होते हैं। इस तरह आप अपनी जरूरत के हिसाब से सही आकार चुन सकती हैं।

सामग्री का चयन करें: हैंडबैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। चमड़ा, कैनवास, नायलॉन आदि अलग-अलग सामग्रियों में उपलब्ध होते हैं। चमड़े के बैग्स लंबे समय तक चलते हैं और स्टाइलिश दिखते हैं, लेकिन इनकी देखभाल ज्यादा करनी पड़ती है। कैनवास बैग्स हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि नायलॉन पानी से बचाने वाले होते हैं और बारिश में भी सुरक्षित रहते हैं। अपनी जरूरतों और पसंद के अनुसार सही सामग्री का चयन करें।

रंगों का मेल देखें : आपका हैंडबैग आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए ताकि आपका लुक पूरा लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक पहनती हैं तो काले, भूरे या बेज रंग के बैग्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये लगभग सभी रंगों के साथ जाते हैं, वहीं अगर आप पार्टी के लिए तैयार होती हैं तो चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा रंग का बैग चुन सकती हैं जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

स्टाइल पर ध्यान दें: स्टाइल भी बहुत जरूरी होता है जब बात फैशन की आती है। फ्लैप बंद, जिपर बंद या मैग्नेटिक बंद जैसे अलग-अलग स्टाइल उपलब्ध होते हैं। फ्लैप बंद बैग्स क्लासिक लुक देते हैं जबकि जिपर बंद बैग्स आधुनिक दिखते हैं। मैग्नेटिक बंद बैग्स जल्दी खोलने बंद करने में आसान होते हैं। अपने स्टाइल और सुविधा के अनुसार सही बंद स्टाइल चुनें ताकि आपका हैंड बैग न केवल उपयोगी हो बल्कि आपकी व्यक्तिगत शैली को भी दर्शाए।

ग्राहक समीक्षा पढ़ें : ऑनलाइन खरीदारी करते समय ग्राहक समीक्षा पढ़ना बहुत जरूरी है ताकि आपको उत्पाद की गुणवत्ता और प्रदर्शन का सही अंदाजा हो सके। अच्छी रेटिंग वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें और नकारात्मक समीक्षाओं पर ध्यान दें ताकि किसी भी तरह की निराशा से बचा जा सके। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए सबसे अच्छा हैंड बैग चुन सकती हैं जो आपकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से फिट बैठेगा।

पेड्डी की कमाई में आई गिरावट, मैं वापस आऊंगा-हॉन्टेड 3 डी चमकी, कंगना की फिल्म ने तोड़ा दम

वीकेंड पर दबाकर कमाई करने वाली फिल्में अक्सर वीकडेज में मंदी की मार झेलती हैं. सिनेमाघरों में मौजूद हालिया रिलीज सभी फिल्मों का भी कुछ ऐसा ही हाल है. बीते शुक्रवार को रिलीज हुई चार फिल्मों में से हॉन्टेड 3 डी और मैं वापस आउंगा ही बॉक्स ऑफिस पर ठीक परफॉर्म कर रही है. बाकी की गवर्नर और भारत भाग्य विधाता का हाल बुरा है. इन सबके बीच राम चरण की पेद्दी कमाई में गिरावट के बावजूद अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बढ़त बनाए हुए है. लेकिन वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है कमाई के लिए संघर्ष कर रही है. चलिए यहां जानते हैं मंगलवार को इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म किया है? राम चरण की पेद्दी की कमाई में वीकडेज में फिर गिरावट देखी जा रही है. बावजूद इसके ये सिनेमाघरों में मौजूद सभी फिल्मों से ज्यादा कलेक्शन कर रही है. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को इसने 3.45 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ भारत में इसकी 13 दिनों की नेट कमाई अब 223.55 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं इम्तियाज अली निर्देशित और दिलजीत दोसांझ स्टारर फिल्म मैं वापस आऊंगा की कमाई में मंडे को गिरावट देखी गई थी और इसने 1.15 करोड़ कमाए थे. वहीं मंगलवार को इसके कलेक्शन में तेजी देखी जा रही है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को 1.65 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इसकी भारत में 5 दिनों की नेट कमाई अब 8.30 करोड़ रुपये हो गई है.

वहीं 12 जून को रिलीज हुई सभी फिल्मों में विक्रम भट्ट निर्देशित हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी सबसे अच्छा परफॉर्म कर रही है. हालांकि मंडे को इसकी कमाई में भी मंदी आई थी और इसने 2 करोड़ कमाए थे. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबित मंगलवार को रिलीज के 5वें दिन हॉन्टेड 3डी इकोज ऑफ द पास्ट ने 2 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 5 दिनों की भारत में नेट कमाई अब 13.35 करोड़ रुपये हो गई है.

इधर कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता बॉक्स ऑफिस पर कमाई के लिए जद्दोजहद कर रही है. मंडे टेस्ट में ये फेल हो गई थी और इसने महज 65 लाख रुपये कमाए थे.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को इस फिल्म ने 65 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ भारत भाग्य विधाता की 5 दिनों की भारत में कुल नेट कमाई अब 5.55 करोड़ रुपये हो गई है.

वहीं वरुण धवन स्टार और डेविड धवन निर्देशित है जवानी तो इश्क होना है भी बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ रही है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.35 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इसकी 12 दिनों की भारत में नेट कमाई अब 47.50 करोड़ रुपये हो गई है.

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

अंतिम मिनटों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में 2-1 से हराया

एजेंसी, रॉटरडैम

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के रॉटरडैम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मुकाबले की शुरुआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कॉर्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे याकॉब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में हर्षित राणा की वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (19 जून) को पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। हर्षित राणा पिछले कुछ समय से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है और वह चेन्नई में भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को चेन्नई में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाएगा। 24 वर्षीय हर्षित राणा इस साल टी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच के दौरान घुटने की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। चोट के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा नहीं ले सके और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर नहीं उतर पाए। हालांकि लंबे पुनर्वास के बाद राणा को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों की संभावित योजनाओं में भी शामिल किया गया था। अब उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी चेन्नई वनडे से ही हो सकती है, यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है। हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ निचले क्रम में 43 गेंदों पर 52 रन भी बनाए थे। अब तक खेले 14 वनडे मुकाबलों में वह 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। भारत फिलहाल तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है। टीम ने धर्मशाला और लखनऊ में खेले गए पहले दो मुकाबले जीत लिए थे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार (20 जून) को चेन्नई में खेला जाएगा।

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे अनिल कुंबले

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि वह अपने करियर के शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे पर जब उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे तो मजबूरन उन्हें लेग स्पिन अपनानी पड़ी थी। कुंबले का कहना है कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे तेज गेंदबाजी करते थे पर एक एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठा दिये थे जिसके बाद उन्हें स्पिन अपनानी पड़ी। कुंबले ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने कोच से मुझे गेंदबाजी करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूं। तब मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूं। मैं वैसे ही गेंदाबाजी कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय मैं लगभग 13-14 साल का था। इस आरोप के कारण मुझे कर्नाटक अंडर-15 चयन ट्रायल से कुछ सप्ताह पहले ही कोई दूसरा रास्ता निकालना था। ऐसें में उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें लेग स्पिन अपनाने का सुझाव दिया।

कुंबले ने कहा, फिर मुझे अंडर-15 चयन ट्रायल देने का अवसर मिला। इसमें दो माह का समय था। तब तक मैं तेज गेंदबाजी नहीं कर सकता था क्योंकि लोग पहले ही कह रहे थे कि मेरा एक्शन सही नहीं है।

टीम में जगह बनाये रखने के लिए प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस भी जरुरी : मनप्रीत

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है टीम में जगह बनाये रखने के लिए प्रदर्शन के साथ ही फिटनेस पर भी ध्यान देना सबसे जरुरी है। मनप्रीत ने कहा कि फिटनेस बनी रहने के कारण ही वह भारत की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे हैं। मनप्रीत ने खेल में अपनी सफलता का श्रेय अपने फिटनेस को दिया है। साथ ही कहा है कि अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के कारण ही वह इतने लंबे समय तक वह देश के लिए खेल पाए हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि टीम में बने रहने के लिए उम्र और अनुभव पर ध्यान न देते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होता है। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे मैचों की संख्या बढ़ती है फिटनेस भी बनाये रखनी होती है। अगर फिटनेस कमजोर पड़ती है तो टीम में जगह भी हाथ से निकल जाती है। मनप्रीत ने कहा, कोचिंग स्टाफ का भी हमेशा से यह कहना रहा है कि प्रदर्शन और चयन फिटनेस से जुड़े रहते हैं। इसलिए अगर आपको टीम में बने रहना है, तो आपको हर समय फिटनेस बनाये रखनी होगी। यहां तक कि ब्रेक के दौरान भी लापरवाही नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, जब भी मैं ब्रेक पर होता हूं या शिविर में होता हूं, तो मैं फिट रहने के लिए अपना रूटीन जारी रखता हूं।

बारिश से प्रभावित मैच में कोयलांचल सुपर किंग्स की शानदार जीत

रांची। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग 2026 में कोयलांचल सुपर किंग्स ने धनबाद डायमंड्स को सात विकेट से हराकर अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। JSCA इंटरनेशनल स्टेडियम में बारिश के कारण मैच 17-17 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए धनबाद डायमंड्स ने 17 ओवर में 7 विकेट पर 151 रन बनाए। राम रौशन शरण ने 45 और विशेष दत्ता ने 44 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। कोयलांचल सुपर किंग्स की ओर से जुनैद अशरफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। बारिश के कारण VJD मेथड से लक्ष्य संशोधित कर 150 रन निर्धारित किया गया। जवाब में कोयलांचल सुपर किंग्स ने 15.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 151 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लक्ष्य ने 49, शरणदीप सिंह ने 34 तथा रॉबिन

मिंज ने नाबाद 29 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। धनबाद की ओर से आदित्य सिंह और विवेकानंद तिवारी को एक-एक विकेट मिला।

बिजनेस

वन नेशन, वन एक्सपो' थीम के तहत भारत बिल्डकॉन 2026 का उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में निर्माण सामग्री और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री को मजबूती देने के लिए 'वन नेशन, वन एक्सपो' प्रदर्शनी का गुरुवार को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन किया गया। पहले दिन यहां 25 हजार से अधिक आगंतुक प्रदर्शनी देखने आए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भवन निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योग के लिए आयोजित प्रदर्शनी भारत बिल्डकॉन 2026, 'वन नेशन, वन एक्सपो' का उद्घाटन नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा सांसद पुरुषोत्तम रूपाला ने निर्माण एवं भवन सामग्री उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उद्योगों के लिए अवसरों के विस्तार में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारत–ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच बढ़ने के साथ ही साथ व्यापार संबंधों के मजबूत होने की आशा है, जिससे भारतीय निर्माताओं और निर्यातकों के लिए नए अवसर उत्पन्न होंगे। जितिन प्रसाद ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का भी उल्लेख किया, जिसमें गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए भारत को भरोसेमंद वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग गंतव्य के तौर पर स्थापित करने की बात कही गई है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास निर्माण एवं भवन सामग्री सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक क्षमताएँ और संसाधन मौजूद हैं। प्रसाद ने कहा कि भारत बिल्डकॉन जैसे मंच निर्माताओं, नवप्रवर्तकों, खरीदारों, नीति-निर्माताओं और उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाते हैं, इसके साथ ही इस क्षेत्र में अधिक सहयोग और व्यावसायिक अवसरों के विस्तार में योगदान देते हैं। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों में भी जारी रहेगी और उद्योग सहभागिता, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा व्यावसायिक संवाद के लिए एक मंच प्रदान करेगी। मंत्रालय के मुताबिक भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से ज्यादा देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों की भागीदारी है। इस प्रदर्शनी में सिरेमिक्स और स्टोन, हार्डवेयर, सीमेंट और स्टील, प्लाइवुड और लैमिनेट्स, फर्नीचर, सैनिटरीवेयर, इलेक्ट्रिकल्स, पेंट्स, निर्माण प्रौद्योगिकियों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों सहित 24 खंडों में उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह प्रदर्शनी भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, निर्माताओं, व्यापारियों, नीति-निर्माताओं, उद्योग संघों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को एक साथ लाती है, जिससे उद्योग के बीच संवाद और व्यावसायिक सहयोग के लिए एक मंच उपलब्ध होता है।

प्रह्लाद जोशी ने अनाज भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को किया लॉन्च

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को अनाज भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को लॉन्च किया। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि देश के अनाज भंडारण सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय खाद्य मंत्री ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक समारोह में अनाज भंडारण के लिए एक 'स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम' को लॉन्च किया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने पब्लिक सेक्टर की सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) के 216 अनाज भंडारण गोदामों में इन्वेंट्री और कामकाज पर रियल-टाइम नजर रखने के लिए इस स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को लॉन्च किया है। इस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह सिस्टम सार्वजनिक क्षेत्र में अनाज भंडारण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर आधारित है, इस तकनीकों का दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। मंत्रालय ने कहा कि इस टेक्नोलॉजी-आधारित सिस्टम से ऑपरेशनल क्षमता में काफी सुधार होने की उम्मीद है। इससे गाड़ियों के टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) में कमी आएगी, पारदर्शिता बढ़ेगी, नियमों के पालन की निगरानी मजबूत होगी, मैनपावर की प्रोडक्टिविटी बेहतर होगी, खतरों का जल्द पता चल सकेगा और वेयरहाउस ऑपरेशन्स की रियल-टाइम जानकारी मिल सकेगी।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स में 711 अंकों की गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरुआत बेहद खराब रही है। भारी बिकवाली देखने को मिली, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम हो गए। इस वजह से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 710.77 अंक यानी 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 76,699.20 के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 194.20 अंक यानी 0.80 फीसदी फिसलकर 23,973.80 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा करीब 6 फीसदी तक की गिरावट है। इंफोसिस के शेयर में 8 फीसदी, टीसीएस 6 फीसदी, टेक महिंद्रा 6 फीसदी और एचसीएल टेक शेयर में 5 फीसदी तक गिरावट है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि गरुवार को शेयर बाजार में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक यानी 0.33 फीसदी की उछाल के साथ 77,409.98 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 82.30 अंक यानी 0.34 फीसदी चढ़कर 24,168 के स्तर पर बंद था।

एचडीएफसी बैंक के अंतरिम चेयरमैन केकी मिस्त्री का कार्यकाल तीन महीने बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन के रूप में केकी मिस्त्री के कार्यकाल को 3 महीने तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। एचडीएफसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''आरबीआई ने बैंक के आवेदन पर 18 जून को प्राप्त संचार के माध्यम से यह मंजूरी दी गई है।'' बैंक ने बताया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने केकी मिस्त्री के पार्ट-टाइम चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल को तीन महीने बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। यह कार्यकाल 18 सितंबर, 2026 तक या किसी रेगुलर पार्ट-टाइम चेयरमैन की नियुक्ति होने तक (इनमें से जो भी पहले हो) बढ़ाया गया है। बैंक ने गुरुवार को जारी बयान में यह भी बताया कि उसके निदेशक मंडल ने बैंक की 32वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 5 अगस्त को आयोजित करने को मंजूरी दी है। इस एजीएम में 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 13 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के लाभांश भुगतान को भी मंजूरी दी जाएगी।

जैविक खेती के दम पर पूर्वोत्तर में भारत का अगला ग्रोथ इंजन बनने की क्षमता: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र अपनी सतत कृषि एवं जैविक उत्पादों की ताकत का उपयोग करके भारत का अगला विकास इंजन बनने की क्षमता रखता है। मेघालय राज्य वैश्विक बाजारों में अपने भरोसे के कारण इस क्षेत्र का नेतृत्व करने की विशेष स्थिति में है। मेघालय के री-भोई जिले के भोइरिमबोंग में नॉर्थ-ईस्ट की सबसे बड़ी ऑर्गेनिक मसाला प्रोसेसिंग यूनिट के उद्घाटन समारोह में वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि का भविष्य अब केवल अधिक उत्पादन करने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि बेहतर, स्वच्छ, भरोसेमंद और प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद देने वालों के हाथों में है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब मेघालय के किसान आगे बढ़ेंगे, तो पूरा पूर्वोत्तर आगे बढ़ेगा। जब पूर्वोत्तर आगे बढ़ेगा, तो भारत की विकास यात्रा को एक नया इंजन मिलेगा। सीतारमण ने मेघालय सरकार, महिला समूहों और उद्यमियों को राज्य में जैविक कृषि आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।